हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 15.01.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 174 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

प्रधानमंत्री ने भारत को जलवायु-स्मार्ट देश बनाने के लिए 'मिशन मौसम' का किया शुभारंभ

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारत मंडपम में भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में 'मिशन मौसम' का शुभारंभ किया किया। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर आईएमडी विजन-2047 दस्तावेज और आईएमडी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक सिक्का भी जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत एक जलवायु-स्मार्ट राष्ट्र बने, इसके लिए हमने 'मिशन मौसम' लांच किया है। 'मिशन मौसम' टिकाऊ भविष्य और भविष्य की तत्परता को लेकर भारत की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों से भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की जरूरत है और वैज्ञानिकों तथा शोधकर्ताओं को इस दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौसम विज्ञान में प्रगति से देश को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आईएमडी की स्थापना 15 जनवरी, 1875 को मकर संक्रांति के त्योहार के करीब हुई थी। हम सभी भारतीय संस्कृति में मकर संक्रांति के महत्व को जानते हैं। उन्होंने कहा, मैं गुजरात से हूं, इसलिए मकर संक्रांति मेरा पसंदीदा त्योहार था। आज, पूरे गुजरात में लोग अपनी छतों पर पतंग उड़ा रहे हैं। वे पूरे दिन पतंग उड़ाने का आनंद लेते हैं। मैं भी पतंग उड़ाने का आनंद लेता था। उन्होंने कहा कि आज हम आईएमडी के 150 वर्ष सेलिब्रेट कर रहे हैं। ये केवल भारतीय मौसम विभाग की यात्रा नहीं है, ये हमारे भारत में आधुनिक साइंस और टेक्नोलॉजी की भी यात्रा है। आईएमडी ने न केवल करोड़ों भारतीयों की सेवा की है, बल्कि यह भारत की वैज्ञानिक यात्रा का भी प्रतीक बना है।

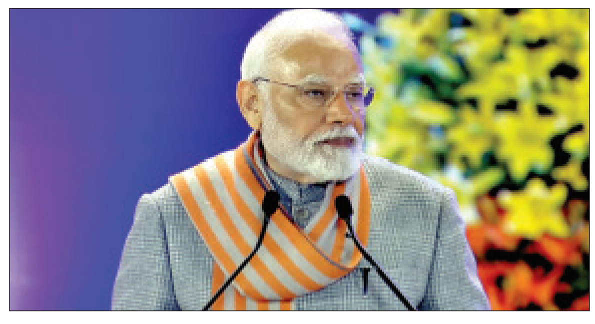

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमने जलवायु से जुड़ी हर चुनौती के लिए देश को तैयार करने के लिए मिशन मौसम की शुरूआत की है। इसका उद्देश्य भारत को जलवायु-स्मार्ट देश में बदलना है। यह मिशन टिकाऊ भविष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और आने वाली चुनौतियों के लिए सक्रिय तत्परता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मिशन मौसम का उद्देश्य अत्यधुनिक मौसम निगरानी तकनीक और प्रणालियां विकसित करके, उच्च-रिजॉल्यूशन वायुमंडलीय अवलोकन, अगली पीढ़ी के रडार और उपग्रहों और उच्च-प्रदर्शन वाले कंप्यूटरों को लागू करके इसे प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि यह मौसम और जलवायु प्रक्रियाओं की समझ को बेहतर बनाने, वायु गुणवत्ता डेटा प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा जो लंबे समय में मौसम प्रबंधन और हस्तक्षेप की रणनीति बनाने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि मौसम विज्ञान किसी भी देश की आपदा प्रबंधन क्षमता के लिए सबसे महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है। प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए हमें मौसम विज्ञान की दक्षता को अधिकतम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विज्ञान में प्रगति और इसकी पूर्ण क्षमता का दोहन करने की क्षमता किसी देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को आकार देने की आधारशिला का काम करती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में विकास और उसकी पूरी क्षमता का उपयोग किसी भी देश की वैश्विक छवि के लिए एक बड़े आधार के रूप में काम करता है। आज, हमारी मौसम संबंधी प्रगति के कारण, हमने अपनी आपदा प्रबंधन क्षमता का निर्माण किया है और इसका लाभ पूरी दुनिया को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी आपदा की स्थिति में अपने पड़ोसी देशों की मदद करने वाले पहले देशों में से एक है। भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ा है। 'विश्व बंधु' के रूप में भारत की छवि मजबूत हुई है और मैं इसका श्रेय आईएमडी के वैज्ञानिकों को देता हूं। उन्होंने कहा कि हमारी मौसम विज्ञान संबंधी उन्नति के चलते हमारी आपदा प्रबंधन क्षमता निर्माण हुई है। इसका लाभ पूरे विश्व को मिल रहा है। आज, हमारा फ्लैश फ्लड गाइडेंस सिस्टम नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका सहित पड़ोसी देशों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे पड़ोस में कहीं कोई आपदा आती है, तो भारत सबसे पहले मदद के लिए उपस्थित होता है। इससे विश्व में भारत को लेकर भरोसा भी बढ़ा है। दुनिया में विश्व बंधु के रूप में भारत की छवि और भी मजबूत हुई है।

एक नजर

नारायणन ने इसरो के नए अध्यक्ष का पदभार संभाला

चेन्नई : प्रतिष्ठित वैज्ञानिक (एपेक्स ग्रेड) डॉ. वी नारायणन ने मंगलवार को अंतरिक्ष विभाग के सचिव, अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इसरो ने 'एक्स' पर लिखा कि यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन है। इसरो में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नारायणन का नेतृत्व भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार है। वे डॉ. सोमनाथ का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल सार्थक और सफल रहा। इससे पहले, अंतरिक्ष एजेंसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इससे पहले डॉ. नारायणन ने तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) के निदेशक के रूप में कार्य किया था, जो इसरो के प्रमुख केंद्रों में से एक है। इसका मुख्यालय तिरुवनंतपुरम के वलियामाला में है।

झारखंड विस का बजट सत्र 24 फरवरी से

रांची : झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। बजट सत्र 27 मार्च तक चलेगा। बजट सत्र में कुल 20 कार्य दिवस होंगे। तीन मार्च को प्रश्नकाल के बाद वित्त वर्ष 2025-26 का बजट हेमंत सरकार पेश करेगी। सत्र के अंतिम दिन 27 मार्च को प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक और गैर सरकारी संकल्प लाए जाएंगे। राज्यपाल ने बजट सत्र की मंजूरी दे दी है।

जुकरबर्ग के बयान पर 'मेटा' को किया जाएगा तलब

नयी दिल्ली : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी संसदीय समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कहा कि उनकी समिति मार्क जुकरबर्ग की ओर से दी गई गलत जानकारी के लिए उनकी कंपनी मेटा को बुलाएगी। दुबे ने एक्स पोस्ट में कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश के बारे में गलत जानकारी रखने से उस देश की छवि धूमिल होती है। इस गलती के लिए संस्था को भारतीय संसद तथा जनता से माफी मांगनी पड़ेगी। जुकरबर्ग ने एक साक्षात्कार में कहा था कि कोविड-19 के बाद से भारत सहित दुनियाभर में सरकारें बदली हैं। इसी बात का खंडन करते हुए कल सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि 64 करोड़ मतदाताओं वाले दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में भारत की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए पर भरोसा जताया है।

महाकुंभ में मकर संक्रांति पर साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने किया अमृत स्नान

एजेंसी

महाकुंभ नगर : पंचाक्षरी मंत्र की अनुगूंज, मधुर भजन स्वर लहरी, हर-हर गंगे और हर-हर महादेव के जयघोष के मध्य महाकुंभ के पहले अमृत (शाही) स्नान पर अखाड़ों और नागा संन्यासियों की अवधूती शान से मंगलवार को संगम पर सनातनी आस्था का वैभव मुखर हो उठा। उमंग-उत्साह के बीच बैरागी अखाड़ों के वैराग्य का रंग और नागा संन्यासियों का आकर्षण अलग अलौकिक आध्यात्म की अनुभूति करा रहा था। यह दृश्य है संगम के घाटों का, जहां महाकुंभ का पहला अमृत स्नान मंगलवार सुबह 6.15 बजे से चल रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, शाम 6 बजे तक साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस बाबत जानकारी साझा किया। हालात संभालने के लिए आर्मी को भी स्टैंड बाई पर रखा गया है। सभी 13 अखाड़ों के संत स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ में पहली बार शाही स्नान की जगह अमृत स्नान शब्द का इस्तेमाल किया गया। अखाड़ों ने नाम बदलने का प्रस्ताव दिया था। संगम में पवित्र डुबकी लगाने वाला पहला अखाड़ा श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी अखाड़ा था। श्री शम्भू पंचायती अटल अखाड़े ने महानिर्वाणी अखाड़े के साथ अमृत स्नान किया। महानिर्वाणी अखाड़े ने 5.15 पर शिविर से प्रस्थान किया और निश्चित समय 6.15 पर संगम घाट पहुंचा। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी अखाड़े के आचार्य रवीन्द्र पुरी जी महाराज एवं श्री महन्त यमुना पुरी जी महाराज की अगुवाई में अमृत स्नान किया। इनके साथ ही श्री शम्भू पंचायती अटल अखाड़े ने भी आचार्य सत्यम गिरी महाराज और महन्त बलराम भारती गिरी की अगुवाई में शाही स्नान किया। सुबह 6 बजकर 15 मिनट से शुरू हुआ अखाड़ों का अमृत स्नान शाम 4.30 बजे तक जारी रहा।

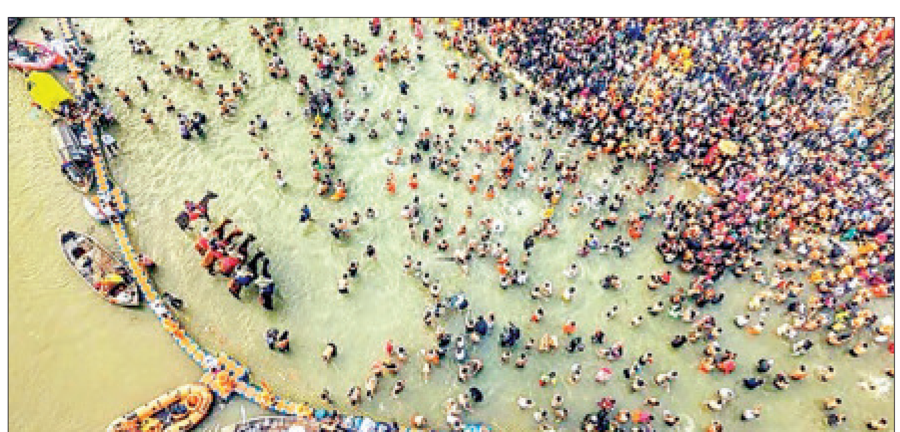

महाकुंभ में पहली बार 'शाही स्नान' की जगह 'अमृत स्नान' शब्द का किया गया इस्तेमाल

अमृत स्नान में दूसरे स्थान पर श्री तपोनिधि पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा एवं श्री पंचायती अखाड़ा आनन्द के साधु-संतों ने पवित्र स्नान किया। तीसरे स्थान पर तीन संन्यासी अखाड़े श्री पंचदशनाम जूना एवं श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा और श्री पंचाग्नि अखाड़े ने स्नान किया। तीन बैरागी अखाड़ों में सबसे पहले अखिल भारतीय श्री पंच निमोर्ही अनी अखाड़ा, अखिल भारतीय श्री पंच दिगम्बर अनी अखाड़ा, अखिल भारतीय श्री पंच निवार्णी अनी अखाड़ा के महंतो और साधु संतों ने अमृत स्नान किया। तीन उदासीन अखाड़ों में श्री पंचायती नया उदासीन अखाड़ा, इसके बाद श्री पंचायती अखाड़ा, नया उदासीन, निर्वाण के सतों ने अमृत स्नान किया। अंत में श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा के महंतों और साधु संतों ने अमृत स्नान किया। स्नान के लिए सभी 13 अखाड़ों को अलग-अलग 30-40 मिनट का समय दिया गया।

संगम नोज पर हर घंटे तीन लाख लोगों ने किया स्नान

पहले अमृत स्नान के दिन पवित्र संगम में शैव और वैष्णव मतों को मानने वाले साधु महंतों के अलावा लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई, लेकिन घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उम्मीद से ज्यादा रही। मेला प्रशासन की उम्मीद से बढ़कर श्रद्धालु महाकुंभ में पुण्य का भागी बनने आये। सर्वाधिक लोगों ने संगम नोज पर ही स्नान को प्राथमिकता दी। देर रात से ही संगम नोज पर भीड़ जुटने लगी। अनुमान के मुताबिक यहां हर घंटे तीन लाख से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। संगम जाने वाले सभी मार्गों में 8 से 10 किमी लंबी श्रद्धालुओं की भीड़ है। दुनियाभर का मीडिया और 50 से ज्यादा देशों के श्रद्धालु संगम पर मौजूद हैं।

सुरक्षा के चाकचौबंद बंदोबस्तउत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि महाकुम्भ का आज दूसरा स्नान है। मकर संक्रांति का स्नान अमृत स्नान है। दोपहर एक बजे तक 1.75 करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान कर लिया था। जनसैलाब लगातार आ ही रहा है। महत्वपूर्ण सड़क मार्ग पर पुलिस की समुचित व्यवस्था की गई है। रेल ट्रैफिक की भी मॉनिटरिंग हो रही है। साथ ही साथ घाटों की व्यवस्था भी सुदृढ़ की गई है। नवीन टेक्नोलॉजी के माध्यम से देर रात से ही भीड़ नियंत्रण की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। रात में थर्मल इमेजिंग के हिसाब से क्राउड कंट्रोल किया गया तो दिन में टीथर्ड ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरे के विजुअल से ट्रैफिक व वाहन आदि को मॉनिटर कर रहे हैं। दिनभर होती रही खोया पाया की घोषणा मेला प्रशासन ने लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए महाकुंभ मेला क्षेत्र में दस अत्याधुनिक डिजिटल खोया-पाया केंद्र स्थापित किए हैं। मेला क्षेत्र में स्वयंसेवी संस्थाओं हेमवती नंदन बहुगुणा समिति एवं भारत सेवा दल द्वारा संचालित भूले भटके लोगों के लिए चलाए जा रहे केंद्रों में प्रथम अमृत स्नान के दिन कुल 308 लोगों को उनके परिवार से मिलाया गया।

स्पीकर पहुंचे प्रयागराज, महाकुंभ में लगाई आस्था की डुबकी

रांची : महाकुंभ में देश-विदेश के लोगों के आने का सिलसिला जारी है। देश के राज्यों से भी लोग महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष भी महाकुंभ में शामिल हुए। उन्होंने आस्था की डुबकी लगाई। सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि विश्व के विशालतम सांस्कृतिक समागम महाकुम्भ के दूसरे दिन आज पवित्र स्नान में डुबकी लगायी। पूजा अर्चना कर भगवान सूर्य से झारखंड वासियों के समृद्ध, खुशहाली और कल्याण की प्रार्थना किया।

गायब दो सगी बहनों की वापसी में सरकार करेगी मदद : इरफान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के हिंदपीढ़ी से गायब 2 सगी बहनों के परिजनों से मिलने आज स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी उनके आवास पहुंचे। मौके पर अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले को लेकर गंभीर हैं। सरकार अपनी पूरी कोशिश कर रही है। सरकार पूरे परिवार के साथ खड़ी है। जल्द दोनों लड़कियों को वापस लाया जाएगा। इरफान अंसारी के साथ साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, अजय नाथ शाहदेव और शहजादा अनवर आदि भी मौजूद थे।

क्या है मामला

बता दें कि अपहृत युवतियों के चाचा ने पुलिस को बताया था कि दोनों बहने 11 जनवरी की दोपहर 12.30 बजे अपने घर से कांटाटोली के समीप मंगल टावर स्थित आधार केंद्र जाने के लिए निकली थीं। इसके बाद दोपहर के करीब 1.20 बजे एक भतीजी ने फोन कर अपने पिता से कहा कि ऑटो चालक ने उनसे मोबाइल और पर्स छीन लिया है। जबरन कहीं दूसरी जगह पर ले जा रहा है। इतना बोलने के बाद फोन कट गया। दोबारा फोन करने पर फोन बंद मिला। इसके बाद कोई संपर्क नहीं हो पाया है। बाद में पुलिस को दोनों का आखिरी लोकेशन ओरमांझी में मिला था।

रांची से कुंभ के लिए कल से एक मार्च तक 10 ट्रेनों का होगा परिचालन

अधिक से अधिक संख्या में करें कुंभ यात्रा : सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेले के लिए 16 जनवरी से एक मार्च तक रांची रेल मंडल से 10 ट्रेनों का परिचालन होगा। विभिन्न क्षेत्रों से आकर यह ट्रेनें रांची रेलवे स्टेशन से गुजरेंगी, जहां बड़ी संख्या में रांची के लोग कुंभ की यात्रा कर सकेंगे।

रांची से या रांची होकर अधिक से अधिक ट्रेनों का परिचालन कुंभ के लिए हो, इस निमित्त रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात कर उनसे चर्चा की थी। उनसे आग्रह किया था कि कुंभ ट्रेनों का परिचालन रांची के रूट से किया जाए। इससे रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, कोडरमा, चतरा, लातेहार, पुरुलिया, जमशेदपुर, सरायकेला खरसावां सहित कई जिलों के लोग कुंभ की यात्रा कर सकेंगे। विभिन्न तिथियां को कुंभ के लिए चलने वाली यह विशेष ट्रेन यहां के यात्रियों के तीर्थाटन को सुगम बनाएंगी। रक्षा राज्य मंत्री ने इन ट्रेनों के परिचालन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार प्रकट किया है।

इन ट्रेनों का होगा परिचालन

- रांची से टूंडला (08067/08968) के लिए कुंभ मेला स्पेशल 19 जनवरी।
- भुवनेश्वर से टूंडला (08425) कुंभ मेला स्पेशल 22 जनवरी, 5 फरवरी, 19 फरवरी और 25 फरवरी।
- टूंडला से भुनेश्वर (08426) कुंभ मेला स्पेशल 24 जनवरी, 7 फरवरी, 21 फरवरी और 28 फरवरी।
- टिटिलागढ़ से टूंडला (08314) कुंभ मेला स्पेशल 16 जनवरी, 23 जनवरी, 6 फरवरी, 20 फरवरी और 25 फरवरी।
- टूंडला से तितलागढ़ (08313) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 25 जनवरी, 8 फरवरी, 22 फरवरी और 01 मार्च।
- तिरुपति से बनारस (07107) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 8 फरवरी, 15 फरवरी और 22 फरवरी।
- बनारस से विजयवाड़ा (07108) कुंभ मेला स्पेशल 20 जनवरी, 10 फरवरी, 17 फरवरी और 24 फरवरी।
- नरसापुर से बनारस (07109) कुंभ मेला स्पेशल 26 जनवरी, 2 फरवरी।
- बनारस से नरसापुर (07110) कुंभ मेला स्पेशल 27 जनवरी और 3 फरवरी को चलेगी।

सेठ ने कहा कि यह पहला अवसर है जब रांची को कुंभ मेला के लिए इतनी बड़ी संख्या में ट्रेनों की सौगात मिली है। हर ट्रेन का परिचालन रांची स्टेशन होकर ही होगा और पर्याप्त संख्या में यहां से इन्हें सीटें भी उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रियों को किसी तरह की कोई समस्या नहीं हो, इसे लेकर रेलवे हर प्रकार की व्यवस्था कर रहा है। इन सभी ट्रेनों में सामान्य क्लास, स्लीपर क्लास और एसी क्लास की बोगियां भी उपलब्ध होगी। रांची से सफर करने वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त आरक्षित सीटों की व्यवस्था होगी। रक्षा राज्य मंत्री ने लोगों से आग्रह किया है कि 12 वर्षों के बाद लगने वाले इस महाकुंभ में अधिक से अधिक सनातनियों को जाना चाहिए और सनातन के इस महापर्व में भाग लेना चाहिए। इन ट्रेनों का कुल परिचालन 38 बार होगा।

पहाड़ी क्षेत्र के लोगों के आर्थिक-समाजिक विकास के लिए हो रहा प्रयास : वित्त मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के सुदूरवर्ती और नक्सलियों के गढ माने जाने वाले इलाकों में प्रशासन ग्रामीणों से सीधा संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जिले के पाटन प्रखंड के चेतमा में जिला प्रशासन के द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को जाना गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्य के संसदीय कार्य एवं वित्त विभाग के मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम मुख्य रूप से शामिल हुए। जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त शशि रंजन, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, उपविकास आयुक्त शब्बीर अहमद, सदर एसडीओ सुलोचना मीणा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। मौके पर कई तरह की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

मौके पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि एक समय था, जब चेतमा, बुढ़ीबुका, तिलैया गांव में आम आदमी का पहुंचना मुश्किल था। आने जाने की सड़क और नक्सलियों का खतरा होने के कारण इन क्षेत्रों का विकास नहीं हो पाया, लेकिन गांव में आने जाने के लिए मिट्टी मोरम सड़क बना दी गयी है। पुलिस पिकेट स्थापित है। पहाड़ी क्षेत्र के लोगों का कैसे आर्थिक-समाजिक विकास हो, इसके लिए प्रयास किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद कार्यक्रम रखा गया। प्रशासन इसमें काम कर रहा है। मंईयां सम्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिया गया। पीने के पानी की समस्या दूर की जाएगी। यह हमारी जिम्मेवारी है। आजादी के बाद जिन इलाकों सिस्टम नहीं पहुंच पाया है, वहां पहुंचाना मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का उद्देश्य है। जबतक लोकतांत्रिक व्यवस्था आभावग्रस्त इलाकों में नहीं पहुंचेगी, तब तक समुचित विकास नहीं हो सकता। सांसद वीडी राम ने कहा कि चेतमा को जोड़ने वाली सड़क की स्वीकृति दिला दी गयी है। जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा। आदिवासी बाहुल गांवों के लिए प्रधानमंत्री जन मन योजना की शुरूआत की गयी है।

केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया पंद्रह दिवसीय सूर्यकुण्ड मेला का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकट्ठा : झारखंड प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सुर्यकुंड मे लगने वाले पन्द्रह दिवसीय मेला का उद्घाटन किया गया। मेला का उद्घाटन केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी, बरकट्ठा विधायक अमित यादव एवं हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने संयुक्त रूप से फीता काट व नारियल फोडकर किया। मौके पर केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सुरजकुंड मेला में आने वाले लोगों को मकर संक्रान्ति की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सुरजकुंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। सुर्य कुंड में विकास को लेकर हमने पर्यटन सचिव से बात की हूं। यहां पर एक कमिटी का गठन करें ताकि यहां बनने वाले सभी संसाधनों का देखभाल हो सके।

विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि सुरजकुंड एक पवित्र धार्मिक स्थल है इसलिए इसे साफ रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने मकरसंक्रांति की लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सुर्यकुंड विश्व के मानचित्र पर स्थित है। सुर्यकुंड आस्था का केंद्र एवं पर्यटन स्थल के रूप में झारखंड प्रसिद्ध है। हमने सुरजकुंड की गंभीर समस्या शुद्ध पेयजल को उपलब्ध कराया और आने वाले दिनों में सुर्यकुंड का विकास करना मेरी प्राथमिकता होगी। इसकी पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनेगा। देश के साथ साथ विदेशी पर्यटक यहां घूमने आयेगें। मेला के दौरान मेला घूमने वालों को सुविधा का विषेश व्यवस्था हो। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि सुर्य कुंड एक अस्था एवं पर्यटन दोनों से जुड़ा हुआ है। यहां पर विकास की आपार संभावना है। मौके पर प्रमुख रेणु देवी, उप प्रमुख सुरजी देवी, जीप सदस्य प्रेरणा प्रिया, बीडीओ सह सिओ श्रवण कुमार झा, बीस सुत्री अध्यक्ष प्रदीप कुमार प्रसाद, मुखिया ललिता पांडेय, टुकलाल नायक, विकास पांडेय, उतीम महतो, चंद्रकांत पांडेय, धीरेन्द्र पांडेय, रघुवीर महतो, राजकुमार गिरी, अर्जुन राणा, सुरेन्द्र साव, समेत मेला ठीकेदार पांच पांडव कमिटी के लोग उपस्थित थे।

एक नजर

न्यू दृष्टि आई हॉस्पिटल में 30 तक नि:शुल्क जांच व ऑपरेशन

बड़कागांव : बड़का गांव हजारीबाग रोड स्थित डाकघर के समीप संचालित न्यू दृष्टि आई हॉस्पिटल में निशुल्क नेत्र जांच 30 जनवरी तक किया जाएगा। जल्द ही इस अस्पताल का उद्घाटन होगा। अस्पताल के संचालक आशीष कुमार ने कहा स्वामी विवेकानंद के जन्मोत्सव पर हमारे यहां आंख के विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा आंख से संबंधित सभी प्रकार की सर्जरी होंगे, अब किसी को, दूसरे शहर व महानगर जाने की जरूरत नहीं होगी, सभी सुविधाएं यहां उपलब्ध होगें। 30 जनवरी तक निशुल्क नेत्र जांच के दौरान पाए जाने वाले मोतियाबिंद की मरीजों को फेको विधि से निशुल्क ऑपरेशन भी किया जाएगा।

मारवाड़ी अग्रवाल समाज ने मकर संक्रांति पर खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का किया आयोजन

हजारीबाग : मारवाड़ी अग्रवाल समाज के तत्वावधान में मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर शहर के गोला चौक पर खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में समाज के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई और बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को खिचड़ी परोसी। कार्यक्रम में रिक्शा चालकों, मजदूर वर्ग, जरूरतमंद लोगों और आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने गर्म, स्वादिष्ट खिचड़ी का भरपूर आनंद लिया। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि मकर संक्रांति सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सहयोग और समाज सेवा का संदेश देने का दिन है। मारवाड़ी अग्रवाल समाज ने अपने इस प्रयास से यह सिद्ध किया कि त्योहारों का असली उद्देश्य सामूहिक खुशी और जरूरतमंदों की सेवा है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि खिचड़ी वितरण का यह कार्यक्रम हर वर्ष आयोजित किया जाता है और इसे भविष्य में और बड़े स्तर पर आयोजित करने की योजना है। इस कार्यक्रम की सफलता में समाज के सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। बल्कि अपनी सेवाएं भी दीं। कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने अपनी भूमिका निभाई।

शिवाजी तरुण व्यवसाय शाखा ने मनाया मकर संक्रांति उत्सव

बरही : शिवाजी तरुण व्यवसाय शाखा बरही के तत्वावधान में मकर संक्रांति का भव्य उत्सव चकराटांड़ के मैदान में आयोजित किया गया। इस आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लगभग 100 स्वयंसेवकों ने समाज के लोगों के साथ मिलकर मकर संक्रांति का पर्व मनाया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और जिला बौद्धिक प्रमुख सुबोध जी ने मकर संक्रांति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस दिन से भगवान सूर्य नारायण मकर राशि में प्रवेश कर उत्तरायण हो जाते हैं। द्वापर युग में भीष्म पितामह ने अपनी इच्छा मृत्यु के लिए उत्तरायण का इंतजार किया था, क्योंकि यह मान्यता है कि उत्तरायण में शरीर त्यागने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। मकर संक्रांति को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्सवों में समरसता का प्रतीक बताया गया। सुबोध जी ने कहा कि यह पर्व समाज को जोड़ने और बिखरे हुए लोगों को एक साथ लाने का अवसर है। साथ ही, उन्होंने स्वयंसेवकों को उन लोगों और संस्थाओं से सतर्क रहने का आह्वान किया जो समाज को विभाजित करने का प्रयास करते हैं।

साईं परिवार द्वारा इन्द्रपुरी साईं मन्दिर में किया जायेगा विशाल भंडारे का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : साईं परिवार हजारीबाग जिसका निबंधन संख्या 8188/19 के द्वारा साईं मंदिर में मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर साईं भण्डारा का कार्यक्रम कराया जा रहा है। साईं परिवार हजारीबाग के तत्वावधान में सोमवार को अहले सुबह साईं मंदिर में 5 बजे काकड़ आरती और बाबा के भव्य अभिषेक के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। हर वर्ष की भांति वर्तमान वर्ष भी आने वाले मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर साईं परिवार, हजारीबाग द्वारा हजारीबाग शहर के इंद्रपुरी चौक स्थित साईं मंदिर परिसर में आगामी बुधवार, 15 जनवरी 2025 को विशाल भंडारा का आयोजन किया जायेगा। इस विशाल भंडारे में चूड़ा, तिलकुट, गुड़, दही के साथ दोपहर में खिचड़ी, चोखा और चटनी रहेगा। इन सभी के बीच साईं बाबा का प्रसाद वितरण भी किया जायेगा ।

साईं परिवार, हजारीबाग समूह समाजिक सरोकार से जुड़कर सेवा कार्यों में निभा रहें हैं अग्रणी भूमिका

साईं परिवार, हजारीबाग साईं भक्तों का एक समूह है। यह समूह सामाजिक एकता के साथ सामाजिक समरसता को बरकरार रखना हेतु कार्य करता है। साईं परिवार, हजारीबाग समाज के जरूरतमंद वर्गों के बीच लगातार सेवा कार्य करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करता है तो विभिन्न धार्मिक आयोजनों में भी अपने कार्यों से सामाजिक जुड़ाव की ओर खुद को अग्रसर करता था। समाज के कई जरूरतमंदों को व्यक्तिगत रूप से भी यह समूह अपनी सक्षमता के अनुरूप सहयोग पहुंचाने का सकारात्मक कार्य करता है।

हजारीबाग में सिंदूर से कल्लू चौक रोड निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सिंदूर से कल्लू चौक तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास विधिवत रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल और सदर विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना और फीता काटकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की गई। इस महत्वपूर्ण परियोजना का निर्माण कुल 5.99 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी और विकास की गति को नया आयाम मिलेगा। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा की यह सड़क सिर्फ एक निर्माण कार्य नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रवासियों के लिए विकास और प्रगति का प्रतीक है। इससे न केवल आवागमन में सुधार होगा, बल्कि

व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान होगी। केंद्रीय सरकार सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास का आधार होती हैं, और इस परियोजना से यह क्षेत्र राज्य के अन्य हिस्सों से बेहतर ढंग से जुड़ जाएगा। सांसद ने जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह उनकी उम्मीद और समर्थन है जो ऐसे विकास कार्यों को संभव बनाता है। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा की यह सड़क निर्माण क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में हमारा एक और प्रयास है। सड़क बनने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के बीच की दूरी कम होगी, जिससे किसानों, व्यापारियों और युवाओं को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार का मुख्य उद्देश्य हर वर्ग तक विकास पहुंचाना है।

हजारीबाग में सांसद मनीष जायसवाल ने किया गंधौनिया मकर सह टुसू मेला का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने मकर संक्रांति के अवसर पर मांडू विधानसभा क्षेत्र के डाडी प्रखंड के ग्राम कनकी में दो दिवसीय गंधौनिया धाम मकर सह टुसू महोत्सव- 2025 का बतौर मुख्य अतिथि फीता काटकर उद्घाटन किया। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने उपस्थित लोगों को मकर संक्रांति की बधाई दी और भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यहां के गंधौनिया कुंड की महत्ता से आसपास के लोग परिचित हैं और उनके लिए यह आस्था का केंद्र है। यह कुंड प्रकृति खूबसूरती के बीच अवस्थित है और यहां सैलानियों का भी आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में गंधौनिया कुंड धाम के विकास में उनका विशेष जोर

आने वाले समय में होगा और इसे विकसित किया जाएगा। उन्हें यहां आकर जब पता चला कि यहां की मूर्ति खंडित हो गई है तो सांसद मनीष जायसवाल ने जल्दी मंदिर प्रबंधन को नई मूर्ति उपलब्ध कराने का वादा किया। इधर बरसों से विकास की आस का बाट जो रहा गंधौनिया धाम के लिए सांसद मनीष जायसवाल नई उम्मीद की किरण बनकर यहां पहुंचे तो धाम समिति से जुड़े लोगों के साथ मेले में आए हजारों लोगों ने उनका अंतर्मन से भव्य स्वागत किया । इससे पहले यहां पहुंचने से पूर्व सांसद मनीष जायसवाल का ग्राम बलसगरा में दाढ़ी भाजपा मंडल अध्यक्ष बसंत प्रजापति के नेतृत्व में स्थानीय कार्यकताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यहां सांसद मनीष जायसवाल ने स्थानीय कबड्डी खिलाड़ियों की समस्याओं से रूबरू हुए और जल्द उनके समस्या के निराकरण के दिशा में सकारात्मक प्रयास करने का आश्वासन दिया ।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने मकर संक्रांति पर चूड़ा-दही कार्यक्रम में लिया हिस्सा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा जेआरबी विद्यालय दारु के परिसर में मकर संक्रांति के अवसर पर भव्य चूडा दही कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस अवसर पर कहा की मकर संक्रांति का पर्व हमें एकजुटता और सहयोग की भावना से जोड़ता है। इस तरह के आयोजनों से हमारी सामूहिक शक्ति को महसूस किया जा सकता है और हम सब मिलकर समाज की भलाई के लिए काम कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी लोग एक साथ बैठकर चूडा, दही, तिलकूट और अन्य पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते हुए इस खुशी के मौके को सामूहिक रूप से मनाते हुए आनंदित दिखाई दिए। यह आयोजन क्षेत्र के लोगों को एकजुट करने और पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिहाज से महत्वपूर्ण

था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिह, किसान मौर्चा के जिलाध्यक्ष इन्द्रनारायण कुशवाहा,पूर्व सांसद प्रतिनिधि सुरेश प्रसाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष बसंत नारायण राणा, रामनरेश कुशवाहा, रंजीत सिन्हा, इंद्रदेव कुशवाहा, दिनेश प्रसाद, शत्रुंजय प्रसाद, राहुल सिंह, नरेश प्रसाद, दसरथ प्रसाद, सोनी कुशवाहा, राजन सिन्हा, रौशन सिन्हा, प्रमोद कुशवाहा, प्रमोद पासवान, भैया सुमित, राकेश कुमार, राजेश कुशवाहा, बिनोद कुमार, किशुन प्रसाद, मोहन कुशवाहा, धनपत कुशवाहा, निरंजन मंडल, बजरंग सहाय, किशोरी प्रसाद, सुरेश साव और अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन न केवल एक धार्मिक उत्सव था, बल्कि यह भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच आपसी सहयोग और एकता को बढ़ावा देने का एक सशक्त प्रयास भी था।

बुजुर्ग हमारे अभिभावक तुल्य और प्रेरणा स्रोत हैं : जेपी जैन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग कोचिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं शिक्षकों ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर कनहरी रोड स्थित ओल्ड एज होम के सम्मानित बुजुर्गों के साथ मकर संक्रांति पर्व मनाया। इस अवसर पर शिक्षकों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताया तथा उनके साथ सुख-दुख के पल व्यतीत किए। बुजुर्ग सभी शिक्षकों से मिलकर बहुत प्रसन्न नजर आ रहे थे तथा उन्होंने अपने मन की व्यथा शिक्षकों के समक्ष रखी शिक्षकों ने बुजुर्गों को आश्वासन दिया कि वह सदैव सुख दुख में साथ खड़े मिलेंगे और बुजुर्गों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। हजारीबाग कोचिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जेपी जैन ने कहा कि ओल्ड एज

होम के सम्मानित बुजुर्ग हमारे अभिभावक और प्रेरणा स्रोत है हम सभी का फर्ज है कि हम अपने माता-पिता और बुजुर्गों के प्रति सदैव निष्ठावान बन रहे तथा उनके प्रति दिल में सम्मान की भावना रखें। सचिव डॉ प्रकाश कुमार ने कहा कि बुजुर्गों से मिलकर मन भावुक हो गया तथा वृद्धाश्रम के सम्मानित बुजुर्ग गणों के साथ बिताए हुए क्षण सदैव याद रहेंगे। इस अवसर पर हजारीबाग कोचिंग एसोसिएशन के द्वारा बुजुर्गों के बीच तिलकुट, चूड़ा , गुड़,लड्डू इत्यादि सामग्री का वितरण किया गया। सभी शिक्षकों ने प्रण लिया कि वे अपने जीवन में जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ, बच्चों के जन्मदिन या अन्य खुशी के अवसर वृद्धाश्रम के सम्मानित बुजुर्गों के साथ परिवार संग मनाएंगे ताकि उन्हें कभी यह एहसास नहीं हो कि दुनिया में उनकी कोई सुध बुध लेने वाला नहीं है। आज के कार्यक्रम में कोचिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जेपी जैन, सचिव डॉक्टर प्रकाश कुमार, उपाध्यक्ष सुदेश कुमार, एस लाल, रीत लाल मंडल, प्रवक्ता रितेश कुमार, मीडिया प्रभारी रविकांत शैलेश, अशोक, किन्शू , रविकांत,ऋषि एवं अन्य शिक्षक गण मौजूद थे ।

संक्षिप्त खबरें

युवा सप्ताह अंतर्गत सांस्कृतिक दिवस का हुआ आयोजन

हजारीबाग : मेरा युवा भारत नेहरु युवा केंद्र हजारीबाग युवा सप्ताह अंतर्गत सांस्कृतिक दिवस का आयोजन किया है जिसमे नृत्य व गायन प्रतियोगिता कराया गया जिसमे हजारीबाग के कई युवा प्रतिभागी शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में नव झारखंड फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा रहे । उन्होंने सारे प्रतिभागियों की कला का सम्मान किया एवं उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही साथ झारखंड प्रदेश मे रह रहे युवाओं को बेहतर जीवन जीने के उपाय भी बताएं एवं प्रवासी मजदूरों के सुरक्षा पे प्रकाश डालते हुए लोगों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व स्वयंसेवक आकाश कुमार ने की।

मकर संक्रांति पर वृद्धाश्रम में सदर अंचलाधिकारी ने किया चूड़ा, दही, तिलकुट का वितरण

हजारीबाग : मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर हजारीबाग में सदर अंचलाधिकारी मयंक भूषण के द्वारा वृद्धा आश्रम में चूड़ा,दही,तिलकुट खिलाया गया । मयंक भूषण ने कहा की मकर संक्रांति के दिन तिल, खिचड़ी, काली उड़द की दाल, चावल, गुड़, गर्म कपड़े व कंबल, घी इत्यादि चीजों का दान शुभ माना जाता है। हिंदू धर्म शास्त्र में संक्रांति तिथि को बहुत ही विशेष माना गया है। वृद्धा आश्रम में यह कार्यक्रम करने से सुकून मिला कि इन लोगों के बीच अपनापन लगा। सदर अंचलाधिकारी मयंक भूषण ने संदेश दिया कि सभी लोगो को वृद्धा आश्रम में आना चाहिए,और कुछ खुशियां इनलोगों के बीच भी बांटना चाहिए।

स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता सामुहिक प्रार्थना में हुईं शामिल

हजारीबाग : स्वयंसेवक संघ द्वारा देवांगना चौक में मकर संक्रांति के शुभअवसर पर संघ के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता शामिल हुई एवं परम पूजनीय डॉ केशव बलिराम हेडगेवार एवं परम पूजनीय माधव सदाशिव गोलवलकर की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित की। संघ द्वारा भगवा ध्वज को वंदन कर सामुहिक स्वयंसेवक संघ की प्रार्थना किया गया। भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने भगवा ध्वज को वंदन कर सामुहिक संघ की प्रार्थना में भाग लिया। इस दौरान बच्चों को खेलकूद एवं अभ्यास हेतु प्रोत्साहित की। समाजिक समरसता को कायम हेतु जरूरतमंद एवं बच्चों के बीच संघ पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ मिलकर भोजन परोसकर लोगों को खाना खिलाई। समाजिक समरसता एवं एकजुटता को बढावा देने के उद्देश्य से संघ द्वारा यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से स्वयंसेवक संघ के विभावि सह विभाग संचालक डॉ तारा कान्त शुक्ला, प्रो. जामुना प्रसाद, गंगाधर दुबे, नरेन्द्र प्रसाद, आरवी सिंह, कौलेश्वर प्रसाद, भागवत नारायण एवं शैलेंद्र प्रसाद गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विभावि लौटने पर कुलपति ने किया विजेता दल का स्वागत

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय का युवा महोत्सव दल मंगलवार को सुबह 7:15 बजे हजारीबाग में विश्वविद्यालय परिसर पहुंचा। विश्वविद्यालय मुख्यालय पहुंचने पर दल का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार, छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष डॉ विकास कुमार तथा कुलसचिव डॉ सादिक रज्जाक ने किया । इस अवसर पर स्नातकोत्तर कला एवं संस्कृति परिषद के सचिव डॉ सुकल्याण मोइत्रा, मानवविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ विनोद रंजन तथा अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉ उमेंद्र सिंह मौजूद थे। विश्वविद्यालय दल के प्रबंधक डॉ जॉनी रुफिना तिर्की, सह प्रबंधक डॉ अर्चना रीना धान तथा सहायक प्रशिक्षक सोनू कुमार के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। दल के प्रतिभागी उत्साह से भरे पूरे थे। कुलपति ने सब की कुशलता की जानकारी ली। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय दल के प्रबंधक तथा सभी प्रतिभागियों को तिलकुट खिलाकर स्वागत किया गया। सभी ने कुलपति एवं अन्य अधिकारी तथा शिक्षकों के साथ ढेर सारे तस्वीर भी खिंचवाए। कुलपति ने सबके विश्राम तथा भोजन की व्यवस्था की जानकारी ली तथा अतिथि भवन का निरीक्षण भी किया। आज विश्वविद्यालय में अवकाश रहने के कारण बुधवार 15 जनवरी को 11:30 बजे पूर्वाहन पूर्वी क्षेत्र युवा महोत्सव मे विजेता दल का भव्य स्वागत विश्वविद्यालय में किया जाएगा।

पर्यटन विभाग के तत्वाधान में सूरज कुंड मेला में पतंग महोत्सव का हुआ उद्घाटन

हजारीबाग : पर्यटन विभाग के तत्वाधान में मकर संक्रांति के अवसर पर आज सूरज कुंड मेला में एक दिवसीय पतंग महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी बरही जोहन टुडू के द्वारा किया गया। इस दौरान उपस्थित बच्चो के बीच 200 पतंग का वितरण किया गया। गौरतलब है कि पर्यटन विभाग द्वारा ए श्रेणी में नामित हजारीबाग के बरकट्ठा में सूरज कुंड परिसर पर हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर मेला तथा कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। मौके पर जिलापरिषद सदस्य अंचल अधिकारी बरकट्ठा,स्थानीय मुखिया DLTS आकाश दास एवं मेला समिति के सदस्य उपस्थित थे।

एक नजर

पूर्व मंत्री राजा पीटर की गाड़ी को कंटेनर ने मारी टक्कर

रांची : तमाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची टाटा मार्ग पोड़ाडीह कांची पुल के पास पूर्व मंत्री राजा पीटर की एक्सयूवी गाड़ी को कंटेनर ने टक्कर मार दी। उस वक्त गाड़ी में राजा पीटर भी सवार थे। वह बाल बाल बच गये। घटना के बारे राजा पीटर ने बताया कि वे दिवड़ी स्थित अपने होटल से एसबीआई बैंक बुंडू जा रहे थे। उसी क्रम में कांची पुल के पहले सिंगल लेन में जैसे ही एंट्री किये तो सामने से आ रही कंटेनर ने टक्कर मार दी। जिससे एक्सयूवी का ड्राइवर साईड काफी क्षतिग्रस्त हो गया। गाड़ी में खुद राजा पीटर सवार थे। गनिमत रही कि किसी को कोई चोट नहीं आई है। सिर्फ गाड़ी को नुकसान हुआ। कंटेनर टक्कर मारने के बाद भागने लगा जिसकी सूचना तमाड़ पुलिस को दी गई। पीछा करते हुये कंटेनर को तमाड़ के पास पकड़ लिया गया। चालक और खलासी को पुलिस अपने हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। तमाड़ थाना प्रभारी रोशन कुमार ने खुद घटनास्थल पहुंचकर जायजा लिया और राजा पीटर से मिलकर घटना की जानकारी ली।

छात्रावास के लिए निकली नर्सिंग की छात्रा हुई गायब

रांची : रांची के कांके रोड के गोंदा थाना क्षेत्र में नर्सिंग की एक छात्रा अपने छात्रावास के लिए निकलने के बाद गायब हो गई। यह छात्रा पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर, खड़गपुर की रहने वाली है। छात्रा रांची के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी और छात्रावास में रहती थी। मिली जानकारी के अनुसार लापता छात्रा के पिता अशोक कुमार शर्मा ने गोंदा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि इब्राहिम बुम नाम का युवक उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर शादी की नीयत से भगा ले गया। बताया जा रहा है छात्रा 9 जनवरी को नर्सिंग केंद्र से अपने छात्रावास के लिए निकली थी। लेकिन वह वहां नहीं पहुंची। इसके बाद से उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। परिजनों ने बताया कि इब्राहिम छात्रा से अक्सर मिलता था और उसके लिए ऑनलाइन खरीदारी करता था। उसने उसे अलग से एक मोबाइल फोन भी दिया था। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और लापता छात्रा की तलाश में जुटी है।

नीरू शांति भगत ने आजसू से किया किनारा

रांची : आजसू नेत्री नीरू शांति भगत ने पार्टी से किनारा कर लिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो को भेज दिया है। बताते चलें कि विधानसभा चुनाव में नीरू शांति भगत लोहरदगा से आजसू की उम्मीदवार थी। वे पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की पत्नी हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है वे जल्द ही झामुमो का दामन थाम सकती हैं। विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की थी। तभी से कयास लगाए जा रहे हैं कि वे झामुमो का दामन थाम सकती हैं।

धर्म और संस्कृति से जुड़े रहकर ही सनातन परंपरा को बचाया जा सकता है : संजीत कुमार

रांची : शहर के कांके स्थित नेताजी एकेडमी होचर में मंगलवार को मकर संक्रांति का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महाविद्यालयीय विद्यार्थी प्रांत प्रमुख संजीत कुमार ने कहा कि इस पर्व में पतंग उड़ाने की भी परंपरा है। पतंग का धागा पतला होता है लेकिन वह धागे से जुड़ा रहकर ही आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंच पाता है।

150 वर्ष का हुआ मौसम विज्ञान विभाग, आयोजित हुए कई कार्यक्रम

दो दशक से तेजी से हो रहा जलवायु परिवर्तन : निदेशक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मौसम विज्ञान विभाग के सफलतापूर्वक 150 वर्ष पूरे होने की खुशी में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देशभर में मंगलवार को कार्यक्रमों का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अगले दिन भी जारी रहेगा। वहीं मौसम केंद्र रांची के तत्वावधान में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंगलवार को रांची में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चे शामिल हुए। बच्चों के बीच पेंटिंग, ड्रॉइंग, रंगारंग कार्यक्रम और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

मौसम विभाग केंद्र रांची में देर शाम तक चलने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौसम निदेशक अभिषेक आनंद ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 20-25 वर्षों से जलवायु तेजी से बदल रही है। ऐसी स्थिति में कोई कार्य बेहतर ढंग से नहीं हो पा रहे हैं। मौसम खराब होने का प्रभाव तेजी से पड़ता है।

खराब मौसम में कोई कार्य नहीं हो सकता है। वहीं जहां का मौसम अच्छा होगा और जलवायु अनुकूल होगी, वहां लोगों का आना-जाना बढ़ेगा और वहां की आबादी भी बढ़ने लगेगी, क्योंकि लोग वहां के मौसम को पसंद करते हैं।

जब तक माप नहीं करते मौसम की जानकारी नहीं देते

1953 में बीआईटी मेसरा में मेनुअल एडजेस्टमेंट की शुरूआत हुई। जब तक हम माप नहीं करते, तब तक मौसम की जानकारी नहीं देते। जब माप कर लेते हैं, तब उसकी जानकारी देते हैं। गर्मी में हवा का लो प्रेशर, वहीं ठंड में हवा का हाई प्रेशर होते हैं और कई प्रकार के जलवायु परिवर्तन होते हैं। इसके लिए मौसम विभाग में विभिन्न यंत्र लगाए गए हैं, जिनसे मौसम की जानकारी हम प्रदान करते रहते हैं।

वर्षा कब होगी, रडार से पता करके बताते हैं

वर्षा कब होने वाली है, कितनी होगी, यह सब रडार से पता कर हम बताते हैं। झारखंड के 24 जिलों में ऑटोमेटिक मशीनें लगी हैं।खराब मौसम की जानकारी न मिलें तो विमान दुर्घटना का खतराएयरपोर्ट के पास मौसम विभाग का कार्यालय हमेशा होना चाहिए, क्योंकि विमान को पल-पल की जानकारी देनी पड़ती है। राज्य में 200 किमी तक की मौसम की जानकारी इस तकनीक के माध्यम से दी जाती है। सुपर कंप्यूटर में सभी डाटा डाले जाते हैं। यदि मौसम खराब होने की जानकारी विमान चालक को नहीं दी जाती, तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

झारखंड में बिजली अधिक गिरती है

मौसम खराब होने पर बच्चों के स्कूलों में छुट्टी कर दी जाती है। 13 जनवरी तक स्कूलों में छुट्टी की गई थी और शिक्षा विभाग ने मौसम केंद्र से जानकारी ली थी। उन्हें बताया गया था कि स्कूलों के जूनियर क्लास के बच्चों की छुट्टी कर देना उचित उपाय होगा। मौसम विज्ञान निदेशक ने बच्चों को यह भी बताया कि झारखंड में बिजली ज्यादा गिरती है। विशेष रूप से बादल और बारिश के मौसम में पेड़ के नीचे खड़े होकर नहीं रुकना चाहिए, क्योंकि ऐसी जगह बिजली गिरने का खतरा ज्यादा होता है।

विजयी बच्चे हुए पुरस्कृत

मौसम विभाग की विभिन्न प्रतियोगिताओं में केंद्रीय विद्यालय, सुरेंद्रनाथ सेंट्रल स्कूल और अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पेंटिंग, ड्रॉइंग, गीत-संगीत और अन्य प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर मौसम केंद्र रांची के सभी वैज्ञानिक, कर्मचारी, स्कूल के छात्र और शिक्षकगण मौजूद थे।

सरकार जनता की लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों का कर रही हनन : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को हेमन्त सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि नगर निकाय चुनावों के प्रति उदासीनता और उच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर हेमन्त सरकार जनता की लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रही है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग ने भी न्यायालय को अवगत कराया है कि हेमन्त सरकार आवश्यक सहयोग प्रदान नहीं कर रही है। नगर निकाय चुनावों को टालकर हेमंत सरकार प्रशासकों के माध्यम से इनके संचालन का काम कर रही है। इन प्रशासकों के संरक्षण में नगर निकायों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का बोलबाला बढ़ रहा है। बिना निर्वाचित प्रतिनिधित्व के, नागरिक हितों की अनदेखी कर हेमंत सरकार बड़े घोटाले को अंजाम दे रही है। इसके साथ मरांडी ने लोगों को मकर संक्रांति की बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि आप सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं। सूर्य के उत्तरायण होने का यह पावन पर्व आपके जीवन में नई ऊर्जा, अपार समृद्धि और असीम उत्साह का संचार करे। साथ ही उन्होंने सभी को टुसू पर्व की भी शुभकामनाएं दी हैं। मरांडी ने कहा है कि टुसू पर्व का मुख्य उद्देश्य फसल कटाई के बाद प्रकृति तथा फसल की समृद्धि के लिए आभार प्रकट करना है। यह पर्व आदिवासी समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत उदाहरण है।

परमवीर अलबर्ट एक्का चौक की घेराबंदी छतिग्रस्त, सुध लेने वाला कोई नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 1971 के युद्ध में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को घुटनों पर ला दिया था। इस जीत को याद करते हुए भारत में हर साल भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इसी युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देने वाले लांस नायक परमवीर अलबर्ट एक्का को इस युद्ध का हीरो माना गया। हजारों लोग 27 दिसंबर को परमवीर अलबर्ट एक्का को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

रांची के मेन रोड में स्थापित परमवीर अलबर्ट एक्का की प्रतिमा की सुरक्षा के लिए चारों ओर से घेराबंदी की गई है। लाखों रुपये खर्च करके यहां टाइल्स लगवाए गए थे और सुंदरता बढ़ाने के लिए एल्युमिनियम के एंगल भी लगाए गए थे। लेकिन प्रतिमा के चारों ओर से बनाए गए घेरे का रख रखाव बिल्कुल भी नहीं किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक जनवरी 2025 की रात अज्ञात वाहन ने प्रतिमा के घेरे को ठोकर मारी, जिसके कारण यह छतिग्रस्त हो गया। परमवीर अलबर्ट एक्का की प्रतिमा के चारों ओर की घेराबंदी पिछले 12 दिनों से टूटी हुई है। इस पर लगाए गए एंगल भी टूटकर गिरने के कगार पर हैं। लेकिन नगर निगम और जिला प्रशासन ने अब तक इस मामले में कोई सुध नहीं ली है।

18 तक छाये रहेंगे बादल, छह जिलों में घना कोहरा का साया

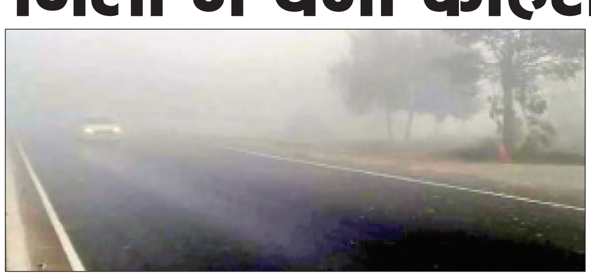

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में 18 जनवरी तक बादल छाये रहेंगे। इस दौरान कोहरा भी अपना रंग दिखायेगा। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में पश्चिमी विक्षोभ का असर दिख रहा है। 15 जनवरी को राज्य के कई जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा। इसको लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

छह जिलों में घना कोहरा का साया मौसम विभाग के अनुसार, 15 जनवरी को छह जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा। लातेहार, पलामू, गढ़वा, चतरा, हजारीबाग और कोडरमा में इसका असर दिखने को मिलेगा। बाकी जिलों में भी हल्के और मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक मौसम में बदलाव की संभावना नहीं है। न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट की संभावना जतायी गयी है। वहीं बीते 24 घंटे के दौरान सरायकेला का तापमान सबसे अधिक 28.9 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि नेतरहाट में न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

निधि खरे को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का मिला अतिरिक्त प्रभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने मंगलवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। निधि खरे, झारखंड कैडर की 1992 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। वे पहले झारखंड में स्वास्थ्य, कार्मिक प्रशासनिक और वाणिज्यकर विभाग की प्रधान सचिव के रूप में कार्य कर चुकी हैं। उनकी गिनती तेज तर्रार अधिकारियों में होती है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार का नोडल मंत्रालय है, जो नवीन और अक्षय ऊर्जा से संबंधित मामलों की देखरेख करता है। इसका मुख्य उद्देश्य देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवीन और अक्षय ऊर्जा का विकास और स्थापना करना है। निधि खरे ने इस मंत्रालय में नये सचिव के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है।

संसदीय अध्ययन केंद्र ने वित्त मंत्री को बजट के लिए दिए सुझाव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सामाजिक-आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को ज्ञापन सौंपकर आगामी बजट के लिए कई सुझाव दिये हैं। अध्ययन केंद्र ने बजट तैयार करने के पूर्व योजनाओं का विनिश्चय, योजनाओं/कार्यक्रमों में ओनरशिप का अभाव, ट्राइबल इकोनॉमी, संसाधन अभिवृद्धि जैसे कई विषयों को गंभीरता से उठाते हुए इस दिशा में अपने सुझावों से वित्त मंत्री को अवगत कराया है।

संस्था ने ग्रोथ मैटर्स उक्ति का उल्लेख करते हुए कहा है कि जीएसडीपी में यदि निरन्तरता, सतत प्रवाह अर्थात क्रमिक वृद्धि बनी रहती है तो इसे वित्तीय प्रशासन की आदर्श स्थिति माना जाता है। इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। साथ ही सरकार वित्तीय उत्तरदायित्व से संबंधित योजनाओं/कार्यक्रमों के लिए कालबद्ध कार्यान्वयन और 'उत्तरदायित्व' निरूपित करे तो झारखंड में ग्रोथ तेजी से सुनिश्चित होगा।

उसने आगाह किया है कि प्रायः विकसित राज्य केन्द्र सरकार, वित्तीय संस्थानों, बैंक आदि से नयी-नयी योजनाओं, कार्यक्रमों के आलोक में अपेक्षाकृत सहायता, ग्रांट इन एड, ऋण सहाय्य बटोर लेते हैं और कमजोर राज्य पीछे छूट जाते हैं। ऐसे में झारखंड को कृषि, सिंचाई, निर्माण, कल्याण, पलायन, पर्यावरण, जनजातीय हित आदि को ध्यान में रखकर लोकहित की योजनाओं, कार्यक्रमों को आगे रखना चाहिए। इसके अलावा आंतरिक वित्तीय प्रबंधन के लिहाज से चेताया है कि प्रायः बड़ी राशि पीएल एकाउंट में रख दी जाती है और उसका विनियोजन समय-सीमाधीन नहीं होता। ऐसी दशा में उससे मिलनेवाले सूद का दुर्विनियोजन होता है क्योंकि एतदसंबंधी कोई वित्तीय प्रावधान नहीं है। आम बजट राज्य की मौलिक चुनौतियों, आवश्यकताओं, संभावनाओं एवं समेकित विकास को आधार मानकर तैयार किया जाय।

संस्था ने बजट तैयार करने के पूर्व योजनाओं की प्राथमिकता का विनिश्चिय करने के लिए लंबित योजनाओं/कार्यक्रमों की गहन समीक्षा कर वर्षांत में उपलब्ध अनुपयुक्त राशि का विनियोजन करने की सलाह दी है। कहा है कि इसी प्रकार केन्द्रीय/केन्द्र प्रायोजित योजनाओं/कार्यक्रमों के लिये कर्णांकित धन की अधिप्राप्ति और विनियोजन में सचेष्टता बरती जाय। राज्य सरकार वित्तीय संस्थानों से संसाधन हेतु सतत संपर्क और सहभागी की नीति पर अमल करे। अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं के लक्ष्य प्राप्ति का ससमय विनिर्धारण करे। वर्षांत में अग्रिम निकासी पर कड़ी नजर रखे बिना अगले वित्तीय वर्ष में योजनाओं पर काम करने में मुश्किल आती है। किसी भी हाल में सरेंडर, पीएल खाते में जमा और मद परिवर्तन को प्रोत्साहन नहीं दिया जाना चाहिए। संस्था का मानना है कि योजनाओं/कार्यक्रमों या अन्य वित्तीय आर्थिक उत्तरदायित्व वाले कार्यों में दूरदर्शिता का अभाव देखा जाता है। यह ग्रोथ के लिए समीचन नहीं है।

अध्ययन केंद्र ने कहा है कि झारखंड में आदिम जनजाति सहित जनजातीय आबादी 26 प्रतिशत है लेकिन निर्माण, स्वास्थ्य, उद्यमिता, कृषि, व्यापार सहित विकास के अधिकतर मानकों में इतनी बड़ी आबादी औसत राष्ट्रीय विकास ही नहीं, राज्य में भी तुलनात्मक दृष्टि से पीछे है। 24 वर्षों के सतत प्रयास के बावजूद इनका स्तरीय उन्नयन समेकित नहीं है। ऐसी स्थिति में 'जनजातीय-आर्थिकी' को समृद्ध करने के उद्देश्य से योजना एवं बजट की संरचना की अधिक आवश्यकता है। इसके लिये सभी सामाजिक, आर्थिक हितधारकों के परामर्श से केन्द्र सरकार और वित्तीय संस्थाओं के सहयोग की जमीनी स्तर के कार्यक्रमों को बजट में सन्निहित किया जाय। जनजातीय उपयोजना का सफल कार्यान्वयन इसी संदर्भ में हो। जनजातीय उपयाजेना को अधिक तर्कसंगत बनाया जाय और इसे जनजातीय विकास के लिये ही कर्णांकित किया जाय। संस्था ने समाज हित में एकीकृत विकास लय हेतु कृषि, रोजगार, सिंचाई, स्वावलंबन, स्वास्थ्य में आउटकम आधारित विनियोजन आवश्यक बताया है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने मकर संक्रांति की दी बधाई

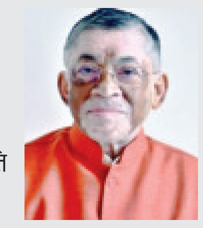

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मकर संक्रांति पर मंगलवार को देश और प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर समस्त देशवासियों को दान के महापर्व मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि प्रकृति और लोक उत्सव का महापर्व सोहराय, टुसू परब, बुरु मागे परब और मकर संक्रांति की आप सभी को अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। उन्होंने कहा है कि प्रकृति का यह महापर्व आप सभी को स्वस्थ रखे। आप सभी समृद्ध और खुशहाल रहें, यही कामना करता हूं।

सेल सैटेलाइट कॉलोनी में मेगा स्पोर्ट्स इवेंट का हुआ उद्घाटन

रांची : सेल मेगा स्पोर्ट्स इवेंट का उद्घाटन सोमवार को सेल, रांची इकाई के कार्यपालक निदेशकों अनुप कुमार (ईडी-एसएसओ), एसके वर्मा (ईडी-सीईटी) और एसके कर (ईडी-आरडीसीआईएस) द्वारा संयुक्त रूप से किया गयो यह कार्यक्रम सैटेलाइट टाउनशिप के मनोरंजन केंद्र में आयोजित किया जा रहा है। इसे सेल कर्मियों, गृहिणियों और बच्चों के बीच खेल भावना और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया है। इस आयोजन में बैडमिंटन, शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे विभिन्न प्रकार के इनडोर खेल शामिल हैं। बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और सिट-एंड-ड्रॉ प्रतियोगिता जैसी आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। महिला प्रतिभागियों को अल्पना और रंगोली प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन 26 जनवरी, 2025 तक चलेगा, जिसका समापन आउटडोर गेम्स और गणतंत्र दिवस पर एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा।

मुख्यमंत्री आवास के समीप ट्रक पलटा

रांची : शहर के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आवास के पास एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। यह घटना सोमवार देर रात की है। बताया गया है कि कांके से रातू रोड की तरफ आ रहा एक मालवाहक ट्रक मुख्यमंत्री आवास के पास सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही गोंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क के बीच से हटाया। पुलिस ने बताया कि घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ है।

आजसू ने किया 6 सदस्यीय समिति का गठन, धनबाद हिंसक झड़प की करेगी जांच

रांची : धनबाद जिले के मधुबन में 9 जनवरी को हुई घटना की जानकारी प्राप्त करने के लिए आजसू पार्टी ने एक 6 सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति का गठन पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के निर्देश पर किया गया है। बताया जा रहा है कि समिति का मुख्य उद्देश्य घटना में प्रभावित परिवारों से मिलकर घटना की पूरी जानकारी लेना है। इसके बाद प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों से कार्रवाई के बारे में जानकारी हासिल करना है। जानकारी हो कि इस समिति के सदस्य 15 जनवरी बुधवार को धनबाद जाएंगे। यहां वे घटना की जांच करेंगे और केंद्रीय नेतृत्व को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे। इस समिति में शामिल 6 सदस्य हैं – मांडू विधायक निर्मल महतो, गोमिया के पूर्व विधायक लम्बोदर महतो, पूर्व न्यायाधीश पंकज श्रीवास्तव, पूर्व डी.आई.जी सुबोध प्रसाद, प्रधान सचिव राजेंद्र मेहता और प्रधान सचिव राधेश्याम गोस्वामी। इस समिति का गठन घटना की पारदर्शिता से जांच करने और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से किया गया है।

बीच सड़क पर दफनाया शव, दहशत में लोग

रांची : रांची के बरियातू इलाके में एक शव बीच सड़क पर दफनाए जाने की खबर ने इलाके में दहशत फैला दी है। यह घटना स्थानीय लोगों के लिए चौंकाने वाली है। शव को सड़क के बीचों-बीच दफनाए जाने का कारण अबतक पता नहीं चल पाया है। मिली जानकरी के मुताबिक 40-50 की संख्या में लोग पहुंचे और बीच सड़क पर शव दफना कर चले गए। हालांकि इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शव का संबंध किसी अपराध से तो नहीं है। इस घटना से लोगों में भय का माहौल बन गया है। ऐसी घटनाओं में आमतौर पर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठते हैं और स्थानीय प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की उम्मीद की जाती है।

झारखंड के कई जिलों के सीओ और रजिस्ट्रार के तबादले की तैयारी

रांची : झारखंड में अगले कुछ दिनों में भूमि निबंधन एवं राजस्व विभाग के कई अधकारियों का तबादला किये जाने की तैयारी है। जानकारी के मुताबिक, रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, देवघर, सरायकेला और खूंटी समेत अन्य कई जिलों में पदस्थापित रजिस्ट्रार और सीओ के ट्रांसफर की लिस्ट बनकर तैयार हो चुकी है। विभागीय मंत्री से सहमति मिलने के बाद लिस्ट जारी कर दी जायेगी। इस बार होने वाली ट्रांसफर पोस्टिंग में नये बैच के अधिकारियो को भी जगह मिल सकती है। जमशेदपुर, चतरा और रांची जिले के अवर निबंधक भी बदले जा सकते हैं। दरअसल कई जिलों में सीओ और रजिस्ट्रार लंबे समय से जमे हुए हैं।

एक नजर

मोटरसाइकिल के धक्के से दो युवक घायल, अस्पताल में भर्ती

बरहरवा : थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहरवा–फरक्का एनएच 80 मुख्य पथ पर हाइस्कूल मोड़ के पास मंगलवार को सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल हो गये। मिली जानकारी के अनुसार, रिशु हेंब्रम (18) व वरुण साहा (21) मोटरसाइकिल पर सवार होकर रिसौड़ जा रहे थे। तभी हाइस्कूल मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल से टक्कर हो गयी। राहगीरों की मदद से उसे सीएचसी बरहरवा ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घटना में दोनों को हल्की चोट आयी है।

गंगा घाट के किनारे मरीन ड्राइव की तर्ज पर बनेगी सड़क, टीम ने किया सर्वे

साहिबगंज : जिला के शोभनपुर भट्ठा से समदा घाट तक बनायी जायेगी बायपास सड़क, साहिबगंज पटना व मुंबई की मरीन ड्राइव की तर्ज पर साहिबगंज में गंगा किनारे बनने वाले टू लेन रोड के सर्वे के लिए रांची से पांच सदस्यीय टीम पहुंची। पथ निर्माण विभाग की तीन सदस्यीय टीम अमित कुमार सिंह, राहुल शर्मा, प्रिंस कुमार ने सर्वे का कार्य ओझा टोली घाट से शुरू किया। गंगा किनारे से निकलने वाले रोड को शोभनपुर भट्ठा से समदाघाट तक गंगा किनारे से अलग बाइपास के रूप में विकसित किया जायेगा। इससे साहिबगंज शहर के लोगों को जाम की समस्या से निजात मिल सकेगी। ये रोड शोभनपुर भट्ठा से शुरू होकर वाया शकुंतला घाट, पुरानी साहिबगंज ओझा टोली घाट, चानन, मदनशाही होकर समदा घाट तक जायेगा। रोड पर छह स्थानों पर गंगा को रोड से जोड़ने के लिए सीढ़ीनुमा रोड बनाये जायेंगे। कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने बताया कि टीम अगले कुछ दिनों तक यहां रुक कर डीपीआर बनाने के लिए आवश्यक मैटेरियल इकट्ठा करेगी। आठ किलोमीटर लंबे टू लेन रोड का काम शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग के सचिव को पत्र लिख कर निर्देश दिया था। झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा ने पिछले दिनों रांची में पीडब्ल्यूडी सचिव सुनील कुमार से मिलकर मुख्यमंत्री को पत्र सौंपा था।

अंडर-14 इवेंट में उपेन्द्र कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीता

बोकारो : झारखंड स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की मेजबानी में एसजीएफआइ नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता के अंडर–14 इवेंट का आयोजन रांची, मोराबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित किया गया था। यह प्रतियोगिता दिनांक 11 जनवरी से 14 जनवरी, 2025 तक किया गया। उक्त प्रतियोगिता में आवासीय बालक एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद, चंदनकियारी के उपेन्द्र कुमार ने ब्रोंज मेडल जीतकर बोकारो जिला नाम रोशन किया है। उक्त विजेता को उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया। साथ ही उनके कोच श्री आशु भाटिया को भी बधाई व शुभकामनाएं दी है। ज्ञातव्य हो कि इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए 31 टीमों के लगभग 900 एथलीट शामिल हुए थे।

लंबित योजनाओं को अविलंब पूर्ण करें : निदेशक डीपीएलआर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार निदेशक डी.पी.एल.आर. मेनका द्वारा मंगलवार को जिला परिषद कार्यालय के सभागार में जिले के पंचायतीराज विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई। मौके पर जिला पंचायतीराज पदाधिकारी मो, जिला अभियंता जिला परिषद श्री हरि दास, डीपीएम अभिषेक कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी, सभी प्रखंड समन्वयक, कनीय अभियंता, लेखा लिपिक सह कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित थे। बैठक में पंचायत स्तरीय कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति, पंचायत स्तर पर जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने, पंचायत स्तर परीक्षा में अंतर्गत दी जाने वाली सेवाएं, 15वे वित्त आयोग अंतर्गत ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद स्तर पर संचालित आबद्ध एवं अनाबद्ध योजनाओं की स्थिति, पंचायत भवन में मूलभूत सुविधाएं, पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण, पंचायत ज्ञान केंद्र अधिष्ठापन एवं संचालन एवं अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की गई। इस दौरान निदेशक, डी.पी.एल.आर. ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम जिला पंचायतीराज पदाधिकारी के द्वारा निदेशक डीपीएलआर सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को पंचायतीराज विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं योजनाओं के तहत किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। पंचायत ज्ञान केंद्र के संचालन के संबंध में चर्चा के क्रम में निदेशक डीपीएलआर मेनका ने पंचायतों में संचालित पंचायत ज्ञान केंद्र को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की बात कहीं। निदेशक, डी.पी.एल.आर. मेनका ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को लंबित योजनाओं को अविलंब पूर्ण करने एवं पंचायत सचिवालय को शत प्रतिशत क्रियाशील करने का निर्देश दिया।

तालाब में मिला अज्ञात व्यक्ति शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : तालाब में मिला तैरता हुआ शव। ग्रामीणों के सूचना पर मौके पर पहुंची चास मुफ्फसिल थाना पुलिस। शव की नही हो सकी है पहचान। शव को पुलिस ने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ भी काफी देखी गई। बताते चले की बोकारो के चास मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के अलकुसा पंचायत के धनडाबर गांव का ये मामला है जहां तालाब में तैरता हुआ अज्ञात शव मिला है। मृतक के पॉकेट से मिले पेन कार्ड में जितेन महतो के रूप में हुई है। फिलहाल पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है और ये पता लगाने की कोशिश किया जा रहा है की ये व्यक्ति कहां का है और इस गांव के इस तालाब में कैसे पहुंचा। मृतक का उम्र करीब 40 वर्ष बताया जा रहा है। पुलिस मृतक की पहचान करने में लगी हुई है और मृतक के जेब से मिले पेन कार्ड के आधार पर जांच कर रही है। ये हत्या है या फिर आत्महत्या पुलिस जांच के बाद ही कुछ कहने की बात कह रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा पूरा मामला।

मुस्कान एक प्रयास की संस्थापिका ललित चौहान दरभंगा में सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : दरभंगा में आयोजित सम्मान समारोह में धनबाद की संस्था मुस्कान एक प्रयास को राष्ट्रीय सेवा रत्न सम्मान मिला। धनबाद सहित पूरे देश में रक्तसेवा के लिए धनबाद रक्तसेवक संस्था मुस्कान एक प्रयास को दरभंगा में सम्मानित किया गया। पूरे झारखण्ड में रक्तदान के क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्वेश्य से खुद को रक्तसेवा के प्रति समर्पित कर चुकी ललिता चौहान को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर डॉ. मृदुल कुमार शुक्ला एवं पूरी टीम के द्वारा दरभंगा की संस्था समर्पण मिथिला के द्वारा दलान रिसॉर्ट दरभंगा में 11 एवं 12 जनवरी को राष्ट्रीय रक्तदाता प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस रक्तदाता सम्मेलन में देश के अलग-अलग प्रदेशों सहित पड़ोसी देश नेपाल के रक्तदान क्षेत्र से

जुड़े 200 रक्तदाता एवं संस्थाओं को आमंत्रित किया गया था एवं कार्यक्रम समापन के उपरांत सभी को सम्मानित किया गया। धनबाद के रक्त सेविका ललिता चौहान को उक्त कार्यक्रम में रक्तदान के प्रति जागरूकता अभियान चलाने ,रक्तदान शिविर का आयोजन करने एवं जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए सम्मानित किया गया। ललिता जी ने बताया कि रक्तदान ही एक ऐसी सेवा है जो निस्वार्थ रूप से किया जाता है। इस सम्मान का संस्था मुस्कान एक प्रयास के सभी रक्तदाताओं को जाता है जिनके सहयोग से समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है एवं जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराया जाता है। धनबाद की चर्चित स्वयंसेवी संस्था मुस्कान एक प्रयास की संस्थापिका सह अध्यक्ष ललीता चौहान लगातार रक्तदान के प्रति युवाओं को जागरुक कर उनसे रक्तदान कराते हैं। श्रीमती चौहान ने बताया कि रक्तदान के प्रति जागरूकता लाने के लिए संस्था मुस्कान एक प्रयास के द्वारा वर्ष 2020 से मिशन रक्तदान झारखंड में अभियान चलाया जा रहा है संस्था के द्वारा 2020 से अब तक लगभग हजारों लोगों की जान बचाई जा चुकी है 100 से ज्यादा रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा चुका है।

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ ने खोया हुआ बैग उसके मालिक को सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट द्वारा ऑपरेशन अमानत के तहत एक सफल अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान, एलसी खुशबू कुमारी और एलसी शकीला ने प्लेटफार्म नंबर 01 पर एक महिला का हैंड बैग बरामद किया, जिसमें लगभग 2000 रुपये, कुछ आईडी कार्ड और दस्तावेज, एक छोटा पर्स और अन्य विविध सामान थे। बरामद सामान को आरपीएफ बूथ में सुरक्षित रूप से रखा गया और बाद में बैग के मालिक की पहचान करने के लिए एक मोबाइल नंबर का उपयोग किया गया। एक व्यक्ति ने बूथ पर आकर

बैग के बारे में पूछताछ की और दावा किया कि उसने गलती से स्टेशन पर बैग छोड़ दिया था। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से व्यक्ति के दावे की पुष्टि करने और गहन जांच करने के बाद, उक्त बैग उसे सौंप दिया गया। यह अभियान आरपीएफ पोस्ट बोकारो द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और संपत्ति की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

रक्तवीर परिवार को राष्ट्रीय सेवारत्न सम्मान

बोकारो : बोकारो की अग्रिणी संस्था बोकारो रक्तवीर परिवार को एक बार फिर दरभंगा बिहार में दो दिवसीय राष्ट्रीय रक्तदाता प्रतिनिधि सम्मलेन में 'राष्ट्रीय सेवारत्न सम्मान ' से अलंकृत किया गया। संस्था की ओर से संस्था के सचिव बिनय कुमार ने शिरकत कर सम्मान को ग्रहण किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा की इस तरह के सम्मान से हम सभी रक्तवीरों की जिम्मेदारी बढ़ती जाती है। ये सम्मान पुरे बोकारो रक्तवीर परिवार को समर्पित, और मान सम्मान के साथ खुशियों भरा पल है।

आरपीएफ ने ऑपरेशन नन्हे फरिस्ते के तहत नाबालिग का किया रेस्क्यू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : घटना लगभग 8:10 बजे रात्रि की है बोकारो रेलवे स्टेशन पर हुई। बताते चले कि एएसआई कुमार सत्यम और मेरी सहेली की एलसी केएम अंजू महतो और सुमन मीना ने एक नाबालिग लड़की को प्रवेश द्वार के पास पीएफ नंबर-01 पर घूमते हुए देखा। लड़की से पूछताछ पर उसने अपना नाम पता बताया वह लगभग 14 वर्ष की नाबालिक है, और वह बिहार के भागलपु जिले के बरारी थाना के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी नियर हनुमान मंदिर के समीप की रहने वाली है। उसने यह भी बताया कि वह अपने घर में को बताए बिना घर

से चली गई थी और रास्ता भूल गई थी। आरपीएफ टीम ने लड़की को सुरक्षित रूप से चाइल्ड लाइन बोकारो के हवाले कर दिया, जहां उसके परिवार के साथ संपर्क स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह घटना आरपीएफ की संवेदनशीलता और नाबालिगों की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

स्टील सिटी के मुख्य चौराहों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता का विशेष अभियान चलाया गया

बोकारो : स्टील सिटी के मुख्य चौराहों पर सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के द्वारा जनमानस के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता का विशेष अभियान चलाया गया। बोकारो स्टील सिटी के प्रमुख चौराहों बी जी एच, गांधी चौक, पत्थर कट्टा चौराहे पर एन सी सी के कैडेट्स के द्वारा दो पहिया और चार पहिया वाहन चालकों के माथे पर तिलक लगा कर और टॉफी देकर चालकों से सड़क सुरक्षा सम्बंधित नियमों का पालन करने का अनुरोध किया गया। इस मौके पर बच्चों के साथ सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री नेहाल पासवान, बीएस एल सिक्योरिटी विभाग के अधिकारीगण तथा कर्मचारी मौजूद थे।

विधायक श्वेता सिंह मकर संक्रांति एवं टुसू पर्व के अवसर पर विभिन्न आयोजनों में हुईं शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विधायक श्वेता सिंह ने प्रातः चेचका धाम पहुंच कर भगवान शिव की पूजा अर्चना की और बोकारो विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए खुशहाली मांगी। मौके पर श्रीमती सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मकर संक्रांति सनातन धर्म का एक प्रमुख पर्व है जो भगवान भास्कर के मकर राशि में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है आज का दिन सिर्फ धार्मिक महत्व ही नहीं रखता अपितु इसका संबंध विज्ञान कृषि और सामाजिक जीवन से भी है।इस पर्व को नई ऊर्जा,नई फसल और नई शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व एकता और भाई चारा का संदेश

देती है मै पुनः इस अवसर पर सभी क्षेत्र वासियों को शुभकामना देती हूं इस अवसर पर सिंह ने लोगो के बीच में चूड़ा दही,तिलकुट आदि वितरण कर हर्षोल्लास के साथ पर्व को मनाया इस अवसर पर सागर दत्ता सदानंद उपाध्याय,वकील ठाकुर सूरज पाठक विक्की तिवारी,रवि मेहता आदि उपस्थित रहे। तत्पश्चात दामोदर पुल पूपुंकी पर आयोजित विराट टुसू पर्व प्रतियोगिता में शामिल हुई इस अवसर पर विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि यह पर्व झारखंडी संस्कृति को दशार्ता है।प्रत्येक घर की कुंवारी कन्याएं टुसू का पूजन करतीं हैं। टुसू उत्सव करीब एक माह पहले पौष माह से ही शुरू हो जाता है। इस दौरान टुसू और चौड़ल यानी एक पारंपरिक मंडप सजाने का काम भी होता है। इस काम को केवल कुंवारी लड़कियां ही करती हैं। गांवों में टुसू की मूर्ति बनाकर पूजा की जाती है। इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल होता है। जगह-जगह मेले का आयोजन होता है। लोग पूरे 7 दिन उत्सव मनाते हैं। नए-नए कपड़े पहनकर मेले का आनंद उठाते हैं। टुसू मेला व प्रदर्शनी के दौरान टुसू की मूर्तियों के साथ साथ बड़े-बड़े आकार के चौड़ल लेकर लोग प्रदर्शित करते है। श्वेता सिंह ने अपनी बेटी के बलिदान को याद करते हैं। इस दिन झारखंड के प्रत्येक घरों में गुड़ पीठा, मसाला पीठा, उंधी पीठा, आलती पीठा के अलावा मुढ़ी लड्डू, तिल लड्डू,नारियल लड्डू भी बनाए जाते हैं।अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नरकेरा पंचायत के मांझी टोला में आयोजित टुसू पर्व में भी शामिल हुई और स्थानीय महिलाओं के साथ झारखंड के पारंपरिक नृत्य कर सभी का अभिवादन किया और सभीको शुभकामना दी इस अवसर पर पार्वती महतो, सुसेन रजवार,बबीता देवी उपस्थित रहे। क्षेत्र भ्रमण के दौरान बधाडीह पंचायत के धोबनी ग्राम में क्रिकेट टूनामेंट का उद्घाटन करते हुए कहा कि युवाओं के उत्साह को सकारात्मक सांचे में ढालने में खेल के मैदान की महत्वपूर्ण भूमिका है।

संक्षिप्त खबरें

मकर संक्रांति महोत्सव में शामिल हुए टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो

धनबाद : मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी तोपचांची प्रखंड अंतर्गत प्रधानखंता,रोआम,ढांगी बड़की जोरिया में मकर संक्रांति महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम टुंडी विधायक सह सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो को पारंपरिक तरीके से ढोल नगाड़े एवं आदिवासी महिलाओं द्वारा स्वागत किया गया। विधायक जी ने तीर चला कर कार्यक्रम की शुरूआत की। विधायक जी ने कहा की हमारी पहचान झारखंड की सभ्यता और संस्कृति से ही है इसलिए हम सबको इसे संरक्षित और आगे बढ़ाने की जरूरत है। खोरठा गीतकार विनय तिवारी ने कहा हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है,इसे बरकरार रखना हम सबों का दाइत्व है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से तोपचांची अंचलाधिकारी संजय सिंह, तोपचांची थाना प्रभारी डोमन प्रसाद रजक, सी. डब्लू सी धनबाद के अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी, विद्यायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, बाबूनाथ महतो, विकास तिवारी,आनंद महतो, खोरठा गीतकार विनय तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

क्रिकेट से आपसी भाईचारा में उच्च समन्वय स्थापित होता है : शत्रुघ्न महतो

धनबाद : बाघमारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आकाशकिनारी बस्ती ,कतरास में मकर संक्रांति के अवसर पर युवा टाईगर फोर्स द्वारा का आयोजन किया गया,जिसमें बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने क्रिकेट मैदान पहुंचकर सभी युवा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किए,उनका हौसला अफजाई करते हुए, विधायक जी बैटिंग कर क्रिकेट टूनामेंट का शुभारंभ किए संबोधन के दौरान विधायक जी कहे क्रिकेट आपसी भाईचारा का प्रतीक हैं,आज जितने भी राष्ट्रीय से लेकर अंतराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं,सभी कही न कही ऐसे ही मैदान से सीखकर इतने उच्च स्तर तक पहुंचते हैं,इसलिए आप सभी युवा खिलाड़ियों को मैं विश्वास दिलाता हूं कि खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतू आप सभी खिलाड़ी को मदद की जरूरत हैं तो ऐसे खिलाड़ी माननीय धनबाद सांसद जी से या हमसे मिले वैसे खिलाड़ियों को प्रत्येक स्तर की सुविधा व मदद प्रदान किया जाएगा। मौके पर एरिया 3 के जीएम गणेश चंद्र शाहा, जागो संस्था के प्रमुख चुन्ना यादव, युवा भाजपा नेता सह भावी वार्ड पार्षद आनंद यादव , दिलीप यादव ,चंदन यादव राजेश स्वर्णकर बलदेव यादव, आनंदी यादव विनय पासवान मनोज लाला वार्ड 05 के पार्षद राजेंद्र प्रसाद एडवोकेट राजेश झा जी रंजीत रवानी, सतीश साव, सनी यादव आदि उपस्थित थे।

पहला कदम के दिव्यांग बच्चों ने मकर संक्रांति पर लिया पतंगबाजी का आनंद

धनबाद : भगवान सूर्य के दक्षिण से उत्तरायण होने पर भारतवर्ष के उजाले में वृद्धि के प्रतीक नव वर्ष के प्रथम पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को नारायणी चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जग जीवन नगर स्थित विशेष बच्चों की पहला कदम स्कूल में मकर संक्रांति के अवसर पर बड़े बच्चों के मनोरंजन के लिए बहुत ही शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमे पतंग उड़ाना विशेष रूप से शामिल था। आज बच्चो ने दही चुड़ा और तिल कूट का लुत्फ उठाया। पहला कदम की संचालिका अनिता अग्रवाल कहा कि सदैव यह कोशिश रही कि कोई भी दिव्यांग बच्चों की जिंदगी में किसी भी पर्व की खुशी की कमी न रहे और आज उसी का प्रयास व परिणाम है कि समाज के प्रतिष्ठित और सम्मानित वर्ग इन दिव्यांग बच्चो को अपने साथ खुशी में शामिल कर रहे है। सभी शिक्षकों ने मकर संक्रांति के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि भगवान सूर्य इनके जीवन में अपार खुशिया लाये।

मॉर्निंग वॉकरों ने गोल्फ ग्राउंड पार्क में मनाया मकर संक्रांति व पूर्व मेयर का जन्मदिन

धनबाद : धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में मॉर्निंग वॉक करने आनेवाले मॉर्निंग वॉकरों के लिए मंगलवार का दिन दोहरी खुशी लेकर आया। एक तरफ जहाँ मॉर्निंग वॉकरो ने मकर संक्रांति के पर्व के मौके पर एक दूसरे को तिलकुट खिलाया तो वही दूसरी ओर केक काटकर पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल का 63वां जन्मदिन भी मनाया गया। सभी लोगों ने पूर्व मेयर के दीघार्यु होने की कामना की। बता दें कि हर रोज सैकड़ों लोग गोल्फ ग्राउंड में मॉर्निंग वॉक के लिए आते हैं। पूर्व मेयर के दिनचर्या में भी मॉर्निंग वॉक शामिल है। आज जब सभी लोग मॉर्निंग वॉक करने पहुंचे तो पूर्व मेयर की जन्मदिन की खुशी में केक काटा साथ ही मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर तिलकुट बांटकर मकर संक्रांति का पर्व भी मनाया। मौके पर आनंद चौरसिया, जावेद खान, जाकिर खान, संजय शर्मा, विकाश सिंह, नायाब खान,गुड्डू शर्मा, मुकेश सिंह, कमलेश कुमार, जॉय, आदि मौजूद थे।

एक नजर

पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत तीन अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्याय हिरासत में भेजा जेल दिया। मिली जानकारी के अनुसार प्राथमिकी दर्ज अभियुक्त चांद अंसारी उम्र 20 वर्षीय, पिता मो खालिद, साकिन नल पोखर मॉल पहाड़ी रोड, थाना पाकुड़ नगर, जिला पाकुड़, मो अरबाज उम्र 23 वर्षीय, पिता शमशेर आलम, साकिन अंजुमन नगर, थाना जिरवाबाड़ी, जिला साहिबगंज, मो शमद उम्र 21 वर्षीय, पिता मो अली बख्श, साकिन अंजुमन नगर, थाना जिरवाबाड़ी, जिला साहिबगंज तीनों अभियुक्त के ऊपर जिरवाबाड़ी कांड संख्या 9/25 दिनांक 10 जनवरी 2025 धारा 303(2) बी.एन.एस. के प्राथमिकी अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर सदर अस्पताल साहिबगंज में चिकित्सा जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

मवेशी चराने के दौरान मारपीट में एक व्यक्ति घायल

साहिबगंज/तालझारी : थाना क्षेत्र अंतर्गत मवेशी चराने को लेकर मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। तालझारी थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि थाना क्षेत्र के बाफर टोला के योगेश मंडल आवेदन दिया है कि मवेशी चराने को लेकर मेहंदीपुर के तीन लोग मारपीट कर योगेंद्र मंडल के पिता बलराम मंडल घायल कर दिया है। आवेदन के आधार पर केस दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

किराना दुकान में आग लगने से लाखों के सामान जलकर राख

साहिबगंज/तीनपहाड़ : थाना क्षेत्र के सगड़भंगा गांव के एक किराना दुकान में बीती रात अचानक आग लग गयी। घटना में दुकानदार सुबल पंडित के दुकान में रखे सारे सामान जल कर राख हो गये। इससे दुकानदार को तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ। जानकारी के अनुसार, सगड़भंगा निवासी सुबल पंडित रोज की तरह अपना किराना दुकान बंद कर घर चले गये। बताया जाता है की रात के करीब 10 बजे दुकान से आग की लपटें उठती देखकर लोग जमा हुए और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लोगों की कोशिशों के बावजूद दुकान को नहीं बचाया जा सका। हालांकि, आग कैसे लगी, इसका पता नहीं चल पाया। इस मामले को लेकर लिखित आवेदन तीनपहाड़ थाना को दिया गया।

मकर संक्रांति पर तातलोई गर्म जल कुंड में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : जिले के जामा प्रखंड मुख्यालय से करीब दस किलोमीटर दूरी पर स्थित प्राकृतिक छटा बिखेरते तातलोई गर्म जलकुंड में मकर संक्रांति पर साफा होड़ समुदाय के अलावा हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगा पूजा अर्चना कर परिवार के सदस्यों के लिए खुशहाल जीवन की कामना की। मेले में पहुंचे पाकुड़ जिले के साफा होड़ समुदाय के साफा होड़ अमीन मुर्मू और शिव नगर के धर्म गुरु बुधन हांसदा ने बताया कि आदिवासी समुदाय के लोग सरना धर्मावलंबी मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में मारांग बुरु बुढ़ा बूढ़ी, सिंग बोंगा सरना माता का पूजा अर्चना करते हैं। इस दौरान नौ प्रकार की लकड़ी जलाकर हवन-पूजन की जाती है और तुलसी पिंड लगाया जाता है। उसी तुलसी पिंड को भगवान शिव एवं राम मानकर पूजा अर्चना की जाती है एवं हवन पूजन के माध्यम से नव ग्रह से मुक्ति मिलती है। साथ ही बताया कि यह पूजा अर्चना आदिवासी समाज के साफा होड़ समुदाय के लोग करीब 1906-07 से करते आ रहे हैं। तब से यह परंपरा चल रही है। मान्यता है कि जलकुंड के गरम पानी में औषधीय गुण पाया जाता है। इससे स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का चर्म रोग एवं पेट संबंधी बीमारियों से छुटकारा मिल जाता है।

स्वर्णरेखा नदी के तट पर मकर संक्रांति पर टुसू मेला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : मकर संक्रान्ति के अवसर पर हेसल पंचायत जमुवरी में जय सरना समिति के तत्वाधान में सोवर्ण रेखा नदी तट पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तुलू मेला का आयोजन किया गया और अतिथि के रुप में डॉ अमर कुमार चौधरी जिला परिषद अनुराधा मुंडा आतिश महतो राम शाय मूंडा थे इस मेला में प्रखंड के विभिन्न गांवों से लोग टुसू लेकर नाचते गाते झूमते हुए मेला स्थल पहुंचे और रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा था आगे अमर कुमार ने कहा कि मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है। मकर संक्रांति पूरे भारत और नेपाल में भिन्न रूपों में मनाया जाता है। पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। इस मौके पर हेसल मुखिया कविता देवी पंचायत समिति सदस्य शीला देवी उप मुखिया दुर्गा महतो ग्राम प्रधान रामनाथ करमाली आजसू नेता जगर नाथ महतोकृष्ण भगत आजसू नेता अर्जुन राम सखीचंद महतो आदि शामिल थे।

घर में घुसकर मां-बेटी को बुरी तरह मारकर किया घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी कोदरर्जन्ना के रहने वाले मां बीबी रोशन और बेटी जुली खातून को मार कर बुरी तरह घायल कर दिया। घायल मां के पति मो अफसार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि मुजसर और मुजसर का भतीजा, मुजसर की पत्नी, मुजसर का सास, चारों घर में घुस कर पत्नी और बेटी को सर फोड़कर बुरी तरह घायल कर दिया और घर में रखा हुआ पैसा भी लेकर जबरदस्ती चला गया। और बताया कि सहुत के बेटे से मेरे बेटी का शादी हुआ था, उनका बेटा मेरी बेटी को खाना खर्चा बंद कर दिया इसके वजह से 3 साल से केस चल रहा है और मेरी बेटी का पति दूसरा शादी कर लिया है। केस होने के कारण उन लोग 2, 3 महीना में हमेशा धमकी देते रहता है कि केस उठाओ नहीं तो जान से मार देगें। घायल बेटी के पिता इन सब मामलों को लेकर मुफस्सिल थाना प्रभारी को कई बार मौखिक बताया। जहां आज घायल के पिता किसी काम को लेकर सुबह ही साहिबगंज आया हुआ था इसी बीच घर में घुसकर उनलोगों ने घटना को अंजाम दिया। जहां मुफस्सिल थाना प्रभारी आवेदन के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और घायल मां, बेटी को चिकित्सा इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उपचार किया। मुफस्सिल थाना पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

तिरुलडीह में पारंपरिक फोदी खेल का हुआ आयोजन, दर्जनों खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : कुकडू प्रखंड क्षेत्र के तिरुलडीह में मंगलवार को मकर संक्रांति के अवसर पर पारंपरिक फोदी खेल का आयोजन किया गया। जहां इस खेल में तिरुलडीह, गुंदलीडीह, सिरकाडीह, कुदा सहित आसपास के कई गांवों के सैकड़ो लोग शामिल हुए। इस दौरान वरिष्ठ फोदी खिलाड़ी रमेश कुईरी, हीरालाल कुईरी, नबो महतो, शिवनंदन कुईरी, सहदेव महतो, सहदेव कुईरी, उपेन कुईरी भी शामिल हुए। खेल के दौरान लोग काफी उत्सुक दिखे। खेल के समापन के बाद उत्कृष्ट फोदी खेलने वाले खिलाड़ियो व वरिष्ठ खिलाड़ियों को परितोषिक देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान लोगो ने पारंपरिक फोदी खेल को बचाये रखने का संकल्प लिया और आने वाले सालों में इसे और भव्य तरीके से करने का भी बातें कहा। इस दौरान वरिष्ठ फोदी खिलाड़ी रमेश कुईरी ने कहा कि फोदी खेल पुराणनिक खेल है। फोदी खेल से गांव में लोगों के बीच एकजुटता बनी रहती है। और यह खेल हर वर्ष मकर संक्रांति के दिन होते आया है। उन्होंने कहा कि हम सभी को इस परम्परा को बचाये रखने की आवश्यकता है। गांव के युवाओं ने इसे बचाये रखा है, यह काबिले तारीफ है। पुरस्कार वितरण समारोह को झामुमो प्रखंड अध्यक्ष इंद्रजीत महतो, तिरुलडीह पंचायत के मुखिया रामबालक सिंह मुंडा, समाजसेवी बिजय कुईरी ने भी संबोंधित किया। मौके पर गुंदलीडीह के ग्राम प्रधान सागर महतो, शेर मोहम्मद, नबो महतो, कबीर अहमद, सुनील महतो, गोदाधर महतो कालो महतो, मुन्ना महतो, लाल साई कर्मकार, किरीटी कुईरी, निरंजन तंतुबाई, संतोष कुईरी, लालटू प्रामाणिक, बाबलू प्रामाणिक, जीतेंन महतो आदि उपस्थित थे।

आरएसएस ने मनाया मकर संक्रांति उत्सव, एक दूसरे को दी शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरिया सरिया शाखा में मकर संक्रांति उत्सव मनाया गया। जहां स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों ने परम पवित्र भगवा ध्वज के पास अखंड भारत तथा भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प इसके पश्चात लोगों ने सामूहिक रूप से छुड़ा तिलकुट का आनंद लिया। बताते चलें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिन छः उत्सवों को राष्ट्रीय स्तर शाखा स्तर पर मानता है,उनमें मकर संक्रांति उत्सव एक है। यह उत्सव देश के सभी स्थानों पर विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। उत्तर भारत में मकर संक्रांति,दक्षिण भारत में पोंगल,पंजाब में लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति उत्सव,शुभता को लेकर आता है। इसी दिन से सूर्य उतरायण होते हैं। हिंदू अपने शुभ कार्यों की शुरूआत करते हैं। ये त्यौहार समरसता का प्रतीक है। जहां सभी हिन्दू परिवार एकत्रित होकर समवेत भाव से मनाते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए,स्वदेशी जागरण मंच विभाग संयोजक परमेश्वर मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ,विगत 100 वर्षों से राष्ट्रीय और हिंदू समाज को सुरक्षित और संरक्षित करने में अहर्निष भाव से लगा हुआ है। संघ के अथक प्रयास से राममंदिर का निर्माण हुआ।आज वे सारे नेताओं का मुंह बंद हो गया है,जो राममंदिर की जगह अस्पताल और शिक्षण संस्थान खोलने की बात करते थे। श्री राम मंदिर अब धार्मिक आस्था का केंद्र होने के साथ आर्थिक पुनर्जागरण का केंद्र हो गया है। आज मकर संक्रांति शुभ अवसर हम सभी स्वयंसेवक मिलकर संघ के संकल्पों को पूरा करने हेतु सतत प्रयास में लगें। इन्हीं कार्यों में लग कर हम मां भारती को विश्वगुरु बनाने में सफल होंगे। मौके पर परमेश्वर मोदी आशीष सर्वे उमेश कुमार,संजय कुमार,भीमसेन मोदी रनेश आनंद, सोनू कुमार वर्णवाल, टिंकू साव, फागु पंडित, सुनील मोदी, उमेश कसेरा, विनोद गुप्ता, दयानंद मोदी, डॉक्टर उमेश कुमार, अशोक कुटरियार, संतोष मोदी, नरेंद्र कुमार, शंकर सलूजा सहित अन्य स्वयंसेवक शामिल थे।

सिदो कान्हू स्टेडियम में सड़क सुरक्षा पतंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से साहिबगंज जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 का 14वां दिन का आयोजन पतंगबाजी प्रतियोगिता से किया गया है। साहिबगंज जिले के सिद्धो कान्हो स्टेडियम में सड़क सुरक्षा जन जागरूकता अभियान के तहत सड़क सुरक्षा को लेकर मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू मिश्रा एवं अन्य पदाधिकारी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय साहिबगंज के छात्र-छात्राओं के साथ साहिबगंज खेल संस्थान के अनेकों एथलीट्स ने भाग लिया। उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा के द्वारा मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में प्रतिभागियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए सभी आम जनमानस से अपील करते हुए कहा गया कि सड़क सुरक्षा को लेकर हम सब अपना योगदान दे। यातायात करते समय सतर्कता, जागरूकता एवं संवेदनशीलता से सड़क पर से दुर्घटनाओं में कमी लाया जा सकता है। इसीलिए सुरक्षा के नियमों का पालन करना हमारा कर्तव्य है एवं नेक नागरिक बनकर दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति को मदद कर सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर में कमी लाया जा सकता है।

ईचागढ़ में सीतापॉज पर्यटन स्थल पर मानभूम महोत्सव का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : झारखंड सरकार के पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सांस्कृतिक सहायता अनुदान योजना के तहत नटराज कला केंद्र, चोगा द्वारा ईचागढ़ प्रखंड के सीतापॉज पर्यटन स्थल पर मानभूम महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। महोत्सव का उद्घाटन ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक सविता महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा और संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए इस तरह के आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो ने भी कार्यक्रम के लिए झारखंड सरकार और नटराज कला केंद्र को धन्यवाद दिया। महोत्सव में झारखंड की समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। उस्ताद राजेंद्र गोप और उनकी टीम ने पारंपरिक झूमर संगीत से कार्यक्रम की शुरूआत की। लालमोहन गोप और उनकी टीम ने झूमर संगीत की शानदार प्रस्तुति दी। उस्ताद गुलाब सिंह मुंडा ने वीर रस पर आधारित पाइका नृत्य से दर्शकों का मन मोह लिया। बिकास महतो ने पांता झूमर की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उस्ताद गंगाधर महतो ने पांच परगनिया लोक नृत्य का प्रदर्शन किया। हरोप्रिया महतो और उनकी टीम ने शानदार नृत्य पेश किया। उस्ताद चंडी चरण महतो ने मानभूम छाऊ नृत्य की प्रस्तुति देकर महोत्सव का समापन किया। इस महोत्सव का उद्देश्य झारखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति को बढ़ावा देना और आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखना है। आयोजन में उपस्थित सैकड़ों दर्शकों ने नृत्य और संगीत का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सांस्कृतिक कार्य निदेशालय और झारखंड सरकार का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं ने स्वर्णरिखा नदी में लगाई डुबकी

सिल्ली/मुरी : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मुरी स्वर्णरेखा नदी के पावन तट पर मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर तकरीबन हजारों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ इकट्ठी होने लगी। डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा पाठ और दान पुण्य का कार्यक्रम कर नदी तट पर बैठकर तिल के लड्डू का प्रसाद के रूप में सेवन किया। श्रद्धालु सिल्ली मुरी समेत पश्चिम बंगाल के कोटशिला, झालिदा, तुलिन इत्यादि जगहों से आए थे। बताते चले कि यह त्यौहार नई फसल के मौसम की शुरूआत तथा समृद्धि का प्रतीक माना जाता रहा है। लोग देश भर में रंग-बिरंगे पतंगे उड़ाते हैं। यह भी माना जाता है की मकर संक्रांति से शीत ऋतु का अंत और बसंत ऋतु की शुरूआत होती है। इस समय सूर्य की किरणें स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक लाभदायक होता है। इसी क्रम में स्वर्णरेखा नदी के पूर्वी तट तुलिन में मेला का भी आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने मेला का आनंद भी उठाया। मेले में काफी चहल-पहल थी। वहीं मेले में बंगाल पुलिस विधि व्यवस्था को लेकर मुस्तैद दिखी।

दिनदहाड़े मोटरसाइकिल की चोरी

चैनपुर : चैनपुर में दिनदहाड़े मोटरसाइकिल चोरी की घटना ने लोगों में दहशत फैला दी है। यह घटना चैनपुर मुख्यालय के बस स्टैंड के पास की है, जहां से चोरों ने लाइफ लाइन कोचिंग सेंटर के संचालक उपेंद्र कुमार की मोटरसाइकिल पैसन प्रो खल्र 03 फ7665 की चोरी कर ली। उपेंद्र कुमार ने बताया कि वह अपने कोचिंग सेंटर के बाहर मोटरसाइकिल खड़ी कर अंदर बच्चों को पढ़ा रहे थे। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल को 4:30 बजे तक कोचिंग सेंटर के बाहर खड़ा देखा था लेकिन 5:00 बजे कोचिंग छुट्टी होने के बाद जब वह बाहर निकले, तो मोटरसाइकिल वहां पर खड़ा नहीं था। इसके बाद उपेंद्र कुमार ने अगल-बगल काफी पूछताछ की लेकिन मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चला। मुख्यालय में काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसाइकिल का पता नहीं चला तो उन्होंने मौखिक रूप से चैनपुर थाना को इसकी जानकारी दी है और अपने स्तर से मोटरसाइकिल का पता लगा रहे हैं। इस घटना के बाद से लोगों में काफी भय बन गया है। लोगों का कहना है कि पुलिस प्रशासन के नाक के नीचे से चोर मोटरसाइकिल उड़ा ले जा रहे हैं। चोरों का आतंक कितना बढ़ गया है कि दिनदहाड़े चैनपुर बस स्टैंड भीड़ भाड़ वाली जगह से चोरों ने मोटरसाइकिल चोरी कर ली।

झारखंड की सभ्यता और संस्कृति टुसू मेला में झलकती है : शिक्षा मंत्री

पटमदा : एन एच 33 किनारे देवघर पंचायत के भिलाई पहाड़ी हाट मैदान में 18 वा वर्ष झारखंडी कला संस्कृति टुसू मेला का आयोजन भिलाई पहाड़ी हाट मैदान टुसू मेला कमिटी पूर्वी सिंहभूम के द्वारा किया गया। मेला में मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने शिरकत की। मेला को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि टुसू पर्व झारखंड का महत्वपूर्ण त्यौहार है। मेला के माध्यम से लोग एक दूसरे से मिलते हैं। ये झारखंड के लोगों के लिए काफी उत्साह का त्योहार है। इसमें एकजुटता छलकती है। पूर्व विधायक कुणाल षड़ंगी ने कहा कि झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य के संपन्न होने के साथ सभी तरह के शुभ कार्य का शुभारंभ भी किया जाता हैं।हमारी अपनी सभ्यता और संस्कृति टुसू में झलकती हैं।जानकारी देते हुए मेला के मुख्य संरक्षक झामुमो के जिला उपाध्यक्ष सह पूर्व पार्षद पिंटू दत्ता ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर टुसू मेला का आयोजित किया गया है। मेला में काफी संख्या में भीड़ उमड़ी।मेला प्रेमियों के मनोरंजन के लिए कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। वही मेला में आने वाले टुसू को मेला कमिटी द्वारा नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।मेला के मुख्य आयोजक पूर्व जिला परिषद पिंटू दत्ता,जिला पार्षद प्रभावती दत्ता,अर्जुन सोरेन,,सुबोध गौड,ग्राम प्रधान घासीराम सिंह, सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

स्टीमर खराब रहने से यात्री परेशान, नाव से गए मनिहारी

साहिबगंज : साहिबगंज से मनिहारी फेरी सेवा का यात्री स्टीमर खराब होने के कारण मंगलवार को सुबह 10:00 बजे से साहिबगंज से मनिहारी नहीं जा सका। जानकारी के अनुसार तकनीकी खराबी के कारण फेरी सेवा साहिबगंज से मनिहारी नहीं जा सकी और सोमवार को ही खराब हो गया था। एक स्टीमर ही साहिबगंज से मनिहारी व मनिहारी से साहिबगंज कर रहा है। मनिहारी से आने के बाद दोपहर 1 बजे पहली फेरी सेवा के तहत यात्री स्टीमर से गए। फेरी सेवा नहीं चलने के कारण ओझाटोली घाट से दर्जनों यात्री टोटो और टेंपो के माध्यम से लालबथानी गर्मघाट आकर यहां से नाव पकड़कर मनिहारी गए। ओझाटोली घाट से पैसेंजर 60 रुपए भाड़ा देकर लालबथानी पहुंचे। फिर मनिहारी के लिए 60 रुपए भाड़ा देकर लोगों को मनिहारी जाना पड़ा। इससे साहिबगंज से मनिहारी और मनिहारी से साहिबगंज आने के क्रम में यात्रियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा। इधर, एसी गौतम भगत ने कहा कि स्टीमर संचालक से बात हुई है। जल्द ही ठीक कराया लिया जायेगा।

डेगा-डेगी बूढ़ा महादेव में हुआ टुसू का आयोजन

अनगड़ा : नवागढ पंचायत के सोसो गॉव के स्वर्ण रेखा नदी स्थित डेगा डेगी बुढ़ा महादेव स्थल पर आज मकर संक्रांति के सुवर पर भव्य टुसू मेला का आयोजन किया गया। विदित हो की इस क्षेत्र में बुढ़ा महादेव बाबा का काफी मन्यता है। जो भी भक्त सचे मन से बाबा से मनत मांगते हैं उनकी मनोकामना पूरी हो जाती है। मकर संक्रांति के दिन श्रद्धालु भक्तो ने बाबा के दरबार में पूजा अर्चना कर अपने इच्छीत मनोकामनाओं की पूरती के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर नागपूरी कलाकार पंकज महली, प्रीती बरला, जगदीश बड़ाईक, अरविंद जीगर आदी ने अपने संगीत से लोगों को थिरकने को मजबूर कर दिया। मौके पर अथिति के रूप में पूंदाग निवासी मां वैष्णो देवी नगर मुख्य सचिव राकेश कुमार सिँह प्रखण्ड प्रमुख दीपा उरॉव, नवागढ मुखिया भुवनेश्वर बेदिया, पंसस नवागढ फाल्गुनी शाही, आजसू प्रखंड सचिव धर्मेंद्र सिँह जगदीश भगता, संतोष बेदिया नरेन्द्र नाथ बेदिया, सोमरा बेदिया,आदि सामिल थे। मेला आयोजन में मेला समिति अध्यक्ष अजय सिंह, नित्यानन्द शाही, प्रकाश महतो, अनन्त महतो, सहदेव मुण्डा, उधव महतो, किसून बड़ाईक, अक्षय बड़ाईक, आदि का अहम योगदान रहा।

महात्मा बुद्ध के विचारों को आचार में लाना भी जरूरी

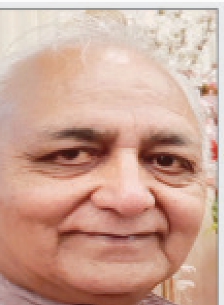

तनवीर जाफ़री

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हम उस देश के वासी हैं जिसने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिये हैं। वे अनेक बार बुद्ध की सत्य और अहिंसा की नीतियों का उल्लेख महत्वपूर्ण मंचों से करते रहे हैं। लगभग 3 माह पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस को संबोधित करते हुए भी यही कहा था कि दुनिया युद्ध में नहीं बल्कि बुद्ध में समाधान ढूंढ सकती है।

हमारा देश भारत को देवी-देवताओं,संतों- ऋषियों व फकीरों की धरती कहा जाता है। हमारे देश में अलग अलग युग व काल में अनेकानेक देवी देवताओं , महापुरुषों , समाज सुधारक, युग प्रवर्तक व धर्म प्रवर्तकों ने जन्म लिया है। इन महापुरुषों द्वारा सत्य और धर्म के मार्ग पर चलते हुये विश्व को मानवता का सन्देश दिया गया है। ऐसे ही एक महान तपस्वी त्यागी तथा सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाते हुये पूरी मानवता को जीने की एक नई दिशा दिखाने वाले बौद्ध धर्म के प्रवर्तक भगवान गौतम बुद्ध का नाम भी सर्व प्रमुख है। बौद्ध धर्म कंबोडिया, म्यांमार, भूटान और श्रीलंका में राजकीय धर्म के रूप में अपना स्थान रखता है जबकि थाईलैंड और लाओस में बौद्ध धर्म को विशेष दर्जा हासिल है। चीन, हांगकांग, मकाऊ,जापान,सिंगापुर, ताइवान, वियतनाम,रूस व कलमीकिया में बौद्ध धर्म बहुसंख्य समाज द्वारा अपनाया जाता है जबकि उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, नेपाल और भारत में भी बौद्ध समुदाय की बड़ी आबादी रहती है। ईसा पूर्व 563 में नेपाल के लुम्बिनी में जन्मे महात्मा बुद्ध का पूरे विश्व में अपना प्रभाव छोड़ना और उनके अनुयाइयों का विश्वव्यापी विस्तार इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी है कि वे जनमानस पर अपनी असाधारण छाप छोड़ने वाले एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने पूरी इंसानियत को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया।

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने महत्वपूर्ण भाषणों में यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ में अपने सम्बोधन में भी महात्मा बुध की शिक्षाओं का जिक्र करते रहे हैं। नवंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हम उस देश के वासी हैं जिसने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिये हैं। वे अनेक बार बुद्ध की सत्य और अहिंसा की नीतियों का उल्लेख महत्वपूर्ण मंचों से करते रहे हैं। लगभग 3 माह पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस को संबोधित करते हुए भी यही कहा था कि दुनिया युद्ध में नहीं बल्कि बुद्ध में समाधान ढूंढ सकती है। दुनिया को शांति के रास्ते पर चलने के लिए बुद्ध की शिक्षाओं से सीखना चाहिए। ऐसे समय में जब दुनिया अस्थिरता से ग्रस्त है, बुद्ध न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि एक जरूरत भी हैं। इसी तरह पिछले दिनों एक बार फिर प्रधानमंत्री ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित 18वें प्रवासी भारतीय दिवस-2025 का उद्घाटन करते हुए बुद्ध की शिक्षाओं को याद किया और कहा कि यह देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह बता पाने में सक्षम है कि भविष्य 'युद्ध' में नहीं, बल्कि 'बुद्ध' में निहित है।

सवाल यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दुनिया को युद्ध के बजाये 'बुद्ध' के शांति अहिंसा के विचारों पर चलने व उसे आत्मसात करने का बार बार जो उपदेश दिया जाता है स्वयं उनकी पार्टी के नेता उनके विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग क्या 'बुद्ध' की बताई गयी सत्य और अहिंसा की नीतियों का अनुसरण करते भी हैं या नहीं ? क्या हमारे देश में समय समय पर धर्म,समुदाय व जातियों के नाम पर होने वाली हिंसा और इसे भड़काने वाले नेताओं को बुद्ध की सत्य और अहिंसा की शिक्षा से प्रेरित कहा जा सकता है ? यह बुद्ध का ही तो कथन है कि भले ही चाहे कितनी अच्छी बातों को पढ़ लें या उन्हें सुन लें उसका तब तक फायदा नहीं है जबतक हम खुद उस पर अमल नहीं करते । और यह भी बुद्ध ने ही कहा है कि बुराई करने वालों को हमेशा अपने पास रखो क्योंकि वही तुम्हारी गलतियां तुम्हें बता सकते हैं । बुद्ध की इन शिक्षाओं के सन्दर्भ में बुराई करने वालों को तो छोड़िये सरकार की नीतियों की आलोचना करने वाले विपक्ष व मीडिया से सत्ता कैसे पेश आ रही है क्या यही बुद्ध की नीतियों का अनुसरण है ? मनमोहन सिंह जैसे काबिल व्यक्ति की खामोशी पर उन्हें मौन मोहन जैसे नाम दे दिये गये और अपनी लफ़्फ़ाजियों को ज्ञान वर्षा का मरतबा दिया जाता है। जबकि बुद्ध का कथन है कि -जो लोग ज्यादा बोलते हैं वे सीखने की कोशिश नहीं करते जबकि समझदार व्यक्ति हमेशा निडर और धैर्यशाली होता है जो समय आने पर ही बोलता है। यह भी बुद्ध का कथन है कि 'दूसरों की आलोचना करने से पहले, खुद की आलोचना करो'। परन्तु यहाँ तो गाँधी - नेहरू परिवार व खास समुदाय को कोसने से ही फुर्सत नहीं मिलती। साथ ही स्व महिमामंडन इतना कि स्वयं को अवतारी पुरुष बताने से भी नहीं चूकते ? ऐसे राजनेताओं को बुद्ध का यह कथन जरूर याद रखना चाहये कि -जो इर्ष्या और जलन की आग में तपते रहते है उन्हें कभी भी शांति और सच्चा सुख प्राप्त नहीं हो सकता है। और यह भी कि-आप तभी खुश रह सकते है जब बीत गयी बातों को भुला देते है। परन्तु यहाँ तो गड़े मुर्दे उखाड़ कर ही अपनी राजनीति के परचम लहराये जा रहे हैं ?

इसी तरह म्यांमार के कट्टरपंथी बौद्ध भिक्षु अशीन विराथु को उनके कट्टरपंथी भाषणों व उनके हिंसक तेवरों की वजह से जाना जाता है। स्वयं को महात्मा बुद्ध का अनुयायी ही नहीं बल्कि बौद्ध भिक्षु बताने वाला यह शख़्स केवल आग ही उगलता रहता है। भारत की बहुसंख्यवादी राजनीति की तर्ज पर यह भी अपने भाषणों के द्वारा बौद्ध समुदाय की भावना को यह कहकर भड़काने का काम करता है कि मुस्लिम अल्पसंख्यक एक दिन देश भर में फैल जाएंगे। इसी कथित बौद्ध भिक्षु को लेकर टाइम मैगजीन ने अपने 1 जुलाई, 2013 के अंक में मुख्य पृष्ठ पर उसकी फोटो दि फेस ऑफ बुद्धिस्ट टेरर या बौद्ध आतंक का चेहरा जैसे शीर्षक के साथ प्रकाशित की थी? स्वयं को बौद्ध भिक्षु बताने वाले इसी आतंकी अशीन विराथु ने म्यांमार में संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि यांगी ली को कुतिया और वेश्या कहकर सम्बोधित किया था। इस व्यक्ति पर अपने भाषणों के माध्यम से म्यांमार में लोगों को सताने की साजिश रचने व उनकी सामूहिक हत्या कराने का आरोप लगाया गया है। इस के उपदेशों में वैमनस्यता की बात होती है और इसका निशाना मुस्लिम खासकर रोहंग्या समुदाय ही होता है। हालांकि बर्मा के अनेक बौद्ध भिक्षु ऐसे भी हैं जो उसके वैमनस्य पूर्ण बयानों से नाखुश हैं। ऐसे भिक्षु साफतौर से यह कहते हैं कि उन्हें यह सब बहुत खराब लगता है। इस तरह के शब्दों का प्रयोग किसी बौद्ध भिक्षु को नहीं करना चाहिए। इसी तरह पिछले दिनों श्रीलंका में कट्टरपंथी बौद्ध भिक्षु गालागोडाटे ज्ञान सारा को इस्लाम धर्म का अपमान करने और धार्मिक नफरत फैलाने के आरोप में नौ महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। 2018 में भी ज्ञान सारा को एक आपराधिक मामले में छह साल की सजा सुनाई गई थी। दरअसल महात्मा बुद्ध के विचारों की बात करना ही पर्याप्त नहीं बल्कि इन्हें अपने आचार व व्यवहार में लाना भी उतना ही जरूरी है।

संपादकीय

संबंधों में कसैलापन

बांग्लादेश में शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट जारी है। ताजा मसला सीमा पर तारबंदी को लेकर उपजा है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को जिस वजह से तलब किया, वह इस छोटे से मुल्क की भारत के प्रति कटुता को जाहिर करने के लिए काफी है। आरोप लगाया गया कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए सीमा पर पांच स्थानों पर तारबंदी की कोशिश कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश हमेशा से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कार्रवाई का विरोधी रहा है। हमेशा से सीमा पर बीएसएफ की बीजीबी (बार्डर गार्ड. बांग्लादेश) से भिड़ंत होती रही है। कई बार बांग्लादेशी नागरिक अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत घुसने की कोशिश करते हैं। स्वाभाविक है, बीएसएफ उन लोगों को रोकने की कोशिश करती है और न मानने पर उन्हें मार गिराती है। बांग्लादेश के हुक्मरान को इसी बात से चिढ़रूहै। वैसे भी मोहम्मद युनूस के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद से जिस तरह पड़ोसी देश भारत के प्रति आक्रामक रुख अख्तियार किए हुए है, वह वाकई बहुत कुछ सोचने पर विवश करती है। शेख हसीना सरकार के हटने के बाद से जिस तरह वहां हिन्दू समुदाय के साथ लोमहर्षक घटना को अंजाम दिया गया, वह तथ्य की पुष्टि करने के लिए काफी है कि अब बांग्लादेश किसी और देश द्वारा निर्देशित हो रहा है। वहां वर्षों से रहने वाले अल्पसंख्यक हिन्दुओं के साथ अब तक का सबसे बुरा व्यवहार हुआ है। कई लोग मारे गए, कइयों से लूटपाट की गई और सबकुछ छीन लिया गया। यह सब कुकर्म उस देश में और उस समुदाय के साथ किया गया जिसने इस देश को बनाने के लिए हर तरह की कुर्बानियां दीं। इस बात में शक नहीं कि पाकिस्तान और चीन के बाद बांग्लादेश ही ऐसा पड़ोसी है, जिसने भारत को चोट पहुंचाई। लिहाजा, भारत को अब नये सिरे से इस बारे में मंथन करने की दरकार है। भारत जानता है कि सीमा पर गड़बड़ी को नजरअंदाज करना उसके लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। इसलिए उस मोर्चे पर सख्ती जरूरी है। बांग्लादेश छोटी सी बात का बतंगड़.बनाकर माहौल को खराब करने की साजिश में जुटा है। भारत भी इस बात को समझता है। इसलिए वह भी फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़स रहा है। बहरहाल, ज्यादा नरमी से पेश आने के कारण ही बांग्लादेश का निजाम बदमिजाजी पर आतुर है। चुनांचे, भारत को अपने हित के लिए अंगुली टेढ़ी करनी चाहिए।

चिंतन-मनन

चमत्कारों ने किया है अहित

जो कुछ सुना जाता है, उस पर विश्वास न हो तो सुनने का विशेष अर्थ नहीं हो सकता. गहरे विश्वास के साथ सुनी हुई बात ही दिल को छू सकती है. विश्वास के साथ आवश्यक तत्व है आचरण. तत्व को सुन लिया, उस पर विश्वास भी कर लिया, पर आचरण नहीं किया तो कोई परिणाम नहीं आ सकेगा. भोजन सामने पड़ा है. मन में दृढ़ विश्वास है कि भोजन करने से भूख समाप्त हो जाएगी, पर जब तक भोजन नहीं किया जाता है, भूख कैसे मिटेगी. धर्म भी जब तक व्यक्ति के आचरण का विषय नहीं बनता है, उससे जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आ सकता। श्रुति, श्रद्धा और आचरण तीनों हों, फिर भी धर्म का असर न हो, यह हो ही नहीं सकता।

श्रुति और श्रद्धा के साथ सम्यक आचरण हो जाए तो धर्म के प्रभाव की निश्चित गारंटी दी जा सकती है। स्थिति आज इससे भिन्न है। लोगों का विश्वास धर्म पर नहीं, चमत्कार पर है। संतों के दर्शन करें, उनसे मंगल पाठ सुने, इससे संतति-लाभ हो जाए, व्यापार में लाभ हो जाए, वर्षों से उलझा हुआ काम सुलझ जाए तो संत अच्छे हैं, अन्यथा उनके पास जाने की इच्छा नहीं होती। ऐसे चमत्कारों में मेरा कतई विश्वास नहीं है। इन चमत्कारों ने धर्म और अध्यात्म का जितना अहित किया है, शायद ही किसी ने किया हो। चमत्कारों में ही अपनी साधना की सफलता समझने वाला साधक साधना के योग्य हो ही नहीं सकता। चमत्कार में मेरा विश्वास नहीं है, इसलिए मैं आपको कोई दिव्य विभूति देने का दावा नहीं करता। मैं अति कल्पना भी नहीं करता कि हर मनुष्य में देवत्व जग जाए।

सड़क सुरक्षा सप्ताह : देश में सड़क हादसे एक अभिशाप जिम्मेवार कौन?

नरेन्द्र भारती

बेशक प्रतिवर्ष की तरह 11 जनवरी 2025 से 17 जनवरी 2025 तक पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है ऐसे आयोजनों पर करोड़ों रुपया खर्च किया जा रहा है सेमिनार लगाए जा रहे हैं और कार्यक्रम किये जा रहे हैं ' यातायात के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है लेकिन सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं ' सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं ' मानव जीवन अनमोल है। देश के नागरिको को यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए ताकि सड़क हादसों पर रोक लग सके। सड़क सुरक्षा के ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। प्रतिवर्ष सड़क सुरक्षा हेतू करोड़ों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है। हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है। प्रतिवर्ष डेढ लाख लोग सड़क हादसों में मारे जाते है। नववर्ष 2025 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है। देश में हर रोज इतने भीषण हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नीद सो रहे हैं। कोहरे के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है प्रतिदिन लोग मारे जा रहे है। यातायात के नियमों का पालन न करने पर ही इन हादसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। क्योंकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे है। लापरवाही से सड़कें रक्तरंजित हो रही है। चिराग बूझ रहें हैं। बच्चे अनाथ हो रहे हैं। आज युवा लापरवाही के कारण जान गंवा रहे है। युवा देश के कर्णधार है जो देश का भविष्य है। प्रतिवर्ष लाखों युवा हादसों में बेमौत मारे जा रहे है। इकलौते चिराग अस्त हो रहे है। कोखें उजड़ रही है। माताओं व बहनों का सिंदूर मिट रहर हैं। बच्चे अनाथ हो रहे है। युवाओं को जागरुक करना होगा क्योंकि युवा ही विकराल हो रही सड़क हादसों की समस्या को रोक सकते है। लॉकडाउन में सड़क हादसों पर लगाम लग गई थी। सड़क सुरक्षा सप्ताह पर लाखों रुपया बहाया जाता है मगर फिर भी सुधार नहीं होता। जब तक लोग यातायात के नियमों का उल्लधन करते रहेंगे तब तक इन हादसों में लोग बेंमौत मरतें रहेंगें। देश में जब 22 मार्च 2020 को जब लॉकडाउन लगा था तब हादसे पूरी तरह रुक गए थे। लॉकडाउन के खुलते ही सड़क हादसों में अप्रत्याशित वृद्धि हो गई। कोरोना महामारी में हादसे कम हो गए थे। लॉकडाउन में जगली जानवर सड़को पर विचरण करते थे। परिवहन पूरी तरह बंद था। प्रदूषण भी शून्य हो गया था। साल 2020 के अप्रैल व मई माह में यातायात के साधन बंद हो गए थे। जून माह में ज्यों ही लॉकडाउन खुल गया था तो फिर से करोडों वाहन सड़को पर दौड़ पड़े। जनवरी 2025 से ही सड़क हादसों की रफ्तार बढ़ती जा रही है । साल 2024 में भी सड़क हादसों का सिलसिला पूरी साल अनवरत चलता रहा था और लोग लाखो लोग हादसों का शिकार होते रहे थे। देश के सैंकडों सैनिक भी सड़क हादसों में शहीद हो गए थे। हजारों लोग बेमौत मारे जा रहे है। प्रतिदिन हो रही दुर्घटनाओं में हजारों लोग अपंग हो गए जो ताउम्र हादसों का दंश झेलते रहेगें। देश में हर चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क हादसे में मारा जाता है। प्रतिदिन देश की सडकें रक्तरंजित हो रही है नौजवानों से लेकर बुजुर्ग काल का ग्रास बन रहे हैं। आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर हैं। शराब पीकर बाहन चलाना तथा चलते बाहनों में मोबाइल का प्रयोग ही हादसों का मुख्य कारण माना जा रहा है। इसके कारण ही लाखो लोग सड़क हादसों में मौत का शिकार हुए। 2025 में भी सडक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं तथा प्रतिदिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा बढता ही जा रहा है इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा। ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है। लापरवाही के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। धुंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है। सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी। जागरुकता अभियान चलाने होगें। देश की सड़को पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है। सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी। जागरुकता अभियान चलाने होगें। सरकारों को लोगों को यातयात नियमों से संबधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए। आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योंकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता। पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा। बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग बाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राज्यों की सरकारों द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं। बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं। लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में बाहन चलाते हैं। देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय-समय

पर होते रहते हैं मगर कुछ दिन चैक रखा जाता है फिर वही परिपाटी चलती रहती है। जबकि होना तो यह चाहिए कि इन लापरवाह चालको को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सके। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाकस तक नहीं होतें ताकि आपातकालिन स्थिती में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सके । प्रत्येक साल नवरात्रों में श्रध्दालू मंदिरों में ट्रको में जाते है और गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है तथा मारे जाते हैं। ओबरलोडिग से भी ज्यादातर हादसे होते हैं। सरकार को इन हादसों से सबक लेना चाहिए और व्यवस्था की खामियों को दूर करना चाहिए। सरकारों को अपना दायित्व निभाना चाहिए ताकि सड़क दादसों पर पूरी तरह रोक लग सके। सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। बेलगाम हो रहे यातायात पर लगाम लगाना सरकार व प्रशासन का कर्तव्य है लोगों को भी इसमें सहयोग करना होगा तभी इस समस्या का स्थायी हल हो सकता है यदि लोग सही तरीके से यातायात नियमों का पालन करते है तो सड़को पर हो रहे मौत के तांडव को रोका जा सकता हैकेन्द्र सरकार को इस पर गौर करना होगा तथा देश में बढ रही सड़क दुर्घटनाओ पर रोक के लिए कारगर कदम उठाने होगें नही तो देश के प्रत्येक महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछती रहेगी लोग मरते रहेगें। दुर्घटनाओं का कहर बरपता रहेगा। यदि सरकारे ऐसे ही सोती रहेगी तो देश की सड़के खून से लाल होती रहेगी। मावन जीवन को बचाना होगा क्योंकि मानव जीवन दुर्लभ है। तभी सड़क सुरक्षा सप्ताह की सार्थकता होगी।

राज्य के धार्मिक नगरों की पवित्रता बनाए रखने की सराहनीय पहल

कृष्णमोहन झा

लगभग सवा साल पहले मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद की बागडोर संभालने के तत्काल बाद से ही मोहन यादव ने एक के बाद एक कई सख्त फैसले लेकर यह स्पष्ट संकेत दे दिए थे कि उनकी कार्यशैली के बारे में किसी को भी कोई संदेह नहीं रहना चाहिए। यह सिलसिला पिछले सवा साल से अनवरत रूप से जारी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के बारे में एक बात और निश्चित रूप से कहीं जा सकती है कि उनके कठोर फैसले भी उनके सात्विक आचार विचार को प्रतिबिंबित करते हैं। मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थलों के आसपास वाले जिलों में शराब की बिक्री को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने की उन्होंने जो सराहनीय पहल की है उसका मूल्यांकन भी इसी दृष्टि से किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री की इस स्तुत्य पहल ने उन्हें भूरि भूरि प्रशंसा का हकदार बना दिया है और अब तो यह मांग भी उठने लगी है कि मुख्यमंत्री को संपूर्ण प्रदेश में शराब की बिक्री को प्रतिबंधित करने की दिशा में गंभीरता से विचार करना चाहिए। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि मुख्यमंत्री ने धार्मिक स्थलों में शराबबंदी को लेकर राज्य सरकार की आबकारी नीति में संशोधन के जो संकेत दिए हैं उसमें उन्हें समाज के हर वर्ग का भरपूर समर्थन मिलने में किंचित मात्र भी संदेह की गुंजाइश नहीं है ।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आगामी एक अप्रैल अर्थात नये वित्तीय वर्ष से इस संबंध में नयी नीति पर अमल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री का मानना है कि सरकार धार्मिक स्थलों की पवित्रता अक्षुण्ण होनी चाहिए। निकट भविष्य में राज्य के

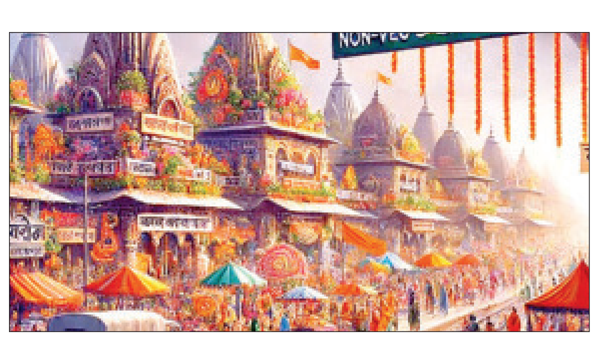

जिन धार्मिक नगरों में शराबबंदी लागू करने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है उनमें उज्जैन (महाकालेश्वर मंदिर), अमरकंटक (नर्मदा उदगम स्थल), महेश्वर(नर्मदा नदी के किनारे प्राचीन मंदिर) ओरछा (रामराजा मंदिर) ओंकारेश्वर (ज्योतिर्लिंग), मंडला (नर्मदा घाट), मुलताई (ताप्ती नदी) , दतिया(पीताम्बरा पीठ) जबलपुर (नर्मदा घाट), चित्रकूट (रामघाट), मैहर (शारदादेवी मंदिर), सलकनपुर (बीजासन मंदिर) मंडलेश्वर (नर्मदा घाट), मंदसौर (पशुपतिनाथ मंदिर), बरमान (नर्मदा घाट) और पन्ना (जुगल किशोर मंदिर) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि साधु संतों ने शराब के कारण धार्मिक स्थलों की पवित्रता प्रभावित होने से रोकने के लिए इन धार्मिक नगरों में शराबबंदी लागू करने हेतु अनुरोध किया था, सरकार उनके सुझावों पर अमल करते हुए जल्द ही धार्मिक नगरों में शराबबंदी का फैसला कर सकती है। मुख्यमंत्री के अनुसार सरकार के इस फैसले से होने वाले राजस्व के नुकसान की भरपाई के लिए इन नगरों की सीमाओं के बाहर शराब दुकानें खोलने की अनुमति देने के बारे में आबकारी अधिकारी मंथन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में मध्यप्रदेश के दो पड़ोसी राज्यों बिहार और गुजरात में शराबबंदी लागू है और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में ही जब यह बयान दिया था कि नशा नाश का कारण बनता है तभी से वहां भी शराब बंदी लागू किए जाने की अटकलें लगाई जाने लगी हैं यद्यपि इस बारे में अभी कोई ठोस फैसला नहीं किया गया है। गौरतलब है मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती भी राज्य में शराबबंदी की मांग करती रही हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने जब नर्मदा सेवा यात्रा निकाली थी तब उन्होंने भी नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों में 6 किलोमीटर की सीमा के अंदर शराब और मांस की दुकानें बिक्रीपर रोक लगाने की घोषणा की थी । यहां भी विशेष उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गत वर्ष सितंबर में अधिकारियों को पवित्र नर्मदा नदी के तट पर बसे धार्मिक नगरों में शराब और मांस की बिक्री एवं सेवन पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के नये आदेश को गत वर्ष सितंबर में दिये गये उनके आदेश के विस्तारित रूप में देखा जा रहा है। सितंबर में उन्होंने पवित्र नर्मदा नदी के तटीय इलाकों में शराब और मांस की बिक्री और सेवन रोकने के आदेश दिए थे और अब मुख्यमंत्री ने उसका दायरा बढ़ाते हुए राज्य के 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी लागू करने की मंशा व्यक्त की है ।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछले सवा साल में जिस तरह न केवल सख्त फैसले लिए हैं बल्कि उनका क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया है उसे देखते हुए यह माना जा सकता है कि अब वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश के सभी धार्मिक नगरों में शराबबंदी को सख्ती से लागू कर सरकार उन धार्मिक नगरों की पवित्रता को बनाए रखने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

महाकुंभ में यति के कैंप से अयूब पकड़ा गया

आयुष नाम बताकर अंदर पहुंचा था; महामंडलेश्वर बोले- मुसलमानों की वजह से हिंदू आबादी को खतरा

प्रयागराज। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर और डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद गिरी के महाकुंभ में कैंप के बाहर से पुलिस ने अयूब नाम के संदिग्ध युवक को पकड़ा है। दावा किया जा रहा है कि वह आयुष नाम बताकर अंदर पहुंचा था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मंगलवार तड़के यति नरसिंहानंद गिरी के कमरे के बाहर अखाड़े के संतों ने शक के आधार पर युवक को पकड़ा। पहले वह यति से मिलने के लिए आने की बात कही। अपना नाम आयुष बताया। शक होने पर पुलिस सूचना दी गई। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसका असली नाम अयूब निकला। उधर, महाकुंभ से यति का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा- भारत में मुसलमानों की वजह से हिंदू आबादी को खतरा हो रहा है। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए युवक ने कबूला- मेरा नाम अयूब अली है। एटा के अलीगंज का रहने वाला हूं। यहां घूमने आया था। मुझे मालूम नहीं था कि यहां अलाऊ नहीं है। मुझे किसी ने भेजा नहीं है, अकेला आया हूं। दो भाई और तीन बहन हैं। पिता का नाम शाकिर अली है। सोमवार को कानपुर से ट्रेन पर बैठा। फिर गोरखपुर पहुंचा। गोरखपुर से ट्रेन से सोमवार सुबह प्रयागराज पहुंचा।यति नरसिंहानंद ने मीडिया से बातचीत में कहा- मेरी हत्या की साजिश रची जा रही है। गाजियाबाद स्थित डासना मंदिर के बाहर मुस्लिम समुदाय की 10 हजार की भीड़ ने कुछ महीने पहले मेरे मंदिर पर हमला किया। मेरी लगातार रेकी की जा रही है। बेंगलुरु में रहने वाला जुबेर पहले भी धमकी दे चुका है, जिसने मंदिर पर हमला कराया था। हमारी तरफ से इस पर मुकदमा चल रहा है। अब मैं महाकुंभ में हूं। सोमवार रात मैं दुधेश्वरनाथ मठ के शिविर में था। जहां एक युवक मेरी रेकी कर रहा था। मुझे पुलिस के 2 गनर मिले हैं। मेरे कमरे के बाहर एक युवक पर संतों और सुरक्षाकर्मियों को शक हुआ। उन्होंने इस युवक से पूछताछ की तो उसने पहले अपना नाम आयुष बताया। जांच-पड़ताल में पता चला कि वह मुस्लिम है। ऐसे ही लगातार मेरी हत्या के लिए रेकी की जा रही है। हमने रात में ही उक्त महाकुंभ वैभव कृष्ण को पूरी बात बताई। इसके बाद पुलिस पकड़े गए युवक से पूछताछ कर रही है। महाकुंभ में मुझे सबसे ज्यादा खतरा है, मेरी कभी भी हत्या हो सकती है। महाकुंभ में यति नरसिंहानंद का बड़ा बयान सामने आया है।

उन्होंने आबादी बढ़ाने के लिए हिंदुओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने की नसीहत दी है। कम से कम 4 से 5 बच्चे पैदा करने की अपील की है। कहा कि मुसलमानों की आबादी तेजी से बढ़ रही है और हिंदुओं की आबादी घट रही है। ऐसे में हिंदुओं को भी परिवार नियोजन छोड़कर ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। यति ने कहा- भारत में मुसलमानों की वजह से हिंदू आबादी को खतरा हो रहा है। यति नरसिंहानंद ने महाकुंभ में संत संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का ऐलान किया है। 25 जनवरी को कार्यक्रम की डेट तय की। इसमें तमाम अखाड़े के महामंडलेश्वर और दूसरे संत महात्माओं को बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा- इस कार्यक्रम में सनातन वैदिक राष्ट्र बनाए जाने के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। इसी कार्यक्रम में जनसंख्या बढ़ाए जाने के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। यति नरसिंहानंद ने कहा- संत संवाद कार्यक्रम जगदंबा महाकाली डासना वाली का परिवार और यति नरसिंहानंद सरस्वती फाउंडेशन संयुक्त रूप से करेगा। यह धर्म संवाद प्रयागराज महाकुंभ से शुरू होकर विश्व के हर देश तक पहुंचेगा और विश्व के सभी गैर मुस्लिमों को इस्लामिक जिहाद से वैचारिक रूप से जूझने के लिए तैयार करेगा। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े का यह प्रयास अभी सनातन धर्म के धर्म गुरुओं के लिए है। जल्दी ही विश्व के सभी गैर मुस्लिम धर्मगुरुओं को इससे जोड़ा जाएगा। यति नरसिंहानंद ने महाकुंभ में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मूर्ति लगाए जाने पर कहा- मुलायम सिंह यादव ने कार सेवकों पर गोली चलवाई थी, लेकिन इसके बावजूद वह हिंदू हैं। ऐसे में अगर उनकी मूर्ति लगाई जाती है तो कम से कम मैं उसका विरोध नहीं करूंगा। बता दें कि महाकुंभ के सेक्टर-16 स्थित एक कैंप में मुलायम सिंह की मूर्ति लगाई गई है।

महाकुंभ की सबसे सुंदर साध्वी हर्षा रिछारिया

प्रयागराज । 13 जनवरी से महाकुंभ की शुरूआत हो चुकी है। 14 जनवरी को मकर संक्राति के दिन भक्तों की भीड़ जुटी. 2 करोड़ से ज्यादा भक्तों ने डूबकी लगाई। वहीं कुंभ में नाना प्रकार के बाबा आते हैं। भांति-भांति के संत आते हैं। वहीं रील्स की दुनिया में कुंभ से एक और वीडियो साध्वी हर्षा रिछारिया का वायरल हो रहा है। जिसमें गले में रुद्राक्ष और फूलों की माला और ललाट पर तिलक लगाए दिख रही हैं। उन्होंने बताया, मैं उत्तराखंड से हूँ और आचार्य महामंडलेश्वर की शिष्या हूं। अपनी सुंदरता के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैंने जो कुछ भी करने की जरूरत थी, उसे पीछे छोड़ दिया और इस मार्ग को अपनाया। हर्षा ने आगे बताया- भक्ति और ग्लैमर में कोई विरोधाभास नहीं है। उन्होंने अपनी पुरानी तस्वीरों के बारे में भी स्पष्ट किया कि अगर वह चाहती तो उन्हें डिलीट कर सकती थीं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उनका कहना है कि ?यह मेरी यात्रा है और मैं युवाओं को बताना चाहती हूं कि किसी भी मार्ग से आप भगवान की ओर बढ़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि वे परम पूज्य गुरुदेव से डेढ़ साल पहले मिली थीं, जिन्होंने उन्हें बताया कि भक्ति के साथ-साथ अपने काम को भी संभाला जा सकता है, लेकिन साध्वी बनने के बाद उन्होंने खुद से फैसला लिया कि वे अपने पेशेवर जीवन को छोड़कर पूरी तरह से भक्ति में लीन रहेंगी। उनका मानना है कि इस फैसले से वह पूरी तरह खुश हैं और उनका मार्गदर्शन उन्हें संतुष्टि देता है। महाकुंभ में प्रवेश के दौरान जब साध्वी से उनकी सुंदरता और साध्वी बनने के निर्णय पर सवाल किया। इस पर हर्षा ने जवाब दिया कि मैंने सुकून की तलाश में यह जीवन चुना है। मैंने वह सब छोड़ दिया जो मुझे आकर्षित करता था। मैं सबकुछ छोड़कर ही संन्यास की राह में आई हूं। उन्होंने बताया कि वह उत्तराखंड से हैं और दो साल पहले संन्यास लिया था। मैंने जो कुछ भी करने की जरूरत थी, उसे पीछे छोड़ दिया और इस मार्ग को अपनाया। मैंने आंतरिक शांति के लिए साध्वी का जीवन चुना? उन्होंने आगे बताया कि वह 30 साल की हैं।

विधायक पीएन पाठक ने वितरित किये कम्बल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नरसर व धुरिया में विधायक पीएन पाठक ने जरूरतमंदों को निशुल्क कम्बल वितरित किया। मंगलवार को नरसर और जनता इंटर कालेज धुरिया में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार की योजनाओं का लाभ सभी वर्गों को बिना भेद दिलाया जा रहा है। गरीब एवं बचित वर्ग के जीवन में बदलाव लाने के लिए हमारी सरकार ने संकल्प लिया है। नरसर में विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख आशुतोष सिंह बहुगुणा ने कहा कि भाजपा सरकार में सभी प्रकार की योजना का लाभ मिल रहा है।धुरिया में मुसहर समुदाय के लोगों को हुए कम्बल वितरण में उपजिलाधिकारी न्यायिक अनिल यादव, नायब तहसीलदार शैलेश कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक अजय लाल श्रीवास्तव, लेखपाल शैलेन्द्र कुमार दुबे, लेखपाल अंग ध्वज पासवान, अमीन गंधर्व मणि त्रिपाठी, ग्रामप्रधान विजय बहादुर राय ने सहयोग किया। दोनों कार्यक्रम में ग्राम प्रधान बाबू राम गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष किन्नरेश चौबे, मण्डल अध्यक्ष आद्या पांडेय, मण्डल अध्यक्ष देहात मण्डल अमरजीत कुशवाहा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, रामायण कुशवाहा, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, कुंदन दुबे, प्रदीप कुशवाहा, संजीव दुबे आदि मौजूद रहे।

रोडवेज बस का संचालन बंद होने से यात्रियों में रोष

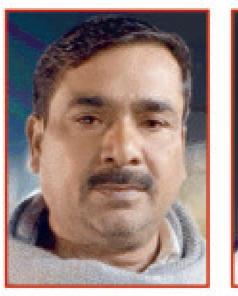

संवाददाता

कुशीनगर। बनकटा बाजार क्षेत्र और समीपवर्ती बिहार के यात्रियों के लिए 8 सितम्बर को शुरू हुई थी बस सेवा क्षेत्र के बनकटा बाजार से लखनऊ के लिए शुरू की गई बस सेवा बीते दो माह से बन्द हो गयी है। बस सेवा बन्द होने से यात्रियों को गोरखपुर, लखनऊ जाने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। जनपद के सुदूरवर्ती व बिहार प्रान्त की सीमा पर स्थित बनकटा बाजार से लखनऊ के लिए 8 सितम्बर 2024 को बस सेवा का उद्घाटन ग्राम प्रधान मैनेजर गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर किया था। प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे यात्रियों को लेकर गोरखपुर, बस्ती, अयोध्या के रास्ते बस लखनऊ आलमबाग तक जाने लगी। इस बस सेवा के शुरू होने से आस पास के क्षेत्रों और बिहार प्रान्त के लोगों को लखनऊ तक की यात्रा करने में आसानी हो गई। जिससे समय की बचत हो रही थी। नहीं तो लोगों को अपनी यात्रा के लिए फाजिलनगर तमकुहीराज, कसया या गोरखपुर जाना पड़ता था। इधर दो माह से बनकटा बाजार से यह बस चलनी बन्द हो गई है। कुछ लोगों ने बताया कि अब यह बस पड़रौना बस टेशन से लखनऊ के लिए चलाई जा रही है। बनकटा बाजार से बस चलवाने के लिए मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री से लगातार मांग की जा रही थी। तब जाकर यहां से बस चलनी शुरू हुई। अब बस नहीं चलने से लोगों को काफी परेशान होना पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोगों मैनेजर,गुप्ता,योगेन्द्र प्रसाद,संजय यादव,नबी रसूल, अभिषेक जयसवाल, अलाउद्दीन, महेंद्र, श्रवण,बिजेंद्र यादव,रजनीश शुक्ला आदि ने बनकटा बाजार से लखनऊ के लिए पुनः बस सेवा शुरू करने की मांग की है। एआरएम जय प्रकाश प्रधान का कहना है कि अभी हमें एक हफ्ता आए हुए हुआ,मेरे संज्ञान में नहीं है कि क्यों बनकटा बाजार से न चलकर पडरौना से चल रही है।

दलित युवक की हत्या में जातीय रंजिश का मामला

बरेली । थाना क्योलडिया क्षेत्र के ग्राम पानबड़िया प्रतीतपुर में दलित युवक लक्ष्मीकांत दिनकर की जातीय रंजिश के चलते हुई निर्मम हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पहले इसे पारिवारिक विवाद बताया गया था, लेकिन अब नया मोड़ सामने आया है। भीम आर्मी के मंडल अध्यक्ष विकास बाबू एडवोकेट और जिला अध्यक्ष सुशील कुमार गौतम ने अपनी टीम के साथ पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने मृतक की पत्नी को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद भीम आर्मी के नेताओं ने थाना प्रभारी क्योलडिया और सीओ नवाबगंज से मिलकर मामले में एससी/एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ने, दोषियों को कड़ी सजा और पीड़ित परिवार को आर्थिक मुआवजे की मांग की। प्रशासन ने भीम आर्मी को आश्वस्त किया है कि मुकदमे में एससी/एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ी जाएंगी और परिवार को जल्द ही आर्थिक सहायता दी जाएगी। इस दौरान भीम आर्मी के मंडल सह आईटी सेल प्रभारी आफताब अल्वी, जिला उपाध्यक्ष सैम मैसी और जिला सह मीडिया प्रभारी यश राना भी मौजूद रहे। संगठन ने स्पष्ट किया है कि वे न्याय मिलने तक हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेंगे।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मकर संक्रांति उत्सव सम्पन्न

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर पालिका कसया कुशीनगर स्थित श्री राम जानकी मंदिर मठ पर मंगलवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मकर संक्रांति उत्सव मनाया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रसाद के रूप में खिचड़ी ग्रहण किया।

मुख्यअतिथि कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने कहा कि हमारी संस्कृति है कि आपस में भाई चारा बनाकर एक दूसरे को सहयोग कर त्योहार को मनाया जाता है। महंत त्रिभुवन शरण दास ने कहा कि मकर संक्रांति सूर्य आराधना का उत्सव है।

इस दिन भगवान सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं इसीलिए इस उत्सव का नाम मकर संक्रांति है । इस दिन से सूर्य उत्तरायण होने लगता है। यह प्रकृति का उत्सव है। दिन बड़ा होने लगता है और रात्रि क्रमशः छोटी होती जाती है जिससे शरीर में नव चेतना आती है। आलस्य दूर होने लगता है। इस उत्सव का वर्णन महाभारत में भी है। भीष्म पितामह ने अपना शरीर त्याग उत्तरायण में ही किया था। रामायण में भी इसका वर्णन है ?मास मकर गत रवि जब हुई तीरथपतिहि आव सब कोई!?पूर्व प्रवक्ता बुद्ध इंटर कॉलेज इंद्रासन प्रसाद संत ने कहा कि यह उत्सव सामाजिक समरसता का प्रतीक है। दिन बड़ा होने से गर्मी बढ़ने के कारण लोगों में समानता का भाव दिखने लगता है। भूगोलविद सुरेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि इस दिन दान पुण्य करना अच्छा माना जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से संपूर्ण पाप की मुक्ति होती है।

० इस मौके पर व्यवस्थापक देवनारायण शरण, नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, मण्डल अध्यक्ष आद्या पाण्डेय, विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रताप सिंह, अमिय गुप्त, उमेश चंद्र गुप्त गिरिजेश, सुभाष अग्रवाल, सुरेश तिवारी, खुशी कुशवाहा, अंकिता सिंह आदि नगर के लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

डीएम पहल पर जिला जेल के बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के इरादे से इलैक्ट्रिशियन सहित सिलाई की दी जायेगी ट्रेनिंग

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिला जेल में, बन्दियों को रोजगारपरक ट्रेनिंग दिलाकर अपने पैरों पर खड़ा करने के मकसद से हिन्दुस्तान युनीलीवर सुमेरपुर की तरफ से प्रभात योग्यता विकास केन्द्र सुमेरपुर के प्रशिक्षको की तरफ से ट्रेनिंग दिये जाने के मद्देनजर जिला मजिस्ट्रेट हमीरपुर घनश्याम मीना ने फीता काटने के साथ ही दीप जलाकर जिला जेल में ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरूआत की। इस प्रोग्राम में खासतौर से महिला बंदियो को सिलाई ट्रेड मे ट्रेनिंग दी जायेगी। जबकि ट्रेनिंग पूरी होने के बाद पुरुष बन्दियो को अगले बैच में इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के साथ ही सिलाई ट्रेड में ट्रेनिंग दी जायेगी। जबकि ट्रेनिंग प्रोग्राम के इच्छुक बन्दियो को खुद का रोजगार सैल्फ डिफेंस बनाने की दिशा में जिला मजिस्ट्रेट हमीरपुर की देखरेख में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर जेल में बंद गरीब,बेसहारा बन्दियो को सर्दी से बचाव के लिये जिला मजिस्ट्रेट हमीरपुर ने गर्म कपडे, जैकेट, लोअर बांटे गये, इस मौके पर जेल अधीक्षक मंजीव विश्वकर्मा, जेलर के०पी० चन्दीला, डा० सचिदानंद चिकित्साधिकारी सहित स्टाफ मौजूद रहा।

रियल स्टेट कारोबारी के बेटे को मारी गोली, कानपुर में बाइक सवारों ने किया फायर

कानपुर । पनकी गंगागंज इलाके में दिल दहला देने वाली घटना हुई। सरेआम बाइक सवार बदमाशों ने रियल स्टेट कारोबारी के बेटे पर फायर किया। युवक की किस्मत अच्छी थी कि गोली सिर्फ गले को छूकर निकल गई। घटना सीसी टीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना पर पनकी पुलिस मौके पर पहुंची। कारोबारी ने आधा दर्जन लोगों पर आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक कुछ संदिग्धों को उठाकर पूछताछ की जा रही है। गंगागंज पनकी निवासी राजू सिंह रियल स्टेट कारोबारी है। उनके मुताबिक बेटा राहुल सिंह (23) शाम को लगभग चार बजे घर के बाहर खड़ा हुआ था। उसी दौरान उसके बगल से एक मोटरसाइकिल पर दो, एक स्कूटी पर तीन और एक मोटरसाइकिल पर तीन कुल आठ बदमाश निकल गए। वो यू टर्न लेकर दूसरी तरफ से आए और जिस मोटरसाइकिल पर तीन बदमाश बैठे थे उसमें से एक ने फायर झोंका। जो कि बेटे के गले को छूते हुए निकल गया। राजू सिंह के मुताबिक इससे पहले 12 जनवरी को दबंगों ने उनके बेटे को जान से मारने की नियत से रोका था। तब भी बेटा किसी तरह से भाग निकला था। राजू सिंह ने इस मामले में आधा दर्जन लोगों के नाम पुलिस को बताए हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि रियल स्टेट कारोबारी ने जिन लोगों के नाम बताए हैं उनसे वर्चस्व को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। इसके अलावा एक युवती के साथ किसी विवाद की भी बात सामने आई है। इंस्पेक्टर पनकी मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि मामले में दो तीन लोगों को उठाया गया है उनसे पूछताछ चल रही है। घटना का जल्द खुलासा कर आरोपियों को जेल भेजा जाएगा। वहीं डीसीपी वेस्ट राजेश कुमार सिंह ने कहा कि घटना कुछ संदिग्ध लग रही है। इस मामले में ठीक से जांच की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। जो निशान गर्दन में मिले हैं वो संदेह पैदा करता है।

'नागरिक संगम' से वार्डों में होगा समस्याओं का समाधान

गोंडा। जिले में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने नागरिक संगम कार्यक्रम की शुरूआत की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नगरवासियों और प्रशासन के बीच संवाद स्थापित करना और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। यह कार्यक्रम 17 जनवरी से शुरू होकर फरवरी तक चरणबद्ध तरीके से जिले के सभी 10 नगर निकायों में आयोजित होगा। प्रत्येक वार्ड में संवाद सत्र आयोजित कर नगरवासियों की समस्याएं सुनी जाएंगी, और उनका मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि नागरिक संगम का उद्देश्य वार्डवार जनसंवाद के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं को सुनना, उन्हें सूचीबद्ध करना और निर्धारित समय सीमा में उनका समाधान करना है। इस कार्यक्रम में नागरिकों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे पात्र नागरिक योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा, ्यह कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच पारदर्शिता, विश्वास और संवाद को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। जनसंवाद से प्राप्त सुझावों को प्राथमिकता देकर समाधान प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, शिक्षा, जल निगम, विद्युत, महिला कल्याण, लोक निर्माण विभाग और अन्य संबद्ध विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे तत्परता और समर्पण के साथ कार्य करते हुए ?नागरिक संगम? को सफल बनाएं। जन शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण को सुनिश्चित करने के लिए सभी नगरीय निकायों में विशेष ?क्विक रेस्पॉन्स टीम? का गठन भी किया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़त, बजट विस्तार और खाद्य मुद्रास्फीति का मुद्दा

- 2026 तक कई क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति मजबूत होने की संभावना

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था का उत्थान और खाद्य मुद्रास्फीति की चिंता के बीच सरकार ने तेजी से कदम बढ़ाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में मांग का बढ़ना व्यापक तौर पर देखा जा रहा है। एक कैपिटल ग्रुप के अनुसार त्योहारों और शादियों के मौसम ने विभिन्न क्षेत्रों में मांग को बढ़ाया है। एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री ने बताया कि 2026 तक कई क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। रिटेल सेक्टर में भी बड़े बदलाव के दौर पर है, जिसमें क्विक कॉमर्स का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। वित्त वर्ष 2025 में व्यय में बढ़ोतरी से जुड़ी संभावनाएं हैं और रक्षा, बिजली, डेटा सेंटर और रेलवे सेक्टर में निवेश के लिए बजट महत्वपूर्ण होगा। कृषि क्षेत्र में भी अच्छी फसलों की संभावना है, जो मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था में नए संकेत और उम्मीद देखने को मिल रहे हैं। आने वाली बजट में और विकेंद्रीकरण के माध्यम से सरकार ने वित्तीय स्थिति पर संक्रमण लाने की कोशिश की है, जो व्यापक विकास और भावनात्मक बाजार के लिए एक अनुकूल दौर की शुरुआत कर सकती है। दुनिया भर में

अर्थव्यवस्था की ताजगी को ध्यान में रखते हुए भारत की मुद्रास्फीति को कम करने की दिशा में सरकार के कदम निर्णायक हों सकते हैं।

एसबीआई लाइफ ने बनाया इतिहास, एलआईसी को पीछे छोड़ा

- एलआईसी का कलेक्शन 15 फीसदी कम होकर 2,628 करोड़ रुपये रह गया

नई दिल्ली ।

एलआईसी देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी है, ले किन पहली बार एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने एलआईसी को पछाड़ दिया है। दिसंबर में एसबीआई लाइफ का प्रीमियम एलआईसी से अधिक रहा, जो इस कंपनी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। नई व्यक्तिगत गैर-एकल प्रीमियम पॉलिसीज से जुटाए गए 3,416 करोड़ रुपये, जो 2023 की तुलना में 16.7 फीसदी अधिक है। दूसरी ओर एलआईसी का कलेक्शन 15 फीसदी कम होकर 2,628 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का दिसंबर में प्रीमियम पिछले साल के मुकाबले 40 फीसदी गिरकर 22,981 करोड़ रुपये है। सबसे बड़ी गिरावट ग्रुप सिंगल प्रीमियम पॉलिसीज से आई, जो पिछले साल के 17,601 करोड़ रुपये से 8,191 करोड़ रुपये रह गई। अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए एलआईसी ने दिसंबर 2024 में 13,523 करोड़ रुपये के कुल नए व्यवसाय प्रीमियम के साथ सबसे बड़ी कंपनी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। एसबीआई लाइफ की भी प्रीमियम में वृद्धि दर्ज की गई है, जो इसे इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाती है। मार्केट हिस्सेदारी में भी इसकी ज़बरदस्त बढ़त देखने को मिल रही है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में नॉर्वे सबसे आगे

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में नॉर्वे सबसे आगे निकल गया है, वहीं भारत को इस क्षेत्र में अभी काफी मेहनत करने की जरुरत है। नार्वेजियन रोड फेडरेशन (ओएफवी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में नॉर्वे में कुल 1,28,691 नई गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन हुआ, जिनमें से 1,14,400 गाड़ियां इलेक्ट्रिक थीं।

यह संख्या देश में 89प्रतिशत नई गाड़ियों की इलेक्ट्रिक बिक्री को दर्शाती है। यह उपलब्धि नॉर्वे के 2025 तक सभी नई गाड़ियों को «जीरो उत्सर्जन» बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के करीब पहुंचने का संकेत देती है। गौरतलब है कि नॉर्वे, जो कि एक प्रमुख ऊर्जा उत्पादक और तेल निर्यातक देश है, ने पिछले 12 वर्षों में ईवी क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। 2012 में नॉर्वे में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत थी। लेकिन, सरकार द्वारा टैक्स छूट, टोल माफी, मुफ्त पार्किंग, और सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट लेन के उपयोग जैसे प्रोत्साहन देने से यह आंकड़ा तेजी से बढ़ा। हालांकि, हाल के वर्षों में कुछ प्रोत्साहनों को हटाया गया है, लेकिन इलेक्ट्रिक गाड़ियां नॉर्वे की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। 2024 में

नॉर्वे के ईवी बाजार में टेस्ला ने 19प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद फोक्सवागन, टोयोटा, वॉल्वो और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियां रहीं। दिलचस्प बात यह है कि चीनी ब्रांड्स भी नॉर्वे के ईवी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, और 2025 में यह देखना रोचक होगा कि वे खरीदारों को कितना आकर्षित कर पाते हैं।

वहीं, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्थिति नॉर्वे से बिल्कुल अलग है। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के अनुसार, 2024 में भारत में बिकने वाली कुल गाड़ियों में से केवल 2प्रतिशत गाड़ियां इलेक्ट्रिक थीं। भारत में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और उच्च लागत ईवी की लोकप्रियता में बड़ी बाधा है। हालांकि, टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों का अच्छा प्रदर्शन देखा गया। 2024 में बिकने वाले थ्री-व्हीलरों में 50प्रतिशत और टू-व्हीलरों में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की थी। भारतीय बाजार में टाटा, महिंद्रा, हुंडई, और एमजी जैसी कंपनियां प्रमुख हैं।

हर महीने 3 लाख से यूनिट्स बिकती हैं हीरो स्पलैंडर प्लस की

नई दिल्ली ।

हीरो स्पलैंडर प्लस बाइक न केवल भारतीय बाजार में बल्कि बाइकिंग समुदाय में भी एक लोकप्रिय विकल्प बन चुकी है। हर महीने हीरो स्पलैंडर प्लस बाइक की 3 लाख से अधिक यूनिट्स बिकती हैं।

हालांकि, अब हीरो ने इस बाइक की कीमत में बढ़ोतरी की है, जो उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव साबित हो सकता है। पहले हीरो स्पलैंडर प्लस की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 75,441 थी, जिसे अब रुपए 1,735 बढ़ाकर रुपए 77,176 कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी विभिन्न कारणों से हुई है, जिसमें उत्पादन लागत में वृद्धि और अन्य कारकों का योगदान हो सकता है। हालांकि, यह कीमत राज्य और स्थानीय टैक्स के हिसाब से थोड़ा अलग हो सकती है। इसके बावजूद, हीरो स्पलैंडर प्लस के ग्राहक अभी भी इसे एक किफायती और मजबूत विकल्प मानते हैं।

हीरो स्पलैंडर प्लस में 100सीसी का एयर-कूल्ड, 4-स्ट्रोक, सिंगल-सिलेंडर ओएचसी इंजन है, जो 5.9 केडब्ल्यू की पावर और 8.05 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके साथ ही इसमें 4-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है, जो इसे एक स्लीक और किफायती राइड बनाता है। इसमें प्रोग्राम्ड फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम भी है, जो बाइक की माइलेज को बेहतर बनाता है।

यह बाइक एक लीटर पेट्रोल में लगभग 70 किलोमीटर तक चल सकती है, जो इसे भारत के अधिकतर राइडर्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। इसकी बढ़ी हुई कीमत के बावजूद, हीरो स्पलैंडर प्लस की लोकप्रियता में कोई कमी आने की संभावना नहीं है, क्योंकि यह भारतीय बाइक बाजार में अपनी विश्वसनीयता और किफायती राइडिंग अनुभव के लिए प्रसिद्ध है। बता दें कि भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक्स में हीरो स्पलैंडर प्लस का नाम हमेशा शीर्ष पर आता है। इसकी सफलता का मुख्य कारण इसका सिंपल डिजाइन, बेहतरीन माइलेज और भरोसेमंद इंजन है।

शेयर बाजार में गिरावट के साथ अडानी को 5.06 अरब डॉलर की संपत्ति का नुकसान

दुनिया के अमीरों की सूची में 22वें स्थान पर पहुंचे, एलन मस्क टॉप पर

नई दिल्ली।

देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के लिए सोमवार का दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहा। शेयर बाजार में भारी गिरावट का असर अडानी ग्रुप के शेयरों पर भी पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक सोमवार को गौतम अडानी की संपत्ति में 5.06 अरब डॉलर यानी करीब 4,37,71 करोड़ रुपए की भारी गिरावट दर्ज की गई। अडानी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इसके चलते वह दुनिया के अमीरों की सूची में नीचे गिरकर 22वें स्थान पर पहुंच गए। इस साल अब तक उनकी संपत्ति में 12.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से केवल चार की नेटवर्थ में तेजी आई। एलन मस्क 432 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ टॉप पर अपनी जगह बनाए हुए हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 6.17 अरब डॉलर की तेजी आई। जेफ बेजोस 238 अरब डॉलर के साथ दूसरे, मार्क जकरबर्ग 215 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन 181 अरब डॉलर चौथे और बर्नार्ड अरनॉल्ट 176 अरब डॉलर के साथ पांचवें नंबर पर बने हुए हैं। इसके बाद लैरी पेज 169 अरब डॉलर, सर्गेई ब्रिन 159 अरब डॉलर, बिल गेट्स 158 अरब डॉलर, स्टीव बालमर 145 अरब डॉलर और वॉरेन बफे 139 अरब डॉलर के नंबर पर है। इस बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में सोमवार को 1.23 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 90.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें स्थान पर हैं।

कच्चा तेल 80 डॉलर के पार, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। इसी आधार पर देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमत तय की जाती है। हालांकि लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई फेरबदल देखने को नहीं मिला है। हालांकि, राज्य स्तर पर कीमतों में मामूली बदलाव देखा गया है। वै श्विक बाजार में कच्चा तेल 80 डॉलर के पार है। ब्रेंट क्रूड 80.75 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 78.63 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को भी सभी महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर ही रखी हैं।

चालू वित्त वर्ष में देश के प्रत्यक्ष कर संग्रह में अच्छी बढ़ोतरी

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.88 फीसदी बढ़कर 16.90 लाख करोड़ तक पहुंच गया

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष में देश के प्रत्यक्ष कर संग्रह में अच्छी बढ़ोतरी देखी गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के आंकड़ों के मुताबिक 12 जनवरी 2025 तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.88 फीसदी बढ़कर लगभग 16.90 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इसमें व्यक्तिगत आयकर से जुड़ा गैर-कंपनी कर संग्रह 8.74 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। इसके साथ ही शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह लगभग 7.68 लाख करोड़ रुपए और प्रतिभूति लेनदेन कर संग्रह 44,538 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। इस अवधि के दौरान 3.74 लाख करोड़ रुपए से अधिक के रिफंड जारी किए गए। यह एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 42.49 प्रतिशत अधिक है। एक अप्रैल से 12 जनवरी के बीच सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 प्रतिशत बढ़कर 20.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष करों से 22.07 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। इसमें 10.20 लाख करोड़ रुपए का कॉरपोरेट कर संग्रह, 11.87 लाख करोड़ रुपए का व्यक्तिगत आयकर और अन्य कर शामिल हैं। नॉन-कॉरपोरेट टैक्स में तेजी देखी गई है। इसमें पर्सनल इनकम टैक्स भी शामिल है। कुल संग्रह बढ़कर 10.45 लाख करोड़ रुपए रहा जो पिछले साल समान अवधि में 8.58 लाख करोड़ रुपए था। इस सेगमेंट में नेट कलेक्शन में 15.88 फीसदी तेजी के साथ 8.74 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया जो पिछले साल 7.19 लाख करोड़ रुपए था। डायरेक्ट टैक्स में कॉरपोरेट टैक्स, पर्सनल इनकम टैक्स, सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स, इक्विलाइजेशन लेवी, फ्रिंज बेनिफिट्स टैक्स, वेल्थ टैक्स, बैंकिंग कैश ट्रांजैक्शन टैक्स, होटल रिसीट टैक्स, इंटरेस्ट टैक्स, एक्सपेंडीचर टैक्स, एस्टेट ड्यूटी और गिफ्ट टैक्स आते हैं।

क्वाड्रेंट फ्यूचर का शेयर 29 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 290 से 29 फीसदी की तेजी के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 28.96 प्रतिशत चढ़कर 374 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ और बाद में 54.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 448.75 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 27.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 370 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,795 करोड़ रुपये रहा। क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के 290 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) कि पिछले गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 185.82 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 275-290 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। आईपीओ पूर्णतः 290 करोड़ रुपये तक के नए शेयर का निर्गम था जिसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) नहीं थी। क्वाड्रेंट एक शोध कंपनी है, जो भारतीय रेलवे की 'कवच' परियोजना के तहत नई पीढ़ी के ट्रेन नियंत्रक तथा 'सिग्नलिंग सिस्टम' विकसित करती है।

चीन की हरकत से एप्पल की निर्माण योजनाओं पर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली । एप्पल ने भारत में अपने निर्माण और विस्तार की योजनाओं को आगे बढ़ाने का ऐलान किया जबकि चीन ने एप्पल की निर्यात श्रृंखला को लक्ष्य स्थल बनाते हुए उद्योग पर मुहर लगाने की या चिंता जताने की कोशिश की है। फॉक्सकॉन ने भारत सरकार से मदद मांगी है, जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि चीन इसमें भारत को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की चुनौती दे रहा है। चीन ने एप्पल के लिए जरूरी निर्माण उपकरणों की शिपमेंट में देरी शुरू कर दी है, जिससे उत्पादन को बाधित किया जा सकता है। इससे नए आइफोन मॉडल्स के ट्रायल रन के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। इस मामले पर भारत सरकार सतर्क है और एप्पल की समस्या को हल करने के लिए कार्रवाई करने के लिए कूटनीतिक स्तर पर कदम उठा सकती है।

दिसंबर 2024 में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर हुई 2.37 प्रतिशत

- थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2024 में 1.89 प्रतिशत थी

नई दिल्ली । विनिर्मित उत्पादों के महंगे होने की वजह से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में बढ़कर 2.37 प्रतिशत हो गई। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट देखी गई है। मंगलवार को सरकारी आंकड़ें जारी किए गए हैं जिनसे यह जानकारी मिली है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2024 में 1.89 प्रतिशत थी। दिसंबर 2023 में यह 0.86 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में कम होकर 8.47 प्रतिशत रह गई, जबकि नवंबर में यह 8.63 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति नवंबर में 28.57 प्रतिशत के मुकाबले दिसंबर में 28.65 प्रतिशत रही। आलू की मुद्रास्फीति 93.20 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही और प्याज की मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 16.81 प्रतिशत हो गई। खाद्य पदार्थों में अनाज, दालें, गेहूं की मुद्रास्फीति दिसंबर में कम हुई। ईंधन और बिजली के मामले में बात की जाए तो दिसंबर में मुद्रास्फीति घटकर 3.79 प्रतिशत हो गई जो नवंबर में 5.83 प्रतिशत थी। विनिर्मित वस्तुओं में मुद्रास्फीति 2.14 प्रतिशत रही, जबकि नवंबर में यह दो प्रतिशत थी। खुदरा मुद्रास्फीति के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य कीमतों में कमी के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में चार महीने के निचले स्तर 5.22 प्रतिशत पर आ गई।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इस प्रकार बाजार गत दिवस की बड़ी गिरावट से कुछ हद तक उबर गया। बाजार में आज दूसरे कारोबारी दिन बढ़त का कारण दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होना रहा पर आईटी स्टॉक्स में गिरावट से बाजारों की इस तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लग गया। इसके अलावा आर्थिक वृद्धि और तीसरी तिमाही के परिणामों को लेकर भी बाजार पर प्रभाव पड़ा। विदेशी निवेशकों ने जनवरी में अब तक भारतीय शेयरों से 2.75 अरब डॉलर निकाल लिए हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 169 अंक करीब 0.22 फीसदी बढ़कर 76,499.63 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,200 के पार तक चला गया था। अंत में यह 90.10 अंक या 0.39 फीसदी की बढ़त लेकर 23,176.05 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे अधिक 5 फीसदी से ज्यादा ऊपर आकर बंद हुआ। एनटीपीसी, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, एसबीआई, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और बजाज फाइनेंस के शेयर बढ़त पर रहे।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में नौ फीसदी से अधिक की गिरावट आई। टेक महिन्द्रा, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और नेस्ले के शेयर भी नीचे आये।

दूसरी ओर एशियाई बाजारों में आज मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और

चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए थे। डॉव जोंस 0.86 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, जहां निवेशकों ने कैटरपिलर, जेपी मॉर्गन और यूनाइटेडहेल्थ जैसे गैर-तकनीकी शेयरों पर ध्यान दिया। दूसरी ओर, नैस्डैक 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 ने 0.16 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। हालांकि, आईटी स्टॉक्स में गिरावट ने बाजारों में तेजी को सीमित कर दिया। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 76,335 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ खुलकर 112.95 अंक चढ़कर 23,198.90 पर कारोबार कर रहा था।

मेले में ब्रांडिंग का जोर- मार्केटिंग के महाकुंभ में डुबकी लगाा रही हैं कंपनियां

नई दिल्ली।

महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। 12 साल में एक बार आयोजित होने वाले इस विशाल धार्मिक समागम का फायदा भारतीय कंपनियां अपनी ब्रांडिंग और प्रचार के लिए पूरी तरह से उठाना चाहती हैं। महाकुंभ की ब्रांडिंग में प्रमुख कंपनियों ने अपने बजट का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा शाही स्नानों के इर्द-गिर्द केंद्रित किया है।

कोका-कोला इंडिया के ग्रीष्म सिंह ने कहा कि वे अपने बेवरेज पोर्टफोलियो को स्थानीय स्वादों और खाद्य पदार्थों के साथ जोड़ने की योजना बना रहे हैं। इन विज्ञापनों के माध्यम से कंपनियां न केवल स्थानीय उपभोक्ताओं को आकर्षित करना चाहती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय श्रद्धालुओं को भी अपनी ब्रांडिंग से जोड़ने का अवसर प्राप्त करना चाहती हैं। महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों में ब्रांड्स के लिए यह एक अवसर होता है, जहां वे सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ सकते हैं और उनके साथ अपने रिश्ते को मजबूत कर सकते हैं।

क्रेयॉन्स एडवरटाइजिंग के चेयरमैन कुणाल ललानी ने कहा कि ब्रांड्स का मुख्य उद्देश्य छह शाही स्नानों के दौरान अधिकतम विजिबिलिटी हासिल करना है। इस दौरान महाकुंभ में सोशल मीडिया और इनफ्लूएंसर्स का इस्तेमाल भी किया जाएगा, ताकि कंपनियां अपनी पहुँच और प्रभाव बढ़ा सकें।

इस बार के महाकुंभ में आईटीसी, कोका-कोला, अडानी ग्रुप, हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर, बिसलेरी, पार्क, इमामी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बैंक ऑफ बड़ौदा, और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख कंपनियों ने ब्रांडिंग अधिकार खरीदे हैं। इन कंपनियों ने कुंभ के दौरान अपने उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतियों को अपनाया है, जिसमें नावों, होर्डिंग्स, यूनिपोल्स और लग्जरी टेंट्स पर ब्रांडिंग के अवसर शामिल हैं। आईटीसी के माचिस और अगरबत्ती डिवीजन के डिवीजनल चीफ एग्जीक्यूटिव गौरव तयाल ने बताया कि कंपनी सोशल मीडिया और इनफ्लूएंसर्स के जरिए अपनी ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने की योजना बना रही है। ब्रांडिंग के लिए 2019 के कुंभ की तुलना में दरें 50-60त्न तक बढ़ चुकी हैं। इसके अलावा, डाबर ने अपने ब्रांड के लिए श्रद्धालुओं के स्नान क्षेत्र में चेंजिंग रूम और हेयर ड्रायर जैसी सुविधाएं प्रदान की हैं, जबकि अडानी ग्रुप ने यूनिपोल्स और गोल्फ कार्ट्स पर ब्रांडिंग की है।

डिजिटल लेन-देन में तेजी के साथ-साथ लगातार बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के मामले भी

- भारतीय स्टेट बैंक ने ग्राहकों को सतर्क रहने की अपील की

नई दिल्ली ।

भारत में डिजिटल लेन-देन के क्षेत्र में तेजी से वृद्धि के साथ-साथ साइबर फ्रॉड के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। जबकि लोग एक तरह के धोखाधड़ी से अवगत हो रहे हैं, तो दूसरी ओर फर्जी ऐप्स के माध्यम से लोगों को धोखा देकर पैसे लूट रहे हैं। यूपीआई के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी के मामलों में तेज़ी आई है। लाखों लोग इस ऐप के जरिए लेनदेन करते हैं, जिससे करोड़ों रुपए के लेन-देन का समापन होता है। भारतीय स्टेट बैंक जैसे विशाल सरकारी बैंक ने ग्राहकों को सतर्क रहने की अपील की है। ऐप स्टोर पर कई फर्जी यूपीआई ऐप्स उपलब्ध हो गए हैं, जिनके माध्यम से साइबर अपराधी लोगों को फर्जी मैसेज भेजकर पैसे लूट रहे हैं। अपराधी आपके बैंक खाते से पैसे निकाल लेते हैं, जिसके बाद वे आपको गलती से पैसे भेज दिए हैं का दावा करके पैसे वापस मांगने की कोशिश करते हैं। यदि आपके साथ भी ऐसा होता है, तो सबसे पहले आपको अपने बैंक खाते की स्थिति जांचनी चाहिए। अगर आपके खाते में अप्रत्याशित लेन-देन होता है, तो तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर कॉल करें और शिकायत दर्ज करें। साइबर अपराधियों को बढ़ती हुई चुनौती का सामना करने के लिए हमें सतर्क और सुरक्षित रहने की जरूरत है।

मकर संक्रांति पर गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़

19 साल बाद भौम-पुष्य योग का खास संयोग; खरमास खत्म

पटना। 14 जनवरी को मकर संक्रांति भौम-पुष्य योग में मनाई जा रही है। यह संयोग 19 सालों बाद बना है। दोपहर 2:55 बजे सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेगा। इसके साथ ही आज से सूर्यदेव उत्तरायण हो जाएंगे। संक्रांति पर नदियों में स्नान और दान पुण्य किया जाता है। पटना समेत बिहार के अलग-अलग गंगा घाट पर श्रद्धालु स्नान करने पहुंचे रहे हैं। पटना में जिला प्रशासन की ओर से 29 गंगा घाटों पर स्नान की व्यवस्था की गई है। गंगा घाटों की सुरक्षा बढ़ा दी गई। 14 और 15 जनवरी को गंगा घाटों पर पुलिस पदाधिकारी, मजिस्ट्रेट और 50 दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही गंगा में नावों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। मकर संक्रांति का पुण्यकाल पूरे दिन रहेगा। सनातन धर्मावलंबी गंगा में स्नान करेंगे। इसके बाद दान, भगवत पूजन, वेदमंत्रों का जाप करेंगे। सूर्य के मकर राशि में जाते ही खरमास खत्म हो जाएगा। हिंदू धर्म में सभी मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे।गंगा स्नान से सहस्त्र अश्वमेघ यज्ञ का पुण्य ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा ने बताया 'मकर संक्रांति पर गंगा स्नान करने से श्रद्धालुओं को एक हजार अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य मिलेगा। आज से सूर्य दक्षिणायण से उत्तरायण होते हैं। उत्तरायण के इस अवधि को देवताओं का दिन और दक्षिणायण को देवताओं की रात के तौर पर माना गया है। राशि के अनुसार सूर्य मकर से मिथुन राशि तक उत्तरायण और कर्क से धनु राशि तक दक्षिणायण में निवास करते हैं।'जिला प्रशासन ने गंगा घाटों को 7 सेक्टर में बांटा है। इन घाटों पर 2-2 नाव के साथ 8 SDRF की टीम गोताखोर के साथ मौजूद रहेगी। एक नाव से पेट्रोलिंग किया जाएगा। दूसरा रिजर्व रहेगा। इमरजेंसी में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। ADM डीपी शाही ने बताया कि 'सभी अंचलाधिकारियों को अपने क्षेत्र में निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। शहरी इलाके के घाटों पर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।'

संक्षिप्त डायरी

पुलिसकर्मियों से भरी बस यात्री शेड से टकराई

नालंदा। में मंगलवार की सुबह पुलिस कर्मियों से भरी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे यात्री शेड से टकरा गई। इस घटना में दर्जनभर सवार पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। मामला हिलसा थाना क्षेत्र अंतर्गत कामता हाल्ट के समीप की है। घटना में सिपाही कोमल कुमारी, दीप सिंह, अंशिका कुमारी, मणिकांत कुमार, रीता कुमारी, स्वाति कुमारी, नमिता कुमारी समेत दर्जन भर पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। घायल पुलिसकर्मियों ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रगति यात्रा के दौरान समस्तीपुर में उनकी ड्यूटी लगी थी। वहां से वे लोग ड्यूटी खत्म कर गया लौट रहे थे। इसी बीच फतुहा इस्लामपुर मुख्य मार्ग के हिलसा थाना क्षेत्र अंतर्गत कामता हाल्ट के पास बस अनियंत्रित हो गई और यात्री शेड में टकरा गई, जिसके कारण बस पर सवार दर्जन भर पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद हिलसा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से एवं बस पर सवार अन्य पुलिस कर्मियों के सहयोग से घायल सिपाहियों को इलाज के लिए हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। बताया गया कि ड्राइवर को नींद आ गई, जिसके कारण यह हादसा हो गया है। हिलसा थाना अध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को चोट आई थी। उनको इलाज के लिए हिलसा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ड्यूटी खत्म कर सभी अपने जिला वापस लौट रहे थे।

ज्वेलरी साफ करने के बहाने जेवरात की चोरी

सुपौल। के निर्मली थाना क्षेत्र में बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। नगर पंचायत निर्मली के वार्ड नंबर-3 में मंगलवार की दोपहर 12 बजे एक बदमाश ने ज्वेलरी साफ करने के बहाने घर में अकेली महिला को निशाना बनाया। आरोपी ने मना करने पर महिला के चेहरे पर नशीला स्प्रे छिड़ककर उसे बेहोश कर दिया और करीब डेढ़ लाख रुपए के सोने के जेवर चुराकर फरार हो गया पीड़िता रीना कुमारी वार्ड नंबर-3 निवासी रणधीर कुमार साह की पत्नी है। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान वह घर पर अकेली थी। आरोपी ने पहले ग्रिल पीटकर दरवाजा खुलवाने की कोशिश की थी, लेकिन मना करने पर लौट गया। कुछ समय बाद वह दोबारा आया और दरवाजा खुलवाकर स्प्रे का इस्तेमाल कर महिला को बेहोश कर दिया। होश में आने के बाद महिला ने शोर मचाया, आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। बताया गया कि आरोपी रीना कुमारी के कान से सोने का झुमका और गले से मंगलसूत्र कर चुरा ले गया। चोरी गए जेवरात की कुल कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है मामले की जांच में जुटी पुलिस घटना की जानकारी मिलते ही निर्मली थाने की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि इलाके में इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी है, जहां ज्वेलरी साफ करने के नाम पर लूटपाट की गई थी। घटना के बाद से महिला और उसके परिवार वाले काफी डरे हुए है। स्थानीय लोग इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाने की मांग कर रहे है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और ऐसे संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तुरंत देने की अपील की है।

तेज रफ्तार ट्रक ने युवक को रौंदा,मौत

छपरा। के कोपा थाना क्षेत्र के छपरा-सिवान मुख्यमार्ग पर नयका बाजार के पास हुए एक सड़क दुर्घटना में एक 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसाधि गांव निवासी राहुल कुमार सिंह के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि राहुल गुजरात में नौकरी करता था और अपने भाई की शादी के सवैया समारोह में शामिल होने के लिए पांच दिन पहले घर आया था। वहीं मकर संक्रांति के अवसर पर वह अपनी बहन के घर दाउदपुर के बंगरा गांव में मिठाई देने गया था। जहां से लौटने के दौरान एक अज्ञात ट्रक ने उसे रौंद दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घर का एकलौता कमाऊ सदस्य था मृतक कोपा थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक की पहचान उनके पास मिले मोबाइल फोन के आधार पर की गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। राहुल अपने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था।

रक्सौल में दिनदहाड़े कबाड़ व्यवसायी का अपहरण

भागलपुर। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र रक्सौल में कोइरिया टोला वार्ड नंबर 24 के रहने वाले एक कबाड़ व्यवसायी का हथियारबंद बदमाशों ने अपहरण कर लिया। घटना सुबह 7:30 बजे की बताई जा रही है। वहीं व्यवसायी की पहचान कन्हैया साह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वो सैनिक रोड स्थित अपनी दुकान पर पहुंचे थे। तभी पहले से घात लगाए बैठे तीन से चार बदमाशों ने यूपी नंबर की एक फोर-व्हीलर से उनका अपहरण किया। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने हथियार दिखाकर उन्हें गाड़ी में बैठाया फिर भेलाही रोड की तरफ फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही रक्सौल थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा टीम के साथ मौके पर पहुंचे और अपराधियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। साथ ही अपहरणकर्ताओं की धर-पकड़ के लिए सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस घटना से क्षेत्र के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। स्थानीय व्यापारी संगठनों ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।पीड़ित के परिजनों ने उनकी सकुशल वापसी की गुहार लगाई है। जल्द होगा मामले का खुलासा पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही अपराधियों को पकड़कर मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पुलिस विभिन्न एंगल से मामले की जांच कर रही है।

दहेज नहीं मिलने पर पत्नी-बच्चे को बेचने का आरोप

मुंगेर। के बरियारपुर में एक व्यक्ति ने दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर पत्नी और बच्चे को बेचने की साजिश रची। यह आरोप उसकी पत्नी ने लगाया है। पीड़िता की पहचान सुषमा कुमारी(23) ने अपने पति सौरभ भारती पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सुषमा ने बताया कि उसकी शादी 3 मार्च 2020 को बरियारपुर के कल्याणपुर टोला निबासी सौरभ भारती से हुई थी। शादी में उसके पिता महावीर साह ने 6 लाख रुपए का दहेज दिया था। दंपती को 3 साल का बेटा भी है। बरियारपुर में दवा की दुकान चलाने वाला सौरभ पिछले कुछ समय से पत्नी से 2 कट्ठा जमीन और एक दुकान की मांग कर रहा था। दूसरी महिला से अवैध-संबंध का लगाया आरोप पीड़िता ने बताया कि यह मांग पूरी न होने पर उसका पति लगातार उसके साथ मारपीट करता था। सोमवार को भी उसने मेरी पिटाई की, जिसके बाद मैंने अपने भाई सुमित कुमार को फोन कर मदद के लिए बुलाया। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति का किसी अन्य महिला से अवैध संबंध है। इसी वजह से वह उसे और उसके बच्चे को दलालों के हाथ बेचने की योजना बना रहा था। घटना में ससुराल वालों ने न सिर्फ पीड़िता की पिटाई की बल्कि उसके कपड़े भी फाड़ दिए। आसपास की महिलाओं ने सेफ्टीपिन लगाकर उसकी इज्जत बचाई। ससुराल वालों ने भाई को भी पीटा सूचना पर जब भाई सुमित कुमार वहां पहुंचा तो ससुराल वालों ने उसकी भी जमकर पिटाई कर दी। जिसके बाद सुषमा और सुमित बरियारपुर थाना पहुंच घटना की जानकारी दी। जहां से उसे इलाज के लिये सदर अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पीड़िता ने बताया कि उसका पति सौरभ भारती का नाजायज संबंध गांव की एक महिला के साथ है।

गांजा खरीदकर घर लाई थी महिला गिरफ्तार

5 किलो माल बरामद, खुदरा विक्रेता का काम करती है लेडी तस्कर

भागलपुर। में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने महिला गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक महिला कहीं से भारी मात्रा में गांजा लाकर घर में रख रही है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की। इसके बाद महिला के पास करीब पांच किलो गांजा बरामद किया गया। साथ ही पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। घटना बुद्धूचक थाना क्षेत्र के घोरघट गांव की है। मंगलवार को कहलगांव डीएसपी-2 अर्जुन कुमार गुप्ता ने पीसी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुद्धू चक थाना अध्यक्ष को गुप्त जानकारी मिली थी कि घोरघट में रूपा देवी अपने घर अभी-अभी गांजा लेकर आई है और घर से गांजा की बिक्री करती है। अभी छापेमारी की जाए तो पकड़ा जा सकता है। बुद्धू चक थाना अध्यक्ष ने घटना की जानकारी वरीय पदाधिकारी और अंचल अधिकारी को देते हुए घोरघट स्थित रूपा देवी के घर में छापेमारी की। छापेमारी में आरोपी रूपा देवी के घर की तलाशी ली गई। तभी, रूपा देवी घर के पीछे वाले दरवाजे से एक महिला भागने लगे। उसे पकड़ने का प्रयास किया गया तो महिला घर के बगल एक झाड़ी में सफेद रंग का एक झोला फेंकते हुए भागी जा रही थी। जिसे सशस्त्र बलों ने पकड़ लिया। गिरफ्तार महिला की पहचान दिलीप कुमार की पत्नी रूपा देवी के रूप में की गई है। पुलिस ने उनके घर से भूरे रंग की प्लास्टिक में पैक किया हुआ 7 पीस, एक नीले रंग की प्लास्टिक में बना हुआ गांजा (जैसे मादक पदार्थ) बरामद किया है। बरामद पदार्थ का वजन लगभग 5 किलो बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने उसे जब्त कर लिया है। डीएसपी ने कहा कि इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ट्रेलर से कुलचकर बाइक सवार की मौत

भागलपुर। में तेज रफ्तार बाइक कंटेनर लदे ट्रेलर से बेकाबू होकर टकरा गई, ,जिससे बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ट्रेलर से टक्कर के बाद बाइक सवार सड़क पर गिर गया, जिससे उसका सिर ट्रेलर के पहिए के नीचे आ गया। ट्रेलर के पहिए से सिर कुचल जाने से बाइक सवार ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। फिलहाल, मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। घटनास्थल से बाइक और ट्रेलर को जब्त कर लिया गया है, जबकि बाइक सवार की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए मायागंज अस्पताल भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर कंटेनर लदे ट्रेलर से जा टकराई, जिससे की बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी लोगों ने पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को एंबुलेंस के मदद से मायागंज अस्पताल भिजवाया। मामला लोदीपुर थाना से महज 500 मीटर की दूरी स्थित टोल प्लाजा से 50 मीटर दूर का है। जीरोमाइल की ओर जा रहा था बाइक सवार जानकारी के अनुसार, बाइक सवार युवक टोल प्लाजा होकर जीरोमाइल की ओर से जा रहा था।

सेना भर्ती परीक्षा में नकल कराने वाले शातिर गिरफ्तार

दानापुर। में आर्मी इंटेलिजेंस लखनऊ की टीम ने टेरिटोरियल सेना भर्ती परीक्षा में धांधली करवाने वाले सॉल्वर गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर कैंट एरिया से पकड़े गए आरोपियों की पहचान मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के निवासी सुभाष यादव (25) और ललन यादव (24) के रूप में हुई है पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया है कि वो 12 जनवरी 2025 को दानापुर छावनी में होने वाली टेरिटोरियल आर्मी परीक्षा में नकल करवाने की योजना बना रहे थे। टीम ने आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक कॉल रिसीवर डिवाइस बरामद किए हैं। आर्मी इंटेलिजेंस ने दोनों आरोपियों को दानापुर पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। मिलिट्री इंटेलिजेंस लखनऊ की टीम दानापुर छावनी समेत पूरे बिहार में ऐसे गिरोहों पर नजर रख रही है और भर्ती परीक्षाओं में होने वाले फर्जीवाड़े को रोकने में जुटी है।

पिता की हत्या: पुलिस मुझ पर ही शक कर रही

बेटा बोला- मैं बेटी और पत्नी के साथ सो रहा,था पता ही नहीं चला: मौके पर दो बड़े ईंट बरामद

मुजफ्फरपुर। सुबह उठा तो देखा कि पिता कमरे में बेड के नीचे पड़े हैं। उनके सिर के पास दो बड़ी ईंटें पड़ी हुई हैं। खून से कमरा सना था। मैंने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जांच पड़ताल और आरोपियों को पकड़ने के बजाए पुलिस मुझ पर ही शक कर रही है। ये बातें 68 साल के बुजुर्ग के बेटे ने कही। दरअसल, सोमवार देर रात मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा इलाके में मालीघाट कालीबाड़ी स्थित घर में ईंट से कूचकर बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। घटना के दौरान घर के दूसरे कमरे में बेटा, अपनी पत्नी और बेटी के साथ सो रहा था। तीनों ने कहा कि किसने हत्या की, क्यों की, कब की, ये हमें नहीं पता। परिवार के लोग जब सुबह जब उठे तो देख कमरा खुला हुआ है। बुजुर्ग का शव नीचे पड़ा हुआ है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस पहुंच जांच में जुट गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रडटउल्र भेज दिया गया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। पत्नी का 2023 में निधन, घर के एक कमरे में अकेले रहते थे बुजुर्ग मृतक की पहचान कौशल किशोर गुप्ता के रूप में हुई है। कौशल किशोर गुप्ता की पत्नी का साल 2023 में निधन हो चुका है। घर में वे अपने बेटे सुमन सौरभ, बहू और पोती के साथ रहते थे। जानकारी के मुताबिक, कौशल किशोर गुप्ता अपने घर के एक कमरे में सोमवार की रात खाना खाने के बाद अकेले सोए थे। घर के ही दूसरे कमरे में बेटा सौरभ सुमन, बहू और पोती भी सो रही थी। तीनों ने कहा कि जब हम सुबह उठे, तो घटना की जानकारी हुई। रात को कौन घर के अंदर आया, कब आया, ये पता ही नहीं चला। सौरभ ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए लूट की आशंका जताई है और कहा है कि इसी दौरान पिता की हत्या की गई है। सौरभ के मुताबिक, मां के निधन के बाद भी पिता हम लोगों के साथ रहते थे। खाना एक साथ बनता था। पुलिस को जब घटना की सूचना दी गई, तो पुलिस हम लोगों पर ही शक कर रही है, जैसे हम लोगों ने ही क्राइम कर घटना की जानकारी पुलिस को दी है। पिता के कमरे में पहुंचने के बाद देखा कि वे बेड से नीचे पड़े हुए हैं। उनके सिर के पास खून पड़ा है। सिर के पास ही दो से तीन ईंट पड़े हुए थे। पुलिस आई और उनकी लाश पर से कपड़ा हटाया, तो चाकू के भी निशान मिले। सौरभ ने कहा कि ये पूरी तरह से लूट का मामला है। हालांकि, पैसे वगैरह के बारे में नहीं पता चल पाया है कि कितने की लूट हुई है। घर के तीन मोबाइल गायब हुआ है। घर में सीसीटीवी कैमरा भी नहीं लगा है। घटना को लेकर सिटी एसपी क्या बोले? हत्या की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे सिटी एसपी विश्वजीत दयाल ने बताया कि एक व्यक्ति की ईंट से मार कर हत्या की गई है। जिस घर में वारदात को अंजाम दिया गया है, उसी घर के दूसरे कमरे में मृतक के बेटा, बहू और बच्चे रहते हैं। सिटी एसपी के मुताबिक, तीनों ने बताया कि उनको भी सुबह पता चला है कि पिता की हत्या हो गई।

विश्वजीत दयाल ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी को खंगाल कर घटना के बारे में पड़ताल की जा रही है। अभी तक घटना का पता नहीं चल सका है। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं।

मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

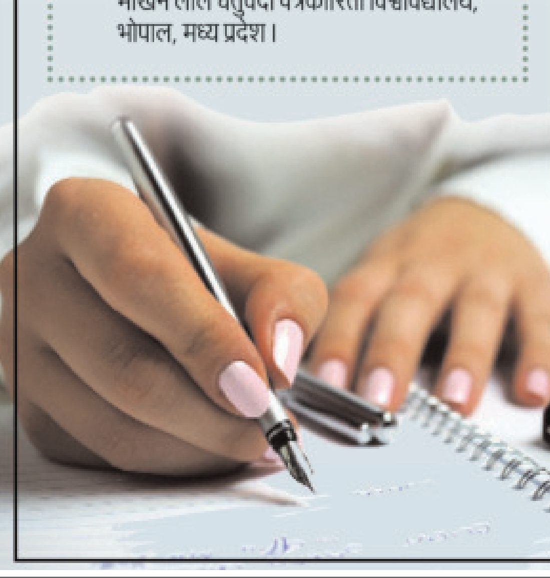

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरेंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गई। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

अविस्मरणीय समारोह के साथ ऐतिहासिक खो खो विश्व कप का नई दिल्ली में हुआ उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। खो खो विश्व कप का उद्घाटन संस्करण सोमवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एक जीवंत उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। जोश और उत्साह के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मशाल जलाकर पहले विश्वकप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया, केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, आईओए अध्यक्ष पीटी उषा, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला और अंतरराष्ट्रीय खो खो महासंघ (ढ्ढय्यस्न) और भारतीय खो खो महासंघ (य्यस्नढ्ढ) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने 23 देशों के खिलाड़ियों का स्वागत किया। खो-खो विश्व कप का पहला संस्करण आज, 13 जनवरी से 19 जनवरी तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित हो रहा है।

शो की शुरुआत धरती माता को समर्पित सैंड आर्ट प्रोजेक्शन से हुई, जिसके बाद भारतीय ध्वज की औपचारिक परेड ने उपस्थित दर्शकों को गर्व से भर दिया। भारतीय खो खो महासंघ ने क्यूब उठाकर पुरुष और महिला दोनों टूर्नामेंट के लिए विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण किया और इसी के साथ पूरे स्टेडियम में जोरदार जयकारे गूंज उठे। भारत का जश्न मनाते हुए और देश की जीवंत और रंगीन संस्कृति को उजागर करते हुए एक शानदार नृत्य प्रदर्शन के बाद, भाग लेने वाले देशों के खिलाड़ियों ने स्टेडियम के चारों ओर परेड की और भीड़ की ओर हाथ हिलाकर उसका अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद गणमान्य व्यक्तियों ने आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट का उद्घाटन करने के लिए मंच संभाला।

इस अवसर पर केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, मैं यहां मौजूद सभी गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद देता हूं और अपना समर्थन प्रदर्शित करता हूं। खो खो को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाना हमारा सपना था। और आज इस टूर्नामेंट के साथ हमारे सपने सच हो रहे हैं। सभी आने वाले देशों को इस खेल का आनंद लेते और इतने उत्साह और जोश के साथ खेलते देखना खेल के लिए एक आशाजनक भविष्य सुनिश्चित करता है। हम सभी टीमों को टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

वहीं, आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, खो-खो सिर्फ एक खेल नहीं है, यह भारत की समृद्ध विरासत का एक जीवंत प्रमाण है। आइए हम सभी निष्पक्ष खेल की भावना को बनाए रखें और प्रतिस्पर्धा के सार को बनाए रखें। खो-खो विश्व कप हमारे स्वदेशी खेल के प्रति हमारे जुनून को नवीनीकृत करती हूं। मैं सभी गणमान्य व्यक्तियों और सभी प्रशंसकों और उनकी उपस्थिति और इस अद्भुत प्रयास के लिए उनके समर्थन का धन्यवाद करती हूं। आइए हम इस टूर्नामेंट को उत्साह के साथ मनाएं और इस विश्व कप को आने वाले कई वर्षों तक याद रखें।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा, मुझे इस इस बात का गर्व है की भारत इस अद्भुत टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। भारत से शुरू हुआ खो-खो अब 50 देशों में खेला जा रहा है। केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खेल को बढ़ावा देने के लिए अद्भुत काम किया है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही एशियाई खेलों और ओलंपिक में खो-खो खेला जाएगा। मैं 23 देशों के सभी खिलाड़ियों को बधाई देता हूं और इसमें शामिल सभी लोगों को शुभकामनाएं देता हूं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे के साथ मिलकर

विश्व कप का आधिकारिक उद्घाटन किया तथा भारत और नेपाल के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच की शुरुआत करते हुए एक प्रेरक भाषण दिया। धनखड़ ने कहा, यह टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत रहा है। ऐसा लग रहा है कि पूरी दुनिया खो-खो का जश्न मना रही है। आज का यह महत्वपूर्ण अवसर हमारे खेलों के स्वर्णिम इतिहास में दर्ज हो जाएगा। सुधांशु मित्तल ने इस शानदार इवेंट से मेरी आंखें खोल दी हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में हमारे अपने स्वदेशी खेल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचेंगे। खो-खो से मेरा पुराना नाता है। खेल एक कला है, इसमें चपलता, गति और चतुराई की आवश्यकता होती है। मैं टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी देशों को शुभकामनाएं देता हूं।

बोपन्ना-बेरियेंतोस की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन पहले दौर से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। दुनिया के पूर्व नंबर एक युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और कंबोडिया के उनके नए जोड़ीदार निकोलस बेरियेंतोस की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष युगल वर्ग के पहले दौर में हारकर बाहर हो गई। बोपन्ना और बेरियेंतोस को 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज और जाउमी मुनार ने 7.5, 7.6 से हराया।

बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखी। स्पेन की जोड़ी ने हालांकि धीरे-धीरे लय पकड़ी और बेसलाइन पर प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई। स्पेनिश जोड़ी ने अहम ब्रेक प्वाइंट बनाकर पहला सेट जीता। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा लेकिन टाइब्रेकर में स्पेनिश जोड़ी ने जीत दर्ज की।

44 वर्ष के बोपन्ना ने यहां 2024 में ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन के साथ खिताब जीता था। वह ओपन युग में ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। बोपन्ना और एब्डेन ने हालांकि पिछले साल नवंबर में तूरिन एटीपी फाइनल्स के बाद अलग होने का फैसला लिया। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल भी पहले दौर में चेक गणराज्य के थॉमस माचाक से हारकर बाहर हो गए।

जेमिमा रौड्रिग्स शतकीय पारी के बाद आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष 20 में पहुंची

दुबई(एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रौड्रिग्स आयरलैंड के खिलाफ दूसरे महिला वनडे मैच में अपने करियर का पहला शतक लगाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंगलवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में शीर्ष 20 में पहुंचने में सफल रही।

आईसीसी से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक 24 साल की जेमिमा 563 रेटिंग अंक के साथ तालिका में 19वें स्थान पर पहुंच गई है। वह शीर्ष 20 में सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड) से आगे हैं। जेमिमा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने शतक के सात साल के सूखे को खत्म करते हुए 102 रन की पारी खेली थी जिससे भारतीय टीम ने पांच विकेट पर 370 रन बनाकर इस प्रारूप का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया था। भारत ने इस मैच को 116 रन से जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में इस श्रृंखला में टीम का नेतृत्व कर रही स्मृति मंधाना 723 अंक के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज है। दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोलवार्डट करियर की सर्वश्रेष्ठ 773 अंक और श्रीलंका की चमारी अट्टापट्टू 733 अंक के साथ तालिका में शीर्ष दो स्थान पर है।

भारत ने खो खो विश्व कप पहले के रोमांचक मुकाबले में नेपाल को हराया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सोमवार को नेपाल को 42-37 से हराकर खो खो विश्व कप 2025 में शानदार शुरुआत की। आज यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गये मैच में टीम के वजीर प्रतीक वाइकर की अगुआई में भारत के हरफनमौला प्रदर्शन ने खो खो विश्वकप का पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला जीता।

भारत की शानदार शुरुआत करते हुए मैच के पहले टर्न में मात्र 60 सेकंड में नेपाल के पहले तीन डिफेंडरों को ढेर कर दिया। प्रतीक वाइकर और रामजी कश्यप की शानदार फ्लाइंग जंप की बदौलत भारत ने पहले टर्न में तीन मिनट शेष रहते हुए 14 अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली, जिसमें नेपाल के दो डिफेंडरों को आउट कर दिया।

वजीर के रूप में प्रतीक वाइकर की जगह लेने वाले सचिन भार्गो ने रात की सबसे बेहतरीन मूवमेंट दिखाई। उन्होंने शानदार स्काईडाइव करके ब्रेक के समय स्कोर को 24 टच पॉइंट तक पहुंचाया, जिससे नेपाल की टीम %ड्रीम रन% हासिल नहीं कर पाई। ड्रीम रन में डिफेंडर मैट से बाहर निकले बिना तीन मिनट तक टिके रहते हैं, जिसके बाद डिफेंडिंग टीम को हर 30 सेकंड में एक पॉइंट मिलता है।

नेपाल को टर्न 2 में छह पॉइंट हासिल करने के लिए लगभग दो मिनट लगे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी की। भारतीय डिफेंडर ड्रीम रन हासिल करने से रोक दिए गए, जिससे नेपाल को अपने टर्न के दौरान 20 पॉइंट हासिल करने का मौका मिल गया। नेपाल के ऑलराउंडर जोगेंद्र राणा मुख्य आक्रामक खिलाड़ी बनकर उभरे, उन्होंने दो डाइव सहित चार पॉइंट हासिल किए, जिससे उनकी टीम मुकाबले में पूरी तरह बनी रही।

खो खो विश्व कप 2025 का पहला ड्रीम रन नेपाल के भरत सारू ने हासिल किया, लेकिन यह अपर्याप्त साबित हुआ क्योंकि भारत 24 पॉइंट से 42 पॉइंट पर पहुंच गया, जिससे मेजबान टीम की बढ़त खेल के चौथे टर्न में 21 पॉइंट पर पहुंच गई।

झलक बीके ने टर्न 4 में नेपाल के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम ने एक बार फिर अंतर को पांच पॉइंट तक कम कर दिया। हालांकि, यह देर से मिली बढ़त टीम इंडिया को प्रभावशाली जीत हासिल करने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं थी। और इसी के साथ मेजबान देश को खो-खो विश्व कप 2025 के लिए एक शानदार शुरुआत मिली।

अब विदेशी दौर के समय पूरे समय परिवार के साथ नहीं रहे पायेंगे खिलाड़ी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टीम को मिली करारी हार के बाद अब खिलाड़ियों का ध्यान खेल पर ही केन्द्रित करने अपने नियमों को कड़ा कर दिया है। बीसीसीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार अब खिलाड़ी किसी भी दौरे में अलग-अलग यात्रा नहीं कर पायेंगे और उन्हें टीम के साथ ही एक स्थल से दूसरे स्थल जाना होगा। इसके अलावा अब दौरे पर पूरे समय खिलाड़ी अपने परिवार के साथ न रहते हुए एक तय समय तक ही साथ रह पाये। रिपोर्ट के अनुसार विदेश दौरे के दौरान खिलाड़ियों के लिए परिवार से मिलना काफी कम हो जाएगा। अब से किसी भी खिलाड़ी की पत्नी पूरे दौरे के लिए नहीं रह पाएंगी। उदाहरण के लिए 45 दिनों के दौरे के दौरान पत्नी या परिवार के सदस्य अधिक से अधिक 14 दिन तक ही साथ रह सकते हैं। बीसीसीआई ने ये फैसला इसलिए लिया है ताकि खिलाड़ियों का ध्यान पूरी तरह से खेल पर ही रहे। इसके साथ हीबीसीसीआई ने पूरी टीम को साथ यात्रा करना अनिवार्य कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया दौर में देखा गया था कि खिलाड़ी अपनी मर्जी के अनुसार एक शहर से दूसरे शहर जा रहे थे। वही अब किसी भी खिलाड़ी को व्यक्तिगत यात्रा की अनुमति नहीं होगी। भारतीय टीम को अब इंग्लैंड क खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलनी है।

रोहित एमसीए के अभ्यास सत्र में शामिल होंगे

मुम्बई । खराब फार्म के कारण आलोचना झेल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मुंबई टीम प्रबंधन को घरेलू क्रिकेट के अभ्यास सत्र में शामिल होने की सूचना दे दी है। ऑस्ट्रेलिया दौर में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सीनियर खिलाड़ियों के लिए भी घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया है। वहीं इस सीरीज के पहले रोहित और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट मुकाबले खेलना अनिवार्य नहीं था पर ऑस्ट्रेलिया दौर से हालात बदल गये। अब सभी खिलाड़ियों को घरेलू किकेट खेलना होगा। इसके बिना भारतीय टीम में जगह नहीं मिलेगी। रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी भी शुरु कर दी है। मुंबई टीम अपने अगले रणजी ट्रॉफी लीग राउंड के लिए सेंटर-विकेट अभ्यास सत्र का उपयोग करेगी। जम्मू कश्मीर टीम के खिलाफ मुंबई को अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। एमसीएस की ओर से कहा गया है कि रोहित ने अभी तक रणजी मैच में खेलने को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। वह अभी इसमें खेलने पर विचार कर रहे हैं। साथ ही कहा कि वह जम्मू और कश्मीर के खिलाफ अगला रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे या नहीं। ये अभी तय नहीं हुआ है।' रोहित ने मुंबई के लिए अंतिम बार 2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ रणजी मुकाबला खेला था। वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। वहीं सीरीज में हार के बाद कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि सभी खिलाड़ियों को रणजी में खेलना चाहिये। साथ ही कहा था कि घरेलू नहीं खेलने वाले बेहतर टेस्ट प्लेयर नहीं बन सकते।

भारत की नजरें आयरलैंड के खिलाफ महिला वनडे में क्लीन स्वीप पर

राजकोट (एजेंसी)। पहले दो मैचों में शानदार जीत दर्ज कर चुकी भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ बुधवार को तीसरे और आखिरी वनडे में उतरेगी तो उसका इरादा श्रृंखला में 'क्लीन स्वीप' करने का होगा। भारतीय टीम ने बल्लेबाजी में अभी तक जबर्दस्त प्रदर्शन किया है और इस लय को कायम रखना चाहेगी। चार पारियों में तीसरा अर्धशतक जमाने वाली प्रतीका रावल की नजरें शतक जमाने पर होंगी।

कप्तान स्मृति मंधाना के साथ उन्होंने हर मैच में भारत को उम्दा शुरूआत दी है। दोनों ने पिछले मैच में पहले विकेट के लिए 156 रन जोड़े जो पांच पारियों में उनकी तीसरी शतकीय साझेदारी थी। मंधाना ने वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के बाद लगातार अच्छा फॉर्म जारी रखा है। हरलीन देयोल ने भी 89 रन की अहम पारी खेली। भारत ने पिछले मैच में पांच विकेट पर 370 रन बनाए जो उसका सर्वोच्च वनडे स्कोर है।

हरमनप्रीत कौर की गैर मौजूदगी में चौथे नंबर पर उतरी जेमिमा रौड्रिग्स ने परिपक्वता दिखाते हुए 28 गेंद में अर्धशतक जमाया। रौड्रिग्स ने कहा, 'यह अतिरिक्त जिम्मेदारी थी। शुरूआत में मैंने काफी संयम दिखाया जो काफी सकारात्मक था क्योंकि मेरे लिए क्रीज पर डटे रहना जरूरी था। मैं रन तो बना रही थी लेकिन क्रीज पर टिककर खेल नहीं पा रही थी। मुझे खुशी है कि आज ऐसा कर सकी।'

अनुभवी बल्लेबाज तेजल हसबिस ने भी वापसी करते हुए अर्धशतक जमाया। शेफाली वर्मा और हरमनप्रीत जैसे बिग हिटर्स की गैर मौजूदगी में प्रतीका जैसे नए खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके अपनी जगह पक्की की। भारतीय गेंदबाजी चिंता का सबब रही और टीम घरेलू हालात में लगातार विकेट लेने में नाकाम रही जिससे आयरलैंड को पिछले मैच में सात विकेट पर 254 रन बनाने का मौका मिला।

भारत को तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की कमी खल रही है और पूजा वस्त्राकर की चोट ने मुश्किलें और बढ़ा दी है। दीप्ति शर्मा ने अब तक चार विकेट लिए हैं लेकिन प्रिया मिश्रा, सयाली सतघरे और टिटास साधू प्रभावित नहीं कर सकीं हैं।

टीमें :

भारत: स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उप कप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, राघवी बिस्ट, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवेर, तितास साधु, साइमा ठाकोर, सयाली सतघरे।

आयरलैंड : गैबी लुईस (कप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टीना कूल्टर रीली, अलाना डाल्जेल, लौरा डेलानी, जॉर्जीना डेम्प्सी, सारा फोर्ब्स, अर्लीन केली, जोआना लॉफ्रान, एमी मैगुइरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडरगैस्ट, ऊना रेमंड-होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल।

बुमराह का अगला कप्तान बनना तय, उपकप्तानी के लिए ऋषभ और यशस्वी दावेदार

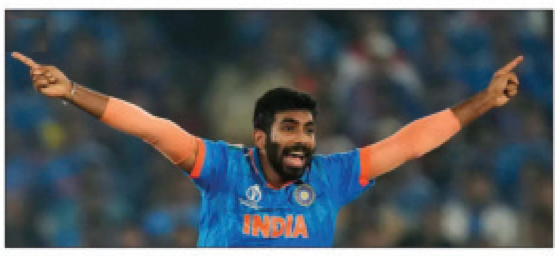

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अगले कप्तान के लिए जसप्रीत बुमराह का नाम एक प्रकार से तय है। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के पहले टेस्ट में भी कप्तानी की थी। बुमराह की राह में सबसे बड़ी बाधा उनकी फिटनेस हैं जिसके कारण उन्हें कप्तानी में समस्या आ सकती है। ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी अंतिम टेस्ट में उन्हें कप्तानी मिली थी पर पीठ में एंठन के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा था। इस साल जून में टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे में भी बुमराह ही कप्तानी करते दिख सकते हैं पर जिस प्रकार से उनकी फिटनेस को लेकर संश बना रहता है। चयनकर्ता उपकप्तानी के लिए दो योग्य दावेदारों की तलाश कर रही है जो जरुरत पड़ने पर कप्तानी भी संभाल सकें। अभी उपकप्तानी के लिए दो नाम सामने आ रहे हैं। इसमें से एक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और दूसरा युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम शामिल है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की रविवार को हुई आम बैठम में भी रोहित शर्मा की जगह कप्तानी के सबसे बड़े दावेदार के तौर पर जसप्रीत बुमराह उभरे हैं। बुमराह ने अब तक तीन टेस्ट मैचों में कप्तानी की है। इनमें से उन्हें एक मैच में जीत मिली है और दो मैच हारे हैं। ऐसे में सभी के सामने सवाल है कि तेज गेंदबाजी के बोझ और कप्तानी के भार को वे एकसाथ कैसे संभालेंगे। इसी वजह से चयनकर्ता अपना प्लान बी भी तैयार रख रहे हैं और युवाओं को उपकप्तानी सौंपने पर विचार कर रहे हैं। पूर्व चयनकर्ता देवांग गांधी ने कहा, बुमराह ने 45 टेस्ट खेले हैं और ऋषभ ने 43 टेस्ट। ऋषभ अभी 27 साल के हैं और जब वह केवल 23 साल के थे, तब उन्होंने गाबा में भारत को उसके सबसे बेहतरीन टेस्ट मैचों में से एक में अकेले दम पर जीत दिलाई थी। वह मैच विजेता हैं, उन्हें उप-कप्तान होना चाहिए। वहीं पूर्व विकेटकीपर दीप दासगुप्ता ने कहा कि गेंदबाजी के बोझ को देखते हुए बुमराह टेस्ट कप्तान के रूप में लंबे समय तक जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। ऐसे में किसी विकल्प का होना जरुरी है जो उनकी जगह ले सके।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैंड को 21 रनों से हराया

मेलबर्न (एजेंसी)। एलिस पेरी (60) की शानदार बल्लेबाजी के बाद अलाना किंग (चार विकेट) और किंग गार्थ (तीन विकेट) बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने मंगलवार को दूसरे एकदिसवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 21 रनों से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 180 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने पहला विकेट आठ रन के स्कोर पर टैमी बोमॉन्ट (तीन) का विकेट गवां दिया।बोमॉन्ट को कि गार्थ ने पगबाधा आउट किया। इसके मैया बाउचियर (17) को भी किम गार्थ ने आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान हीथर नाइट और नेट सायबर ब्रंट ने पारी को संलाने का प्रयास किया। 16वें ओवर में एश्ली गार्डनर ने हीथर नाइट (18) को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में अलाना किंग ने डेनियल वॉयट (शून्य) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को चौथी सफलता दिलाई। 23वें ओवर में 84 के स्कोर पर किंग ने नैट सायबर ब्रंट (35) को भी अपना शिकार बना लिया। 36वें ओवर में गार्थ ने एलिस कैप्सी को पगबाधा आउट कर मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत कर दी। ऐमी जोंस ने इंग्लैंड के लिए (नाबाद 47) रनों की पारी खेली। मेगन शूट ने 49वें ओवर की पहली गेंद पर लॉरेन बेल (एक) को बोल्ड कर इंग्लैंड की पारी का 159 के स्कोर पर अंत कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर किम गार्थ ने तीन विकेट लिये। अलाना किंग को चार विकेट मिले। एश्ली गार्डनर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। आज यहां इससे पहले इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 43 के स्कोर परअपने दो विकेट गवां दिये। अलिसा हीली (29) और फीबी लिचफिल्ड (29) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद नियमित अंतराल पर ऑस्ट्रेलिया के विकेट गिरते रहे। हालांकि इस दौरान ऐलिस पेरी ने एक छोर थामे खड़ी रही। बेथ मूनी (12), ऐनाबेल सदरलैंड (11) और अलाना किंग (13) रन बनाकर आउट हुई। ऐलिस पेरी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अधिक (60) रनों की पारी खेली। 29वें ओवर में उन्हें कैप्सी ने पगबाधा आउट किया। इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया ने अपने आखिरी सात विकेट 34 रन जोड़ कर गवां दिये।

इस साल भारत में होगी जूनियर विश्व कप निशानेबाजी

नई दिल्ली । भारत इस साल जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा। विश्व कप निशानेबाजी में राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें । यह हाल के दिनों में का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जो भारत में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायता करने के तरीके की प्रशंसा की थी।''उन्होंने कहा, ''हमें तब इसकी उम्मीद थी पर अब जब मेजबानी मिलने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। '' वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद शीघ्र ही उन्हें इसके बारे में बताएंगे जिससे सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।'' इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं। साल 2023 में सीनियर विश्व कप भी भारत में हुआ था!

मनु भाकर भी परेशान, ओलंपिक पदकों का रंग उतरा, बदलने की शिकायत करवाई दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक में जीते दो कांस्य पदकों के स्थान पर नए पदक मिलने की संभावना है क्योंकि वह उन खिलाड़ियों के बड़े समूह में से हैं जिन्होंने शिकायत की है कि उनके पदक खराब हो चुके हैं। दुनिया भर के कई खिलाड़ियों ने हाल के दिनों में अपने घिसे हुए पदकों की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। यह पता चला है कि भाकर के पदकों का रंग 'उतर' गया है और वे खराब स्थिति में हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि क्षतिग्रस्त पदकों को 'मोनैई डे पेरिस (फ्रांस का राष्ट्रीय टकसाल)' द्वारा व्यवस्थित रूप से बदला जाएगा।

खिलाड़ियों को मिलने वाला नया पदक पुराने के समान ही होगा। प्रत्येक ओलंपिक पदक के केंद्र में लगे लोहे के टुकड़ों का वजन 18 ग्राम (लगभग दो-तिहाई औंस) होता है। 'मोनैई डे पेरिस' फ्रांस के लिए सिक्के और अन्य मुद्रा तैयार करती है। पेरिस ओलंपिक की आयोजन समिति सभी क्षतिग्रस्त पदक बदलने के लिए 'मोनैई डे पेरिस' के साथ मिलकर काम कर रही है। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक 2024 में दिये गये पदकों में प्रतिष्ठित एफिल टॉवर के टुकड़े शामिल थे। पेरिस 2024 के लिए 5,084 स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक महंगे आभूषण और घड़ी बनाने वाली कंपनी चौमेट (एलवीएमएच समूह का हिस्सा) द्वारा डिजाइन किए गए थे और 'मोनाई डे पेरिस' ने इनका निर्माण किया था।

मनु आजादी के बाद ओलंपिक के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। उन्होंने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इन खेलों में भारत के पदक का खाता खोला था। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला निशानेबाज बनीं। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने इसके बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था।

तेलंगाना पुलिस ने बीआरएस नेता केटी रामा राव को नजरबंद किया

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) को नजरबंद कर दिया। गाचीबोवली में उनके आवास के बाहर पुलिस बल तैनात की गई। एक अन्य बीआरएस नेता, पूर्व मंत्री हरीश राव को भी घर में नजरबंद कर दिया गया है। कोकापेट में उनके आवास के बाहर पुलिसकर्मी तैनात है। पार्टी विधायक कौशिक रेड्डी को हिरासत में लेने के बाद बीआरएस के दो वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई हुई। हुजूराबाद से विधायक रेड्डी को गिरफ्तारी के बाद भारी सुरक्षा के बीच करीमनगर कोर्ट में पेश किया गया। उनके खिलाफ तीन मामले दर्ज थे, और जगतियाल विधायक संजय कुमार द्वारा उनके खिलाफ दायर शिकायत पर करीमनगर पुलिस ने उन्हें जुबली हिल्स, हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। दरअसल करीमनगर में जिला समीक्षा समिति की बैठक में रेड्डी और कुमार के बीच विवाद हो गया। बीआरएस विधायक रेड्डी पर बैठक में बाधा डालने और अन्य नेताओं, खासकर कुमार से बात करने पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगा था। रेड्डी की गिरफ्तारी के बाद केटीआर ने कांग्रेस रेड्डी सरकार की आलोचना की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर आदतन झूठे मामले दर्ज करने और उनकी पार्टी के नेताओं को बार-बार गिरफ्तार करने का आरोप लगाया। इससे पहले, केटीआर और हरीश राव को फॉर्मूला ई रेस फंडिंग की अनियमितताओं में कथित संलिप्तता के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा घर में नजरबंद रखा गया था।

तीन बार से ज्यादा ट्रैफिक नियमों का किया उल्लंघन तो ड्राइविंग लाइसेंस होगा रद्द या निलंबित

पटना। बिहार में वाहन चालक ध्यान दें, अगर आपने तीन बार से ज्यादा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया, तब आपका ड्राइविंग लाइसेंस रद्द या निलंबित हो सकता है। इस संबंध में, बिहार में ट्रैफिक पुलिस ने तीन बार से ज्यादा नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 10,000 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द या निलंबित करने की सिफारिश की है। अपर पुलिस महानिदेशक (ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने बताया कि ट्रैफिक नियमों का बार-बार उल्लंघन करने पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द या निलंबित होगा। उन्होंने कहा, ट्रैफिक पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में तीन बार से ज्यादा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 10,000 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द या निलंबित करने की सिफारिश की है। उन्होंने बताया कि सिफारिशें संबंधित जिलों के अधिकारियों को भेज दी गई हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अगर कोई तीन बार से अधिक यातायात नियमों का उल्लंघन करता है, तब उसका ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित होगा और अगर वह इसके बाद भी उल्लंघन करता है, तब ड्राइविंग लाइसेंस रद्द ही कर दिया जाएगा। ट्रैफिक सिग्नल का उल्लंघन, तेज गति से गाड़ी चलाना, ओवरलोडिंग और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने जैसे अपराधों के लिए लगातार तीन बार से अधिक चालान प्राप्त करने वाले व्यक्ति का लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।

लैंड माइन ब्लास्ट, 6 जवान घायल

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एलओसी के पास लैंड माइन ब्लास्ट में सेना के 6 जवान घायल हो गए हैं। धमाका भवानी सेक्टर के मकरी इलाके में हुआ। इस दौरान सेना के जवान खंबा फोर्ट के पास पेट्रोलिंग कर रहे थे। घायलों को आर्मी अस्पताल भेजा गया है। धमाके की जांच की जा रही है। गोरखा राइफल्स के जवानों की एक टुकड़ी सुबह करीब 10.45 बजे राजौरी में खंबा किले के पास पेट्रोलिंग कर रही थी, उसी समय ब्लास्ट हुआ। घायल जवानों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। उन्हें मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है।

देशभर में एचएमपीवी के 18 केस, पुडुचेरी में एक और बच्चा पॉजिटिव

नई दिल्ली। कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के देश में कुल 18 मामले हो गए हैं। सोमवार को पुडुचेरी में एक और बच्चा पॉजिटिव आया है। इससे पहले 3 और 5 साल के दो बच्चे संक्रमित पाए गए थे। पुडुचेरी के मेडिकल सर्विस डायरेक्टर वी रविचंद्रन ने कहा- बच्चे को बुखार, खांसी जैसी शिकायतें थीं। उसे 10 जनवरी को जेआईपीएमईआर में भर्ती कराया गया था। बच्चा ठीक हो रहा है। देश में एचएमपीवी के सबसे ज्यादा 4 मामले गुजरात में हैं। महाराष्ट्र में 3, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, यूपी, राजस्थान, असम और बंगाल में एक-एक केस सामने आया है। एचएमपीवी केस बढ़ने पर अब राज्यों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पंजाब में बुजुर्गों और बच्चों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। इधर, गुजरात में अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। हरियाणा में भी स्वास्थ्य विभाग को एचएमपीवी केसेस पर निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं।

हरियाणा भाजपा अध्यक्ष रेप में फंसे, महिला की शिकायत पर गैंगरेप का केस दर्ज

पंचकूला। हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली (61) और सिंगर रॉकी मित्तल के खिलाफ गैंगरेप की एफआईआर दर्ज हुई है। ये केस हिमाचल के कसौली पुलिस थाने में 13 दिसंबर 2024 को दर्ज हुआ था। जिसकी जानकारी अब सार्वजनिक हुई है। दिल्ली की रहने वाली महिला का आरोप है कि उसके साथ कसौली के होटल में जबरन शराब पिलाकर रेप किया गया। इसके लिए रॉकी मित्तल ने उसे अपनी एल्बम में एक्ट्रेस बनाने और बड़ौली ने सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया। रेप के बाद उसे डरा-धमकाकर कमरे से बाहर निकाल दिया। उसकी अश्लील फोटो और वीडियो भी बनाई गई। इसके बाद पंचकूला में उसे केस में फंसाने की कोशिश की गई।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में गरजे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, बोले-
पीओके के बिना अधूरा है जम्मू-कश्मीर

-यह पाकिस्तान के लिए विदेशी जमीन, यहां आतंकी ट्रेनिंग कैंप चलाए जा रहे

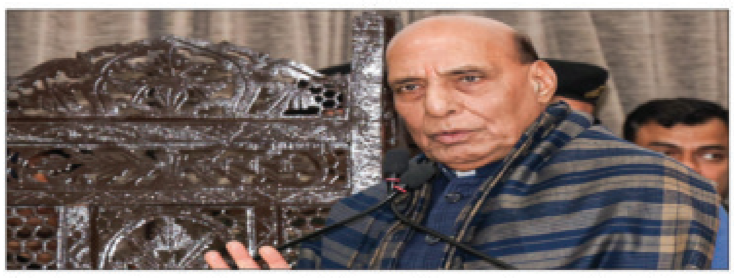

श्रीनगर (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीओके यानी पाक अधिकृत कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया है। उन्होंने कहा कि पीओके के बिना जम्मू-कश्मीर अधूरा है। पीओके और कुछ नहीं बल्कि पाकिस्तान के लिए विदेशी जमीन है और इस जमीन का इस्तेमाल वह आतंकवाद फैलाने के लिए कर रहा है। पीओके में आतंकियों के लिए ट्रेनिंग कैंप चलाए जा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने यह बात मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के अखनूर में 9वें आर्म्ड फोर्सेज वेटरंस डे इवेंट में कही।

उन्होंने कहा कि 1965 में अखनूर में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध लड़ा गया था। भारत ने पाकिस्तानी सेना के सभी प्रयासों को विफल कर दिया था। अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच जितने युद्ध हुए, उनमें भारत ने पाकिस्तान को हराया है। 1965 से ही पाकिस्तान ने भारत में अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देना शुरू कर दिया था। राजनाथ ने कहा कि हमारे मुस्लिम भाइयों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है। आज भी भारत में घुसने वाले 80 प्रतिशत से अधिक आतंकवादी पाकिस्तान से आते हैं। 1965 में ही सीमापार आतंकवाद खत्म हो सकता था, लेकिन तब की लाल बहादुर शास्त्री की अगुआई वाली केंद्र सरकार युद्ध में प्राप्त सामरिक लाभ को रणनीतिक लाभ में बदलने में असमर्थ रही।

दूरी खत्म करना हमारी प्राथमिकता

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि कश्मीर और बाकी देश के बीच जो भी दूरी है, उसे खत्म किया जाए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इस दिशा में कदम उठा रहे हैं। अखनूर में वेटरंस डे सेलिब्रेशन से यही साबित होता है कि अखनूर की हमारे दिलों में वही जगह है, जो दिल्ली की है।

वेटरंस की सेवा करना हमारी जिम्मेदारी

कार्यक्रम में शामिल हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने देश के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। आप वही लोग हैं जिन्होंने अपने भविष्य या जीवन की चिंता किए बिना देश की सुरक्षा के लिए त्याग किया। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आपकी सेवा करें। यह हमारा कर्तव्य है कि हम सुनिश्चित करके कि आपको आरामदायक जीवन मिल सके। ऐसा करके ही हम कर्ज चुका पाएंगे। उन्होंने कहा कि हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि भर्ती में आरक्षण का पूरा उपयोग हो और योजनाओं के तहत आपको जरूरी आर्थिक मदद बिना किसी रुकावट के मिले। मुझे यह कहते हुए कोई झिझक नहीं है कि एक सेवानिवृत्त सैनिक के बेटे, सतीश शर्मा, मेरी कैबिनेट में हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के मुंबई दौरे से पहले यातायात पुलिस ने परामर्श जारी किया

मुंबई। मुंबई यातायात पुलिस के द्वारा परामर्श जारी किया गया है। इसमें बुधवार को इस्कॉन मंदिर के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री मोदी के मुंबई दौरे से पहले प्रतिबंध लगे हैं। नवी मुंबई यातायात पुलिस ने खारघर में यातायात प्रतिबंधों की एक श्रृंखला लागू की है। ये प्रतिबंध यातायात प्रवाह को सुचारू बनाने और कार्यक्रम में अपेक्षित बड़ी भीड़ को प्रबंधित करने के लिए लगे हैं। इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन समारोह सेक्टर 23 में शाम 5 बजे होगा और अधिकारियों को इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री, राजनीतिक नेता और आम लोग शामिल हो सकते है। यातायात परामर्श के अनुसार, ओवे गांव पुलिस स्टेशन से जे कुमार सर्किल और ग्रीन हेरिटेज तक सड़क के दोनों ओर वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। हालांकि, वीआईपी वाहन, पुलिस वाहन, आपातकालीन सेवाएं, सरकारी वाहन और कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी। वैकल्पिक मार्ग में प्रशांत कॉर्नर से ओवे गांव पुलिस स्टेशन की ओर प्रवेश करने वाले और जे कुमार सर्किल तक पहुँचने के इच्छुक वाहनों को ओवे गांव चौक पर बाएँ मुड़ना चाहिए। ओवे गांव चौक से जे कुमार सर्किल की ओर आने वाली कारों को प्रशांत कॉर्नर पर दाएँ मुड़ना चाहिए। शिल्प चौक से जे कुमार सर्किल की ओर जाने वाले वाहन चालकों को ग्रीन हेरिटेज चौक पर पहुँचना चाहिए और फिर उसी के अनुसार मुड़ना चाहिए।

भारत-बांग्लादेश के तनाव में, अपने हित की रोटी सेंकने में जुटा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में लगातार तनाव चरम पर है। हाल ही में, भारत ने बांग्लादेश बॉर्डर पर बाड़ लगाने की योजना तैयार की, ताकि अवैध घुसपैठियों को भारत में आने से रोक सके। इस पर बांग्लादेश ने कड़ा विरोध जताया। इसके जवाब में, भारत ने बांग्लादेश के राजदूत को नई दिल्ली में बुलाकर दो टूक कह दिया हैं कि बांग्लादेश को पिछले सरकारों द्वारा किए गए अनुबंधों को मानना होगा। एक घटनाक्रम में शेख हसीना सरकार के जाने के बाद, बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी है, इसकारण दोनों देशों के बीच छोटे-छोटे मुद्दों पर तनातनी की स्थिति बन रही है।

चीन दोनों देशों के बीच तनाव का फायदा उठाने के लिए ढाका में राजनीतिक दलों के साथ अपने रिश्तों को मजबूत कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी राजदूत याओ वेन ने खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर से मुलाकात की। यह मुलाकात शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के बाद की गई, जब बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें अधिक सक्रिय हुई है।

चीन को पता है कि बीएनपी का भारत के प्रति रुख सकारात्मक नहीं है, जबकि हसीना सरकार का झुकाव भारत की ओर था। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 समिट के दौरान हसीना को विश्व नेताओं से मिलवाया था, इससे भारत और बांग्लादेश के संबंध मजबूत हुए थे। लेकिन बीएनपी पार्टी ने भारत विरोधी प्रदर्शन किए थे, जिसमें उन्होंने भारतीय उत्पादों को जलाया था।

चीन की रणनीति है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार से करीबी संबंध बनाकर बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा बनवाए। यदि ऐसा होता हैं तब यह भारत के लिए एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि भारत चीन के बेल्ट एंड रोड कार्यक्रम के खिलाफ है।

स्कूलों में बम की फर्जी धमकी देने का आरोपी निकाला 12वीं का छात्र, अफजल गुरु से लिंक

-मामले में एक राजनीतिक पार्टी का कनेक्शन भी आ रहा सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के 400 स्कूलों में बम की फर्जी धमकी देने वाले को दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को पकड़ लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी 12वीं का छात्रा है। उसकी फैमिली एक एनजीओ के संपर्क में थी, जो अफजल गुरु की फांसी का विरोध कर रहा था।

दरअसल, दिल्ली में 2024 में मई से लेकर दिसंबर तक 50 बम की धमकियां भेजी गईं। इसमें सिर्फ स्कूल ही नहीं अस्पताल, एयरपोर्ट और एयरलाइन कंपनियां भी शामिल हैं। इस महीने 4 बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

मामले के सामने आते ही भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेसवार्ता कर कहा कि सभी को पता है कि आप का इसतरह के एनजीओ से गहरा संबंध है, जिन्होंने अफजल गुरु की फांसी का विरोध किया था। फरवरी 2015 में अफजल गुरु की बरसी पर टुकड़े-टुकड़े के नारे लगाए गए थे और आप ने महीनों तक उस फाइल को बंद रखा। आप को सामने आकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

वहीं दिल्ली पुलिस ने बताया कि मामले में एक राजनीतिक दल का नाम सामने आया स्पेशल पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) मधुप तिवारी ने प्रेसवार्ता कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारी टीमों ने 8 जनवरी को आए ई-मेल के बाद नाबालिग को ट्रैक किया। ई-मेल भेजने वाला नाबालिग था, इसलिए टीम ने फोरेंसिक जांच के लिए उसका लैपटॉप और मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने नाबालिग के भेजे 400 धमकी भरे ईमेल ट्रैक किए। छात्र के पिता के बैकग्राउंड की भी जांच की। वे एक एनजीओ के साथ काम कर रहे हैं। जांच में सामने आया हैं कि यह एनजीओ अफजल गुरु की फांसी के विरोध से जुड़ा था और एक राजनीतिक दल की भी मदद कर रहा है। पुलिस ने राजनीतिक दल का नाम नहीं जाहिर किया है। पुलिस अब इस एंगल पर जांच कर रही है कि इस बच्चे के पीछे कहीं कोई और नहीं जो मेल करवा रहा है।

भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के माता-पिता ने गुरु की दया याचिका का समर्थन किया था। इन दोनों के बीच एक सीधा दिखाई देता है। क्या आप इसमें शामिल है? इन एनजीओ के लोग कौन हैं और क्या उनका आम आदमी पार्टी से संबंध है?

मैं अरविंद केजरीवाल से अपील करता हूं कि वे सामने आएं और आप को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इन लोगों के साथ उनका क्या संबंध है। अगर नाबालिग यह सब कर रहे हैं, तब इसतरह के एनजीओ देश के बच्चों के दिमाग में किस तरह का जहर घोल रहे हैं? हम आप से स्पष्ट जवाब चाहते हैं। अगर उन्होंने साफ जवाब नहीं दिया, तब संदेह और गहरा हो जाएगा।

शरद पवार ने भी दिए अकेले चुनाव लडने के संकेत, स्थानीय चुनाव के लिए नहीं था इंडिया गठबंधन

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय चुनाव से पहले महा विकास अघाड़ी गठबंधन टूट की कगार पर पहुंचता दिख रहा है। दरअसल हाल ही में शिवसेना यूबीटी ने स्थानीय चुनाव अकेले लडने का एलान किया था। अब एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार ने भी ऐसे संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी भी स्थानीय चुनाव अकेले लड़ सकती है। शरद पवार ने कहा कि अगले 8-10 दिनों में बैठक होगी, जिसमें इस पर फैसला होगा कि चुनाव गठबंधन में लड़ा जाए या फिर अकेले। शरद पवार से जब इंडी गठबंधन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन में कभी भी राज्य और स्थानीय चुनाव को लेकर चर्चा नहीं हुई। इंडी गठबंधन सिर्फ राष्ट्रीय स्तर के चुनाव के लिए था। महाराष्ट्र के आगामी निकाय चुनाव में हम गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेंगे या अकेले, इसका फैसला करने के लिए अगले 8-10 दिनों में बैठक होगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि दिल्ली चुनाव में, मुझे ऐसा लगता है कि हमें अरविंद केजरीवाल की मदद करनी चाहिए।

उत्तर भारत के 17 राज्यों में कोहरा, 9 में बारिश, हिमाचल में तापमान माइनस 12 डिग्री पहुंचा

-मप्र में आज से गिरेगा मावठा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फीली हवाओं के कारण उत्तर भारत के राज्यों में तापमान लगातार गिर रहा है। इसके अलावा मौसम विभाग ने बुधवार को 17 राज्यों में कोहरा और 9 राज्यों में बारिश होने का अनुमान भी जताया है। मप्र में 15 जनवरी को मावठा गिरेगा। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन संभाग में बारिश हो सकती है। सिस्टम के गुजरने के बाद 17 जनवरी से ठंड का असर फिर बढ़ जाएगा। मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धामले ने बताया, मंगलवार से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो गया है। इसका असर 15 और 16 जनवरी को प्रदेश में देखने को मिलेगा। सिस्टम जैसे ही गुजरेगा, प्रदेश में ठंड का असर फिर से बढ़ जाएगा।

हिमाचल में बर्फबारी के कारण कुकुमसेरी का इलाका सबसे ठंडा रहा। यहां रात का तापमान -12.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि ताबो में -10.9 डिग्री तापमान रहा। हरियाणा में भी सर्दी के कारण 2 लोगों की मौत हुई। पंजाब के अमृतसर में तापमान 1.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यूपी में मंगलवार सुबह से 43 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। सहारनपुर में विजिबिलिटी जीरो तक पहुंच गई। ठंड के चलते गाजियाबाद में 8वीं क्लास तक के बच्चों की 18 जनवरी तक छुट्टी कर दी गई है। कुछ जिलों में आज ओले गिरने का भी अलर्ट है। मौसम विभाग ने कहा कि राजस्थान के भी 15 जिलों में ओले गिर सकते हैं। जोधपुर में सभी स्टूडेंट्स के लिए 15 जनवरी और सवाई माधोपुर के स्कूलों में 8वीं तक के बच्चों के लिए 16 जनवरी तक छुट्टी की गई है।

हरियाणा में दो दिन बारिश

हरियाणा में 15 और 16 जनवरी को बारिश की संभावना है। 15 जनवरी को कई जगहों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। अगले 6 दिन में मौसम कई बार करवट बदलेगा। वहीं मंगलवार को सुबह 11 जिलों में घनी धुंध छाई। इससे विजिबिलिटी भी 10 से 50 मीटर तक रही। हालांकि सुबह 11 बजे के बाद धूप निकलने से धुंध कम हो गई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 10 जिलों में कोल्ड वेव का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में हिसार, रोहतक, चरखी-दादरी, झज्जर, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह और पलवल शामिल है।

श्रीनगर में तापमान -5.1 डिग्री

कश्मीर घाटी में शीतलहर का दौर जारी है। हालांकि, कई दिनों बाद सोमवार सुबह श्रीनगर में धूप निकली। इससे पहले रविवार को शहर का न्यूनतम तापमान 3.1 डिग्री की गिरावट के साथ -5.1 डिग्री पहुंच गया। पहलगाम का तापमान सबसे कम -8.4 डिग्री दर्ज किया गया।

राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं... महागठबंधन में नीतीश की एंट्री की अटकलों पर बोलीं मीसा भारती

पटना (एजेंसी)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी, जेडी (यू) को लेकर एक और राजनीतिक बदलाव की बढ़ती अटकलों के बीच, राजद सांसद और लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती ने वह बयान छेड़ दिया है, जिससे आने वाले दिनों में सियासी हलचल और तेज हो सकती है। राजद के साथ गठबंधन में नीतीश की संभावित वापसी के बारे में पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए भारती ने कहा कि काफी समय से चर्चा चल रही है...मुझे नहीं लगता कि कुछ होने वाला है।'

अपने जवाब में राजद नेता ने आने वाले दिनों में किसी भी संभावित राजनीतिक उथल-पुथल से इनकार कर दिया। राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में बड़े बदलाव को लेकर चल रही चर्चा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'मैं कहती रहती हूं कि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। इस पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी... खरमास (मकर संक्रांति से पहले एक अशुभ अवधि) आज के बाद समाप्त हो जाएगा। राजनीति सहित सभी शुभ कार्यक्रम आज के बाद हो सकते हैं।'

विशेष रूप से, पिछले साल, नीतीश कुमार ने सीएम पद से इस्तीफा देकर औपचारिक रूप से राजद के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया था और भाजपा के साथ मिलकर राज्य सरकार के शीर्ष पर एक और कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। इस साल 4 जनवरी को, नीतीश ने उस समय की स्थिति की आलोचना की जब लालू बिहार के सीएम के रूप में शासन करते थे, 'बिहार की हालत काफी खराब थी।'

इससे पहले केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता ललन सिंह ने लालू के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी थी जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश के लिए महागठबंधन गठबंधन के दरवाजे हमेशा खुले हैं। बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंह ने कहा, 'हम (जेडीयू) एनडीए के साथ हैं और पूरी मजबूती के साथ हैं। लोग क्या कहते हैं, मैं उस पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकता-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। लोग जो चाहें कह सकते हैं।'

एआई नए आविष्कारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सहित दुनिया भर के 69 प्रतिशत अधिकारी मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नए आविष्कारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह दावा किया है 'एक्सेंचर टेक्नोलॉजी विजन 2025' रिपोर्ट में।

ताजा रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि एआई अब एक टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट पार्टनर, पर्सनल ब्रांड एम्बेसडर, और पावर रोबोटिक बॉडी के रूप में भी तेजी से कार्य करेगा, जो बेहतर प्रदर्शन के लिए लोगों की मदद करेगा। एआई का प्रसार अब उद्यमों और समाज में इतनी तेजी से हो रहा है, जिसे किसी पिछली टेक्नोलॉजी से तुलना नहीं की जा सकती। एक्सेंचर की अध्यक्ष और सीईओ जूली स्वीट ने इस संदर्भ में कहा कि एआई के फायदों का सही उपयोग तभी संभव होगा जब नेता इसे एक व्यवस्थित तरीके से अपनाएं और इसके परिणामों पर विश्वास बनाए रखें।

केवल इसी तरह से व्यवसाय और लोग एआई की अद्भुत संभावनाओं का लाभ उठा सकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, एआई के वास्तविक लाभ तभी संभव होंगे, जब इसे भरोसे की नींव पर स्थापित किया जाएगा। 77 प्रतिशत अधिकारी इस बात से सहमत हैं कि एआई के सफल कार्यान्वयन के लिए भरोसा आवश्यक है। इसके अलावा, 81 प्रतिशत अधिकारियों का मानना है कि भरोसे की रणनीति को किसी भी टेक्नोलॉजी रणनीति के समानांतर विकसित किया जाना चाहिए। इस शोध में 21 उद्योगों और 28 देशों के 4,000 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें भारत भी शामिल था। एक्सेंचर के समूह मुख्य कार्यकारी-प्रौद्योगिकी और सीटीओ कार्तिक नारायण ने कहा कि नए एआई मॉडल, एजेंटिक एआई सिस्टम और आर्किटेक्चर के साथ, उद्यमों को अपना डिजिटल ब्रेन बनाने में मदद मिलेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि डिजिटल सिस्टम किस प्रकार डिज़ाइन किए जाते हैं, लोग कैसे काम करते हैं, और वे अपने ग्राहकों से किस प्रकार संवाद करते हैं। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि 80 प्रतिशत कार्यकारी इस बात से चिंतित हैं कि बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) और चैटबॉट्स हर ब्रांड को एक जैसी आवाज़ दे सकते हैं। हालांकि, 77 प्रतिशत अधिकारी इस बात से सहमत हैं कि ब्रांड अपनी पर्सनल एआई एक्सपीरियंस के माध्यम से संस्कृति, मूल्यों और आवाज़ जैसे विशिष्ट ब्रांड तत्वों को इस समस्या का समाधान बनाने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले दशक में सामान्य रोबोट उभरेंगे, जो फिजिकल वर्ल्ड में एआई स्वायत्तता को बढ़ाएंगे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9386895799, 9507466535, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902